डाक पंजीयन सं. जयपुर सिटी/ 110/2024-26

website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

R.N.I. NO. RAJHIN/2006/16735 राजस्थान एवं केन्द्र
सरकार से विज्ञापनों के लिए मान्यता प्राप्त

रॉयल पत्रिका मंगवाने के लिए संपर्क करें - 9799559096 0141-4982834

रॉयल पत्रिका

प्रशासनिक सेवाओं की तैयारी कैसे करें?और सरकारी नौकरियों की जानकारी के लिए पढ़ें पृष्ठ 5

वर्ष : 20 | अंक : 26 | पेज: 08 | जयपुर, सोमवार, 28 जुलाई से 03 अगस्त 2025 | साप्ताहिक | मूल्य: 7 रुपए

देश की राजनीति में मुस्लिम नेताओं का प्रभाव और प्रतिनिधित्व क्यों घट रहा है ?

एम खान

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। यह सभी जानते हैं कि देश में मुस्लिम नेताओं का महत्व लगातार घटता जा रहा है। साथ में जनसंख्या के अनुपात में मुसलमानों का विधानसभाओं और संसद में प्रतिनिधित्व भी घट रहा है। वैसे इसके एक कारण नहीं होकर अनेक कारण हैं जिनके कारण मुस्लिम नेताओं का देश की राजनीति में लगातार महत्व घट रहा है।

इनमें मुख्य है-

ध्रुवीकरण:- देश की राजनीति में वर्तमान में धर्म का बोलबाला होने लगा है। देश में लोकसभा और विधानसभा चुनाव अब शिक्षा, रोजगार एवं विकास के बाजार ध्रुवीकरण के आधार पर जीते जा रहे हैं। देश की राजनीति में अब विकास का मुद्दा कमजोर होता जा रहा है। देश के राजनीति में सबको साथ लेकर चलने की नीति का अभाव स्पष्ट देखा जा रहा है। ध्रुवीकरण की आड़ में योग्य से योग्य मुस्लिम उम्मीदवार आसानी से घर जाते हैं।

जो बहुसंख्यक लोग मुस्लिम हितों की बात करते हैं ध्रुवीकरण के कारण वह भी चुनाव हार जाते हैं। शिक्षा, रोजगार एवं विकास की राजनीति के अभाव में मुस्लिम समुदाय के अलावा देश की आर्थिक स्थिति पर काफी प्रभाव पड़ रहा है।

विधायकों एवं सांसद जीत कर अपने समुदाय को भूल जाते हैं? जितने भी राजनीतिक दल हैं, ज्यादातर ऐसे मुस्लिम नेताओं को पसंद करते हैं जो उनकी हां में हां मिलाकर चलते हैं। ऐसे नेता जो मुस्लिम समुदाय से ज्यादा राजनीतिक दलों के हितों का ज्यादा ध्यान रखते हैं उन्हें विधानसभा और लोकसभा का टिकट आसानी से मिल जाता है। जब यह मुस्लिम लीडर जीत कर आते तो है यह अपने राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि ज्यादा होते हैं और अपने समुदाय के हितों को नजर अंदाज करते हैं। ऐसे विधायकों और सांसदों को स्वयं मुस्लिम समुदाय हराने की कोशिश करता है। राजस्थान विधानसभा 2023 में करीब 7 से 8 मुस्लिम विधायक इसी कारण चुनाव हार गए।

राजनीति में अमीर नेताओं का प्रवेश-

मुस्लिम समुदाय में सबसे ज्यादा गरीबी है। राजनीतिक दलों में ईमानदार, गरीब एवं मेहनती कार्यकर्ताओं की पूछ ज्यादा नहीं बची है। राजनीतिक दल अब पैसे वालों या व्यवसायी लोगों को विधानसभा और लोकसभा का टिकट देते हैं। यह अमीर नेता जीत कर तो आ जाते हैं लेकिन अपने समुदाय का ध्यान नहीं रख पाते हैं। क्योंकि ऐसे नेता समझते हैं कि उनके राजनीति में सफलता उनका पैसा है। यही कारण है कि ऐसे जनप्रतिनिधि अपने समुदाय के जरूरी मुद्दों पर भी सदन में आवाज नहीं उठाते हैं। व्यावसायिक जनप्रतिनिधि एक नहीं सभी दलों से संपर्क रखता है। वह अपने व्यावसायिक हितों के लिए अपने समुदाय के मुद्दों से ज्यादा प्राथमिकता देता है। यही कारण है कि ऐसे मुस्लिम नेता मुसलमानों के नेता नहीं बन पाते हैं और अगली बार चुनाव हार जाते हैं। मुस्लिम क्षेत्रों में वर्तमान में सरकारी स्कूल, हॉस्पिटल, सामुदायिक केंद्र, पार्क, सड़के, सफाई का स्पष्ट अभाव देखा जा सकता है। यह स्थिति ऐसे नेताओं के कारण ही बनी है।

मुस्लिम समुदाय में जातिवाद, गुटबाजी, राजनीतिक अज्ञानता

मुस्लिम समुदाय पहले एक साथ होकर एक राजनीतिक दल को वोट देता था। जिसके कारण समुदाय का महत्व बहुत ज्यादा हुआ करता था। लेकिन समय के साथ मुस्लिम समुदाय में राजनीतिक गुटबाजी, जातिवाद और धार्मिक फिरके भी राजनीति में प्रभाव डाल रहे हैं। दूसरी तरफ राजनीतिक जागरूकता नहीं होने के कारण इन गुटों के नेता मुस्लिम समुदाय की राजनीतिक स्थिति को प्रभावित कर रहे हैं। मुस्लिम समुदाय में गरीबी ज्यादा होने के कारण बेरोजगार युवा पैसे लेकर किसी भी दल के साथ आसानी से जुड़ जाते हैं। ऐसी स्थिति में मुस्लिम लीडरशिप पनपने में मुश्किल खड़ी हो जाती है।

संसद में मुस्लिम सांसदों का प्रतिनिधित्व

भारत में 2011 की जनगणना के अनुसार मुसलमानों की जनसंख्या 14-15 प्रतिशत (22 करोड़) है, लेकिन लोकसभा में उनका प्रतिनिधित्व 5 प्रतिशत से कम रहा है। जनसंख्या के अनुपात में मुसलमानों को लगभग 75 सीटें लोकसभा में मिलनी चाहिए लेकिन वास्तव में यह संख्या 24-27 के बीच रही है।

1952	11 सांसद
1980	49 सांसद
2004	34 सांसद
2017	26 सांसद
2019	27 सांसद
2024	24 सांसद

सांसद और विधानसभाओ में मुस्लिम प्रतिनिधित्व घटने का और भी कई कारण है जिनमें विधानसभा और लोकसभा क्षेत्र का पुनर्गठन, कई राजनीतिक दलों में मुस्लिम वोटो का बंटवारा एवं हिंदूत्व का बोलबाला है। विधानसभा और लोकसभा क्षेत्र का पुनर्गठन नियमों के अनुसार नहीं करके मुस्लिम वोटर बांटने पर फोकस किया गया। यह देश की राजनीति का पक्षपातपूर्ण रवैया है।

भारत को अगला चीन बनने का सपना छोड़ देना चाहिए -रघुराम राजन

नई दिल्ली। आरबीआई के पूर्व गवर्नर रघुराम राजन का कहना है कि भारत को मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में "अगला चीन" बनने का सपना छोड़ देना चाहिए। उन्होंने चेतावनी दी है कि वैश्विक परिस्थितियां और इंफ्रा बाधाएं बड़े पैमाने पर, कम लागत वाली फैक्टरी-आधारित बढ़ोतरी को लगातार असंभव बना रही हैं।

क्या है डिटेल

फ्रंटलाइन के साथ एक डिटेल इंटरव्यू में राजन ने भारत की रोजगार क्रिएशन स्ट्रैटेजी के मूल में पारंपरिक विनिर्माण पर निर्भर रहने के प्रति आगाह किया। उन्होंने कहा, "एक और चीन के लिए कोई जगह नहीं है।" उन्होंने यह भी कहा कि ग्लोबल मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर तेजी से स्वचालित, संरक्षणवादी होता जा रहा है और वियतनाम तथा चीन जैसे देशों द्वारा संतृप्त होता जा रहा है, जहां कम वेतन के साथ मजबूत इंफ्रा भी है। असेंबली जैसे कम-कौशल वाले क्षेत्रों में भी मशीनों को तेज़ी से अपनाया जा रहा है। राजन ने कहा, "कंपनियों को अब ऐसे लोगों की जरूरत है जो मशीनों की देखभाल कर सकें, उनकी मरम्मत कर सकें-न कि ऐसे लोगों की जो मशीनों द्वारा प्रतिस्थापित किए गए मैनुअल काम करें।" बढ़ते वैश्विक विनिर्माण राष्ट्रवाद ने समस्या को और बढ़ा दिया है। उन्होंने कहा, "हर कोई अपना छोटा-मोटा विनिर्माण उद्योग चाहता है। हम विनिर्माण क्षेत्र में इतनी नौकरियों की उम्मीद नहीं कर सकते।"

राजन की यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब भारत अपनी आर्थिक प्रगति के एक महत्वपूर्ण दौर से गुजर रहा है। गिरते निर्भरता अनुपात और विशाल युवा कार्यबल के साथ, भारत को अपने तथाकथित जनसांख्यिकीय लाभांश का लाभ उठाना चाहिए। फिर भी, उनका तर्क है कि देश "निम्न पृथ्वी की कक्षा" में फंसा हुआ है, जहां 6-6.5% की निरंतर लेकिन अपर्याप्त वृद्धि दर है- जो ऐतिहासिक रूप से प्रभावशाली है, लेकिन इतनी नहीं कि बुढ़ापा आबादी पर हावी होने से पहले अमीर बन जाए, खासकर तमिलनाडु और केरल जैसे राज्यों में जहां प्रजनन दर पहले ही प्रतिस्थापन स्तर से नीचे है। (साभार)

मिसाइल मैन डॉ. कलाम का संपूर्ण जीवन देश के युवाओं के लिए मार्गदर्शक - मदन राठौड़

-डॉ. कलाम की पुण्यतिथि पर अल्पसंख्यक मोर्चा ने प्रदेशभर में आयोजित किए विविध कार्यक्रम

जयपुर। भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा की ओर से रविवार को भारत रत्न डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम की पुण्यतिथि के अवसर पर "कलाम को सलाम" विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। भाजपा प्रदेश कार्यालय में आयोजित संगोष्ठी में मुख्य अतिथि भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ रहे, वहीं गोष्ठी की अध्यक्षता अल्पसंख्यक मोर्चा प्रदेशाध्यक्ष हमीद खान मेवाती ने की तथा विशिष्ठ अतिथि भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा राष्ट्रीय महामंत्री एम.के चिश्ती रहे।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने डॉ. कलाम के जीवन को प्रेरणादायक बताते हुए कहा कि "मिसाइल मैन डॉ. कलाम का संपूर्ण जीवन देश के युवाओं के लिए मार्गदर्शक है। उन्होंने विज्ञान, तकनीक और राष्ट्रभक्ति का अदृत संगम प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि, "कांग्रेस ने वर्षों तक अल्पसंख्यकों को केवल वोट बैंक की तरह इस्तेमाल किया, लेकिन 2014 के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में अल्पसंख्यकों के समग्र विकास के लिए ठोस कार्य किए जा रहे हैं। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि अल्पसंख्यक समुदाय की बदलती सोच उन लोगों के लिए जवाब है जो अल्पसंख्यकों के नाम पर राजनीति करते हैं। उन्होंने युवाओं को संदेश दिया कि अब वोट बैंक के लिए नहीं, विकास की राजनीति होनी चाहिए। इस दौरान भाजपा प्रदेश अध्यक्ष राठौड़ ने 51 मुस्लिम युवाओं को भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता ग्रहण करवाई।

अल्पसंख्यक मोर्चा के राष्ट्रीय महामंत्री एम.के. चिश्ती ने कहा कि आज जरूरत है कि हम डॉ. कलाम की तरह राष्ट्र को प्रथम रखें। उन्होंने बताया कि भाजपा ने बिना किसी भेदभाव के योजनाओं का लाभ सभी समुदायों तक पहुँचाया है। भाजपा प्रदेश मंत्री भूपेंद्र सैनी ने कहा कि डॉ. कलाम की जीवन गाथा न केवल प्रेरक है, बल्कि यह देश के लिए संकल्प का मार्ग है। इस दौरान अल्पसंख्यक मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष हमीद खान मेवाती ने कहा कि कांग्रेस ने हमेशा मुसलमानों को धोखा दिया है और मुस्लिम समाज को वोट बैंक के रूप में इस्तेमाल किया है। उन्हें धमकाया जाता रहा है, मुसलमानों को पढ़ने लिखने तक नहीं दिया गया। आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में मुसलमानों को बिना किसी भेदभाव के सरकारी योजना का लाभ मिल रहा है। गोष्ठी के अंत में वक्ताओं ने डॉ. कलाम के विचारों और कार्यों को आत्मसात करने का आह्वान किया और उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किए।

इस अवसर पर जयपुर शहर पूर्व सांसद रामचरण बोहरा, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष हुसैन खान, प्रदेश प्रभारी जोसेफ जॉन हॉकिंस, भाजपा ओबीसी मोर्चा प्रदेशाध्यक्ष चंपालाल गेदर, एसटी मोर्चा प्रदेशाध्यक्ष नारायण मीणा, पूर्व प्रदेशाध्यक्ष एम. सादिक खान, फिरोज खान पूर्व राष्ट्रीय मंत्री रेशमा हुसैन, पूर्व प्रदेश महामंत्री मुनव्वर खान, आदर्श नगर विधानसभा प्रत्याशी रवि नय्यर, आईटी प्रदेश संयोजक मोहम्मद इरशाद हसनपुरा,जयपुर शहर महामंत्री परवेज खान सहित भाजपा के वरिष्ठ पदाधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का सफल संचालन मोर्चा प्रदेश मंत्री एडवोकेट मुराद अली शेख ने किया।

बिहार विधानसभा चुनाव 2025: किसकी सरकार बनेगी ?

- जनता की नाराज़गी का सामना कर रहे नीतीश कुमार

पटना। बिहार की राजनीति एक बार फिर करवट लेने को तैयार है। 2025 में होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर चर्चाओं का बाज़ार गर्म है। हर राजनीतिक दल अपनी रणनीति तैयार कर रहा है, लेकिन सबसे बड़ा सवाल यही है—आख़िर इस बार सरकार किसकी बनेगी? और क्या नीतीश कुमार एक बार फिर जनता का विश्वास जीत पाएंगे या जनता उन्हें सत्ता से बाहर कर देगी?

नीतीश कुमार की गिरती लोकप्रियता

नीतीश कुमार, जो एक समय 'सुशासन बाबू' के नाम से मशहूर थे, आज अपनी ही छवि के संकट से जूझ रहे हैं। पिछले कुछ वर्षों में उनके लगातार गठबंधन बदलने, राजनीतिक यू-टर्न और कुर्सी बचाने की राजनीति ने जनता के बीच उनकी साख को बुरी तरह प्रभावित किया है। जेडीयू से बीजेपी, फिर महागठबंधन और अब फिर एनडीए—ऐसे लगातार समीकरण बदलने से आम लोग खुद को ठगा महसूस कर रहे हैं।

जनता का कहना है कि नीतीश कुमार ने सत्ता बचाने के लिए जनादेश का अपमान किया है। 2020 में उन्होंने आरजेडी को हराकर सरकार तो बनाई थी, लेकिन गठबंधन और मुख्यमंत्री पद को लेकर उनके फ़ैसले कई बार जनता की इच्छा के विपरीत प्रतीत हुए।

युवाओं और बेरोज़गारी का मुद्दा

बिहार में बेरोज़गारी सबसे बड़ा चुनावी मुद्दा बनने जा रहा है। नीतीश सरकार के दौरान सरकारी भर्तियों की रफ़्तार धीमी रही है। पेपर लीक, बार-बार परीक्षाएं रद्द होना और नौकरी के लिए लंबा इंतज़ार—इन सबने युवाओं में ग़ुस्सा भर दिया है। पढ़े-लिखे बेरोज़गारों का मानना है कि सरकार ने सिर्फ़ वादे किए, धरातल पर कुछ नहीं उतरा।

अग्निपथ योजना पर नीतीश की चुप्पी, और केंद्र की योजनाओं पर बिना विरोध के समर्थन ने युवाओं को और ज़्यादा खिन्न किया है।

महंगाई और विकास कार्यों पर सवाल

बढ़ती महंगाई, गाँवों में खराब सड़कों की हालत, बिजली-पानी की समस्याएं और स्वास्थ्य सेवाओं की बदहाली भी नीतीश सरकार की नाकामी को उजागर करती हैं। लोगों का कहना है कि पहले के मुकाबले अब विकास की गति थम सी गई है। 'काम से ज़्यादा प्रचार' पर ध्यान देने का आरोप भी लग रहा है।

विपक्ष की मज़बूत होती पकड़

तेजस्वी यादव के नेतृत्व में राष्ट्रीय जनता दल (RJD) की पकड़ युवा और पिछड़े वर्ग में मज़बूत हो रही है। तेजस्वी बार-बार यह सवाल उठा रहे हैं कि बिहार को नीतीश कुमार ने राजनीतिक अस्थिरता का केंद्र बना दिया है। वहीं कांग्रेस और वामपंथी दल भी एक साझा विपक्षी गठबंधन की तैयारी में हैं, जिससे सत्तारूढ़ दल को कड़ी टक्कर मिलने की संभावना है।

बीजेपी का गणित

बीजेपी अभी तक खुलकर मुख्यमंत्री चेहरा घोषित नहीं कर रही है, लेकिन पार्टी के भीतर यह चर्चा ज़रूर चल रही है कि नीतीश कुमार को फिर से चेहरा बनाया जाए या नहीं। हालांकि ज़मीनी स्तर पर बीजेपी के कई कार्यकर्ता नीतीश कुमार के साथ फिर से गठबंधन से नाराज़ नज़र आते हैं।

संभावनाओं की तस्वीर

अगर मौजूदा जनमत और जनता की नाराज़गी को देखा जाए, तो 2025 में नीतीश कुमार की राह आसान नहीं है।

अगर तेजस्वी यादव अपनी रणनीति को सही तरीके से आगे बढ़ाते हैं,

और बीजेपी स्पष्ट रणनीति और नया चेहरा लेकर आती है,

तो बिहार की सत्ता एक बार फिर उलटफेर का गवाह बन सकती है।

नीतीश कुमार की सबसे बड़ी चुनौती अब सत्ता नहीं, बल्कि साख बचाना है।

जनता अब बार-बार के गठबंधन बदलावों, अधूरे वादों और बेरोज़गारी जैसे मुद्दों पर सवाल कर रही है। ऐसे में 2025 का चुनाव सिर्फ़ एक सामान्य चुनाव नहीं, बल्कि जनता के विश्वास और नेतृत्व के भविष्य का फैसला होगा।

For Sale

1,2,3,4 BHK फ्लैट्स ,
मोती डूंगरी रोड, आदर्श नगर,
जवाहर नगर, फतेह टीबा
& Near by Location
Contact - 8386947005

बिहार एसआईआर-एडीआर का कोर्ट में हलफनामा

नई दिल्ली (एजेंसी) । बिहार में निर्वाचन आयोग की विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया को लेकर एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) ने सुप्रीम कोर्ट में कड़ा विरोध दर्ज किया है । संगठन ने आधार और राशन कार्ड को मान्य दस्तावेजों की सूची से बाहर करने को बेतुका और असंगत बताया है। एडीआर ने अपने जवाबी हलफनामे में कहा कि आयोग ने आधार को खारिज करने का कोई ठोस कारण नहीं दिया, जबकि यह सबसे व्यापक रूप से इस्तेमाल किया जाने वाला दस्तावेज है । इसे पासपोर्ट व जाति प्रमाण पत्र जैसे दस्तावेजों के लिए भी स्वीकार किया जाता है । एडीआर ने यह भी कहा कि एसआईआर में स्वीकृत 11 दस्तावेज भी फर्जी दस्तावेजों से प्राप्त किए जा सकते हैं, साथ ही एसआईआर प्रक्रिया में दस्तावेजों की जांच और मतदाता फार्मों के सत्यापन की कोई तयशुदा प्रक्रिया नहीं है । इसके अलावा एडीआर ने यह भी कहा कि एक ही निर्वाचक पंजीकरण अधिकारी (ईआरओ) को तीन लाख से अधिक फार्मों की जिम्मेदारी देना, मतदान प्रक्रिया की निष्पक्षता को खतरे में डाल सकता है ।

हमने मिशन 'हरियालो राजस्थान' की शुरुआत की है - भजनलाल शर्मा

- पिछले वर्ष प्रदेश में हुआ 7 करोड़ से अधिक पौधरोपण

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार राजस्थान को हरा-भरा और खुशहाल प्रदेश बनाने के लिए पर्यावरण संरक्षण की दिशा में सतत् रूप से कार्य कर रही है। हमने यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान से प्रेरणा लेकर मिशन 'हरियालो राजस्थान' की शुरुआत की है। इस अभियान के तहत पांच साल में 50 करोड़ पौधे लगाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि इस साल हम जनभागीदारी से 10 करोड़ पौधे लगाने जा रहे हैं। हरियाली तीज पर एक दिन में ढाई करोड़ पौधे लगाकर एक नया रिकॉर्ड बन रहा है।

शर्मा रविवार को सीकर जिले के ग्राम मंडावरा में जिलास्तरीय वन महोत्सव के तहत आयोजित समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि पिछले साल 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने एक पेड़ मां के नाम अभियान की शुरुआत की थी। हमने पिछले वर्ष एक पेड़ मां के नाम अभियान और हरियालो राजस्थान मिशन के तहत 7 करोड़ से अधिक पौधे लगाए थे। प्रधानमंत्री जी ने भी मन की बात कार्यक्रम में राज्य सरकार की इस उपलब्धि की सराहना की थी। उन्होंने कहा कि हमारे इस प्रयास को प्रकृति का भी साथ मिला और अच्छी बारिश हुई। प्रदेश के सभी बांध पूरी तरह भर गए थे। इस वर्ष जुलाई माह में ही आधे से अधिक बांध भर चुके हैं।

शेष पृष्ठ 2 पर..

पीएम मोदी ने 'मन की बात' में की देशभर की सफाई पहलों की सराहना

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को अपने मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' के 124वें एपिसोड में एक बार फिर 'स्वच्छता' पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि 'स्वच्छ भारत मिशन' जल्द ही अपने 11 साल पूरे करने जा रहा है, लेकिन इसकी ताकत और जरूरत आज भी उतनी ही बनी हुई है।

पीएम मोदी ने कहा, "कभी-कभी कुछ लोगों को कोई काम असंभव सा लगता है। शेष पृष्ठ 2 पर..

सुप्रीम कोर्ट ने लगाई हाईकोर्ट के फैसले पर रोक, लेकिन आरोपी रहेंगे रिहा

नई दिल्ली, (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने 2006 के मुंबई ट्रेन ब्लास्ट केस में बड़ा फैसला सुनाया है। सर्वोच्च न्यायालय ने इस सिलसिले में बारह आरोपियों को बरी करने वाले बॉम्बे हाईकोर्ट के फैसले पर रोक लगा दी है। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि आरोपियों की रिहाई पर रोक नहीं है और उनको दोबारा जेल नहीं भेजा जाएगा। कोर्ट ने इसी के साथ आरोपियों को नोटिस भी जारी किया है।

महाराष्ट्र सरकार ने किया था फैसले का विरोध

वर्ष 2006 के मुंबई ट्रेन बम विस्फोट मामले में सभी 12 अभियुक्तों को बॉम्बे हाई कोर्ट ने बरी कर दिया था।

शेष पृष्ठ 2 पर..

अर्चना कुमावत आमेर विधानसभा व मुकेश चोपड़ा सह-प्रभारी नियुक्त

चौमूं (रॉयल पत्रिका)। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ के निर्देशानुसार भाजपा जयपुर देहात उत्तर के जिला अध्यक्ष सुरेश बादलीवाल ने जिलाध्यक्ष ने उपाध्यक्ष व पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष अर्चना कुमावत को आमेर विधानसभा का प्रभारी नियुक्त किया है। इसके साथ ही जिला मंत्री मुकेश चोपड़ा को आमेर विधानसभा के सह-प्रभारी का दायित्व सौंपा गया है। संगठन ने विश्वास जताया कि दोनों पदाधिकारी अपने अनुभव, संगठनात्मक, दक्षता और कार्य कुशलता के बल पर पार्टी को आमेर क्षेत्र में मजबूत करने का कार्य करेंगे। अर्चना कम आवत लंबे समय से भाजपा के संगठनात्मक कार्य में सक्रिय रही है। वही मुकेश चोपड़ा भी पार्टी के जमीनी कार्यकर्ता के रूप में पहचाने जाते हैं और संगठन में सक्रिय भूमिका निभाते आ रहे हैं। पार्टी कार्यकर्ताओं में इस घोषणा को लेकर उत्साह का वातावरण है।

स्मार्ट मीटर के खिलाफ विरोध प्रदर्शन

-राज्यपाल के नाम ज्ञापन दिया

चौमूं (रॉयल पत्रिका)। विद्दुत निगम की ओर से लगाए जा रहे स्मार्ट बिजली मीटरों के विरोध में शुक्रवार को आरएलपी प्रदेश महामंत्री छुट्टन यादव के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं और लोगों ने शहर के मोरीजा रोड स्थित एक्शन कार्यालय के बाहर धरना प्रदर्शन किया। लोगों ने बताया कि पारदर्शिता के अभाव में स्मार्ट मीटर आम जनता को आर्थिक रूप से परेशान कर रहे हैं, आक्रोशित आरएलपी कार्यकर्ताओं और लोगों ने चौमूं चंदवाजी स्टेट हाईवे मार्ग पर टायर जलाकर विरोध प्रदर्शन किया। इससे चौमूं से चंदवाजी जाने वाले मार्ग पर राहगीरों और वाहन चालकों को आवागमन में काफी परेशानी हुई पुलिस ने मौके पर पहुंचकर यातायात बहाल करवाया।

रामबाबू गोरा पंचायत समिति सदस्य सोहन सबलानिया, गोविंदगढ़ सरपंच महेंद्र शर्मा, पार्षद महेंद्र कुमावत, विष्णु शर्मा, मोहन निठारवाल, पप्पू बर्रा, बलदेव यादव, लालचंद कुमावत, टिपू खान, सलमान कुरैशी, ओमप्रकाश यादव, इरशाद अली, शाहबाज खान, मोहसिन शाह, सिंबू यादव, अंकुर सोनी, नितेश मीणा, मानसिंह राजपूत सहित कई लोग धरना प्रदर्शन में शामिल हुए। आरएलपी कार्यकर्ताओं ने एक्शन जीएल गुप्ता को राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौंप कर स्मार्ट मीटर योजना पर रोक लगाने की मांग की है।

शपथ पत्र

मैं फरहा पुत्री श्री अब्दुल हमीद निवासी सेकुलर रोड हाजीपुरा उत्तर प्रदेश- 283203 की हूं तथा सशपथ बयान करती हूं कि -

1. यह कि शरई पंचायत इस्लामिक सेंटर मदीना कॉलोनी फिरोजाबाद यू. पी. की ओर से रेहान पुत्र अफ़सर निवासी बाबा रामदेव नगर कच्ची बस्ती गुर्जर की थड़ी जयपुर राजस्थान को इस नोटिस के माध्यम से यह सूचना दी जाती है कि आपकी पत्नी फरहा पुत्री अब्दुल हमीद निवासी फिरोजाबाद ने दिनांक 15.4.2025 को एक प्रार्थना पत्र अपना निकाह खत्म करने के संबंध में हमारे विभाग में दिया है। जिस पर सुनवाई के लिए आपको स्पीड पोस्ट से तीन नोटिस दिनांक 29.4.2025 व 20.5.2025 एवं 13.6.2025 को भेजे गए, उसमें से तीसरा नोटिस आपके पते पर प्राप्त नहीं किया गया और वह 18.6.2025 को फिरोजाबाद लौट आया। अब इस अखबार के द्वारा आपको जवाब देने के लिए अंतिम नोटिस से सूचित किया जा रहा है कि आप शरई पंचायत मदीना कॉलोनी फिरोजाबाद में दिनांक 31.7.2025 को उपस्थित होकर अपना पक्ष रखें अन्यथा शरई पंचायत की ओर से फरहा का निकाह खत्म करने की कार्यवाही की जाएगी जिसकी पूरी जिम्मेदारी आपकी होगी।

ह० फरहा
शपथ ग्रहिता

आंचल गिराए नहीं जाते

बस देखने से दिल में उतर जाता है कोई
सच कहते हैं जज़्बात कमाए नहीं जाते
मैंने किसी को यूं ही कभी नहीं चुना
सुनते हैं अज़ीज़ रिश्ते बनाए नहीं जाते
ठोकर लगी तो गिर गये रेत के महल
मज़बूत बनावट के गिराए नहीं जाते
रुह को संभालिए फ़ानी है जिस्म तो
जंगे रवा में जिस्म सजाए नहीं जाते
मैंने तो मुकद्दर से कभी कुछ नहीं सीखा
बस हादसाते ज़ीस्त भुलाए नहीं जाते
दोनों के दरमियान थे फासले बहुत
फिर भी मिलाए हाथ छुड़ाए नहीं जाते
कहता है इक मिसाल बने उसकी आबरू
ढलके हुए आंचल गिराए नहीं जाते

फ़ज़लुर्रहमान

सूचना

समाचार पत्र में प्रकाशित लेखों में लेखक के अपने विचार हैं, इनसे संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र जयपुर होगा।

वतन फाउंडेशन ने मिसाइल मेन अब्दुल कलाम की पुण्यतिथि पर सद्भावना सभा आयोजित कर दी श्रद्धांजलि

शादाब अली

सवाई माधोपुर, (रॉयल पत्रिका)। वतन फाउंडेशन द्वारा रविवार को एकता, अखंडता और भाईचारे की भावना को मजबूत करते हुए पूर्व राष्ट्रपति "मिसाइल मैन" डॉ. ए.पी. जे. अब्दुल कलाम की पुण्यतिथि पर सद्भावना सभा कार्यक्रम आयोजित किया गया। हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी यह आयोजन प्रेरणास्पद और जनजागृति से भरपूर रहा। कार्यक्रम की शुरुआत कलाम को श्रद्धांजलि अर्पित कर की गई। कार्यक्रम में समाज के बुद्धिजीवी वर्ग, छात्र, युवा और गणमान्य नागरिकों ने कलाम साहब के विचारों और जीवन से प्रेरणा लेते हुए उन्हें नमन किया। सभा के दौरान वक्ताओं ने डॉ. कलाम के जीवन दर्शन, उनके वैज्ञानिक योगदान, शिक्षार्थियों के प्रति उनके प्रेम और भारत को महान बनाने के उनके स्वप्न को याद करते हुए युवाओं से आह्वान किया कि वे कलाम साहब के विचारों को आत्मसात करें।

श्रद्धांजलि सभा के तुरंत बाद

पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें वतन फाउंडेशन ने संदेश दिया कि "प्रकृति से प्रेम और समाज में सद्भावना ही डॉ. कलाम को सच्ची श्रद्धांजलि है।" वतन फाउंडेशन के हुसैन आर्मी ने बताया, "कलाम साहब सिर्फ वैज्ञानिक ही नहीं, बल्कि भारत के आत्मसम्मान, शिक्षा और आपसी मोहब्बत एकता के प्रतीक थे। इस सभा का उद्देश्य उनके विचारों को समाज में जीवंत बनाए रखना है इस अवसर पर शहर के कई गणमान्य नागरिकों सामाजिक संगठनों और युवाओं ने सहभागिता कर आयोजन को प्रेरक और सफल बनाया। कार्यक्रम का मूल संदेश रहा — "सद्भाव से राष्ट्र निर्माण से जीवन उत्थान"। कार्यक्रम में काजी अहतेशाहमुद्दीन, हरि प्रसाद योगी, डॉ. नगेंद्र शर्मा, डॉ. सैयद बलीग अहमद, प्रो.शाहिद जैदी, बद्री प्रसाद, राजेंद्र अग्रवाल, कैलाश सिसोदिया, जितेन्द्र जैन, वरिष्ठ अध्यापक अब्दुल मजीद, संरक्षक राजेश शर्मा रामलाल बैरवा, मुमताज खान, डॉ. लुकमान अहमद, अमरिंदर ज्ञानी जी, पार्षद राजेश पहाड़िया पार्षद असिम खान, सलमान रंगरेज, योगेश गर्ग, मोइन खान, डॉ शाकिर खान, टीपू सुल्तान, आशीष मेहरा, विमल पांडे,रजनी लक्सवाल, सुनीता गोमे, सुनीता मधुकर, सुमन शर्मा, सीमा छाबड़ा, मंजू गंगवाल रूमा नाज, सहित अनेक महिला पुरुष मौजूद रहे।

नोटिस में नहीं है दम, काम नहीं रोकेंगे हम, जेडीए को बिल्डर की खुली चुनौती

सादिक हिन्दस्तानी

सांगानेर (रॉयल पत्रिका)। हीरानगर मुहाना मोड़ पर बिल्डर की जेडीए को खुली चुनौती। जेडीए की दस्तक के बाद भी नहीं रुका काम। नोटिस के बाद और जोर शोर से शुरू हुआ काम। अब सवाल यह उठता है कि क्या फाइल दफ्तर में दबा दी गई या फिर होगी कार्यवाही या फिर राजनैतिक दबाव के आगे झुकेगा जेडीए प्रशासन। या फिर बिल्डरों की तानाशाही के आगे जेडीए गांधी जी के तीन बंदरों की तरह अंधा, गूंगा, बहरा, बनकर तमाशबीन बना रहेगा। जी हां यह मामला है जयपुर विकास प्राधिकरण के जोन- 8 के मुहाना मोड श्रीजी नगर राजकीय महाविद्यालय के पास का। कुछ दिन पूर्व प्रकाशित खबर हीरा विहार मुहाना मोड में नियमों की उड़ रही है धज्जियां। विला बनकर तैयार, जेडीए मौन दर्शक क्यों ? कहीं कोई राजनीतिक दबाव में तो नहीं है जेडीए की चुप्पी, या फिर किसी बड़े सौदे का हो रहा है इंतजार। क्योंकि जेडीए के आने के बाद दिखावे के लिए थोड़ी देर के लिये बंद हुआ था काम। खबर के बाद कार्य की गति ने जोरदार पकड़ी है रफ्तार। बिल्डर की जेडीए को खुली चुनौती। जेडीए की दस्तक के बाद भी नहीं रुक रहा है काम। तीन अवैध विला तो बनकर हो गए हैं तैयार। तीन और नए अवैध विला का जोर शोर से हो रहा है काम। एक तरफ यहां बिजली पानी के कनेक्शन, रोड और लोन के बारे में बताकर एक विला को 50 लाख से 55 लख रुपए तक में बेचा जा रहा है। दूसरी तरफ जयपुर विकास प्राधिकरण का साफ कहना है कि गैर अनुमोदित कॉलोनी में जेडीए प्रशासन काम नहीं करेगा। ऐसे में विला खरीदने वाला चक्कर लगाता रहता है और उनके झांसे में आ जाता है। क्योंकि निर्माण स्थल पर ऐसा कोई अधिकृत नोटिस बोर्ड नहीं लगा है। जिससे यह जानकारी मिल सके कि यह जमीन जेडीए द्वारा स्वीकृत हुई है। बहुत सारे सवाल है, पत्र क्रमांक क्या है, भूखंड संख्या क्या है, भवन मानचित्र स्वीकृति कितनी है, कुल स्वीकृति ऊंचाई क्या है, स्वीकृति दिनांक क्या है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार यह सब काम जेडीए और बिल्डर की मिली भगत से हो रहा है। क्योंकि जयपुर विकास प्राधिकरण को हर बार राजनीतिक दबाव के आगे चुप रहना पड़ता है। जेडीए दिखावे के लिए नोटिस जारी करता है और बाद में सेटिंग होने के बाद सब कुछ सेट हो जाता है। यह है हमारे सांगानेर, प्रताप नगर, मानसरोवर की कहानी। पूछती है सांगानेर की जनता। अब सवालिया निशान यह है कि बतायेगा कौन ? तो जवाब यह है कि गांधी जी के तीन बंदर अंधे, गूंगे, बहरे, पट्टी बांधकर जो बैठे हुए हैं। चीखते चिल्लाते रहो और सुनते रहो।

पृष्ठ एक का शेष....

हमने मिशन 'हरियालो राजस्थान' की शुरुआत की......

राज्य सरकार सहेज रही वृक्ष संरक्षण की परंपरा—

मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाली तीज के पावन अवसर पर प्रदेश में 76वें वन महोत्सव का शुभारंभ हुआ है। हमारी संस्कृति में पर्यावरण संरक्षण का बहुत महत्व है। पर्यावरण प्रेमी अमृता देवी ने अपनी तीन बेटियों समेत 363 लोगों के साथ वृक्षों को बचाने के लिए अपने प्राणों की आहूति दे दी थी। हम उनकी वृक्ष संरक्षण की परंपरा को सहेजने के लिए जोधपुर के खेजड़ली में अमृतादेवी इंडिजिनस प्लांट म्यूजियम बनवा रहे हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश के विभिन्न नगरीय क्षेत्रों में अर्बन ग्रीन लंग्स के महत्व को ध्यान में रखते हुए केंद्र सरकार के सहयोग से नगर वन स्थापित कर रही है। इनमें से 22 नगर वन स्थापना का काम चल रहा है तथा 18 अन्य नगर वनों की स्थापना के प्रस्ताव केंद्र सरकार को भिजवाए गए हैं।

शर्मा ने कहा कि हम एक जिला एक प्रजाति कार्यक्रम लागू करते हुए प्रत्येक जिले की मुख्य वानस्पतिक प्रजाति और सहायक प्रजातियों को बढ़ावा दे रहे हैं। हरित अरावली विकास परियोजना के अंतर्गत 250 करोड़ रुपये से राज्य के 19 अरावली जिलों में इस मानसून में 3 हजार 700 हेक्टेयर क्षेत्र में अग्रिम मृदा कार्य करवाकर अगले वर्ष पौधारोपण करेंगे। साथ ही, बाड़मेर, जैसलमेर जैसे मरुस्थलीय जिलों में स्थानीय प्रजातियों का पौधरोपण कर हरित क्षेत्र में वृद्धि भी की जा रही है। हमनें वन भूमि और गैर-वन भूमि पर वृक्षारोपण गतिविधियों के साथ ही वन्य जीवों के समुचित पालन और सुरक्षा में स्वेच्छा से योगदान देने वाले 3 हजार 500 से अधिक स्थानीय व्यक्तियों को वन मित्र बनाया है।

हम जनता से किया हर एक वादा कर रहे पूरा—

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में राजस्थान को लगातार सौगातें मिली हैं, राज्य लगातार आगे बढ़ रहा है। उनकी पहल पर शेखावाटी क्षेत्र के लिए यमुना जल समझौता हुआ, जिसकी डीपीआर बनाने का कार्य चल रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार के प्रतिनिधि जनता के बीच रहकर कल्याणकारी योजनाओं का लाभ उन तक पहुंचाते हैं। बजट से पूर्व भी समाज के विभिन्न वर्गों से सुझाव लिए गए थे। हम जनता से किया हर एक वादा पूरा कर रहे हैं। हमारे डेढ़ वर्ष के कार्यकाल में ही पूर्ववर्ती सरकार के पूरे कार्यकाल से अधिक विकास कार्य हुए हैं। युवाओं को हमने एक साल में 1 लाख सरकारी नौकरियां देने का लक्ष्य रखा है, जिसमें से 75 हजार से अधिक नियुक्तियां दे चुके हैं तथा 26 हजार पदों पर भर्ती की प्रक्रिया चल रही है। शर्मा ने कहा कि किसानों को हमने किसान सम्मान निधि तथा गेंहू के समर्थन मूल्य में वृद्धि जैसी सौगातें दी हैं। पिछले दिनों राज्य सरकार द्वारा चलाए गए वंदे गंगा जल संरक्षण-जन अभियान में नदी, तालाबों व सरोवरों के संरक्षण एवं संवर्धन के कार्य किए गए। इसी प्रकार पंडित दीनदयाल उपाध्याय अंत्योदय संबल पखवाड़े के अंतर्गत आमजन के लंबित कार्य किए गए। मुख्यमंत्री ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण में प्रत्येक व्यक्ति की भूमिका महत्वपूर्ण है। एक पेड़ मां के नाम अभियान में ज्यादा से ज्यादा पौधे लगाकर तथा जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ वंचित वर्ग तक पहुंचाकर हम राजस्थान को विकसित और उत्कृष्ट प्रदेश बनाने में अपना योगदान दे सकते हैं।

कार्यक्रम में वन एवं पर्यावरण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) एवं जिला प्रभारी मंत्री संजय शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आह्वान पर 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान संपूर्ण देश में जन आंदोलन बन गया है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान को हरित प्रदेश बनाने का कार्य किया जा रहा है। हम पांच वर्ष में 50 करोड़ पौधरोपण के संकल्प को भी पूरा करेंगे।

इससे पहले मुख्यमंत्री ने जिलास्तरीय वन महोत्सव में हरियालो राजस्थान के तहत जनप्रतिनिधियों एवं साधु-संतों की मौजूदगी में वैदिक मंत्रोच्चार के साथ पौधारोपण किया। इस दौरान गुड़हल, बहेड़ा, कदम, नीम, जामुन, आंवला, चीकू, बरगद, पीपल, गूलर, कल्पवृक्ष एवं सिंदूर इत्यादी के पौधे लगाए गए। मुख्यमंत्री ने गुरुकुल के विद्यार्थियों के साथ आत्मीय मुलाकात भी की।

महाराष्ट्र के मुख्य सचिव बनने के बाद पहली बार सवाई माधोपुर पहुंचे राजेश मीना का ऐतिहासिक नागरिक अभिनंदन

-सवाई माधोपुर शहर और सवाई माधोपुर वासी मेरी रग-रग में बसते हैं- राजेश मीना

-हमारी संस्कृति में रिश्तों की गरिमा और भावनाओं की आत्मा है- अर्चना मीना

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। महाराष्ट्र के मुख्य सचिव बनने के बाद पहली बार सवाई माधोपुर पहुंचे आईएएस राजेश कुमार मीना का उनकी पत्नी अर्चना मीना के साथ ऐतिहासिक नागरिक अभिनंदन किया गया। समारोह में जयपुर, दौसा, टोंक, करौली एवं सवाई माधोपुर जिले सहित प्रदेश भर से आए हजारों लोगों ने गर्मजोशी से उनका स्वागत किया। बड़ी संख्या में दूर दराज से आए उनके मित्र, रिश्तेदार, सहयोगी, पत्रकार, जनप्रतिनिधि और सरकारी प्रतिनिधियों का मेला-सा लग गया। वे सभी उनका स्वागत करने को आतुर नजर आए।

समारोह को संबोधित करते हुए आईएएस राजेश कुमार मीना ने कहा कि सवाई माधोपुर शहर और सवाई माधोपुर वासी मेरी रग-रग में बसते हैं। गत 40 वर्षों की दूरी भी अपने शहर के प्रति मेरे प्रेम को धुंधला नहीं कर पाई। मेरा और मेरे परिवार का निरंतर यहां से जुड़ाव बना रहा है और इस जुड़ाव का श्रेय मैं अपनी पत्नी अर्चना मीना को देता हूँ। उन्होंने कहा कि आप सभी के द्वारा आज दिया गया यह अभूतपूर्व सम्मान मेरे लिए अविस्मरणीय है और मैं सदैव ही इस प्रेम का ऋणी रहूँगा।

इस अवसर पर मुख्य सचिव राजेश कुमार की सासू माँ पूर्व सांसद एवं केंद्रीय मंत्री जसकौर मीना ने कहा कि इस विशेष दिन की शोभा और आनंद तब कई गुना बढ़ गया जब आप सभी स्वजनों ने दूर-दूर से मेरे एक निमंत्रण पर यहाँ पधार कर उन पर आशीर्वाद और शुभकामनाओं की वर्षा कर अभिनंदन समारोह की शोभा बढ़ाई और परिवार के साथ मिल कर ये हर्ष और आनंद के क्षण हमारे साथ साझा किये। जसकौर मीना ने कहा कि राजेश कुमार की यह उपलब्धि और यहाँ तक की यात्रा एक परिवार या व्यक्ति की नहीं बल्कि एक क्षेत्र और एक समाज के सपनों की यात्रा भी है।

इस दौरान राजेश मीना की पत्नी स्वदेशी जागरण मंच की अखिल भारतीय महिला प्रमुख अर्चना मीना ने सभी उपस्थितजन का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि आज का दिन मेरे लिए अविस्मरणीय रहेगा। जब मेरे जीवनसाथी राजेश कुमार मीना अपने गृहनगर सवाईमाधोपुर में अपनों के बीच खड़े सबसे स्नेह, सम्मान और आशीर्वाद प्राप्त कर रहे थे, तब मैं हर मुस्कान में अपनापन, हर दृष्टि में आशीर्वाद और अभिनंदन में हर्ष के प्रत्यक्ष दर्शन कर रही थी। इस आत्मीय समारोह में गाँव-शहर से पधारे सभी मित्रगण, रिश्तेदार, सहयोगी, साथियों, जनप्रतिनिधियों और सरकारी प्रतिनिधियों का मैं हृदय की गहराइयों से धन्यवाद करती हूँ। अर्चना ने कहा कि हमारी संस्कृति में रिश्तों की गरिमा और भावनाओं की आत्मा है और आज उसी संस्कृति का जीवंत स्वरूप यहाँ साक्षात देखने को मिला।

शाही लवाजमे के साथ निकली तीज की सवारी

चौमूं (रॉयल पत्रिका)। शहर में शाही लवाजमे के साथ निकली तीज की सवारी चौमूं नगर परिषद से शाम 6:30 बजे तीज की सवारी हाथी घोड़ों, ऊंट और बैंड बाजे के साथ, कालबेलिय, नृत्य के साथ निकली बहुत सारे लोग साथ-साथ तीज की सवारी के चल रहे थे। बस स्टैंड, बावड़ी गेट, लक्ष्मीनाथ जी का चौक, चौपड़, रावण गेट, धोली मंडी होते हुए थाना मोड़ से वापस नगर परिषद पहुंची। तीज की सवारी के साथ भारी संख्या मे महिलाएं, बच्चे, बुजुर्ग चल रहे थे, ये जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे- चौमूं विधायक डॉ. शिखा मिल बारला, नगर परिषद अध्यक्ष विष्णु कुमार सैनी, नगर परिषद आयुक्त, पार्षद महेश यादव, ब्लॉक अध्यक्ष लोकेश शर्मा, फिरोज नागौरी, कमल भातरा, अशोक, नगर अध्यक्ष शायर मल सैनी, छीतरमल जलुथरिया आदि। पुलिस प्रशासन पूरी तरह से मुस्तैद रहा, हरमाड़ा एसएचओ उदयभान यादव, चौमूं एसएचओ प्रदीप शर्मा मौजूद रहे।

पृष्ठ एक का शेष....

पीएम मोदी ने 'मन की बात' में की देशभर की....

वे सोचते हैं, क्या यह संभव भी होगा? लेकिन जब पूरा देश एक सोच पर एकजुट हो जाता है, तो असंभव भी संभव हो जाता है। 'स्वच्छ भारत मिशन' इसका सबसे बड़ा उदाहरण है।"

उन्होंने बताया कि इन 11 सालों में यह मिशन एक जन आंदोलन बना है। लोग इसे अपना कर्तव्य मानते हैं और यही असली जनभागीदारी है। पीएम मोदी ने कहा कि देशभर के शहर और कस्बे अपने-अपने पर्यावरण और जरूरतों के अनुसार स्वच्छता के अनूठे तरीकों को अपना रहे हैं। इस साल देश के 4500 से ज्यादा शहर और कस्बे, इसमें शामिल हुए। 15 करोड़ से ज्यादा लोगों ने इसमें हिस्सा लिया। यह कोई मामूली संख्या नहीं है। यह स्वच्छ भारत की आवाज है। प्रधानमंत्री ने कई स्थानों के उदाहरण देते हुए बताया, "उत्तराखंड के कीर्तिनगर के लोग पहाड़ों में कचरा प्रबंधन की नई मिसाल कायम कर रहे हैं। इसी तरह, मंगलुरु में तकनीक की मदद से जैविक कचरा प्रबंधन किया जा रहा है। अरुणाचल प्रदेश में रोइंग नाम का एक छोटा सा शहर है। एक समय था, जब कचरा प्रबंधन वहां के लोगों के स्वास्थ्य के लिए एक बड़ी चुनौती थी। वहां के लोगों ने इसकी जिम्मेदारी ली। 'ग्रीन रोइंग इनिशिएटिव' शुरू किया गया और फिर रीसाइकिल किए गए कचरे से एक पूरा पार्क तैयार किया गया।" उन्होंने बताया कि कराड और विजयवाड़ा में जल प्रबंधन की कई नई मिसालें कायम हुई हैं। अहमदाबाद में रिवर फ्रंट की सफाई ने भी सबका ध्यान खींचा है।

'मन की बात' कार्यक्रम में प्रधानमंत्री मोदी ने भोपाल की 'सकारात्मक सोच' टीम की सराहना की। पीएम मोदी ने बताया कि यह टीम 200 महिलाओं की है जो 17 पार्कों की सफाई करने के साथ-साथ लोगों में जागरूकता भी फैला रही हैं। शहर के 17 पार्कों की एक साथ सफाई करना और कपड़े के थैले बांटना, उनका हर कदम एक संदेश है। ऐसे ही प्रयासों की बदौलत भोपाल अब स्वच्छ सर्वेक्षण में काफी आगे बढ़ा है।

लखनऊ की गोमती नदी टीम के बारे में बताते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि यह टीम पिछले 10 सालों से हर रविवार लगातार सफाई अभियान में जुटी है। छत्तीसगढ़ के बिल्हा की महिलाओं को भी पीएम ने सराहा, जिन्होंने कचरा प्रबंधन का प्रशिक्षण लेकर शहर की तस्वीर ही बदल दी।

प्रधानमंत्री ने गोवा के पणजी शहर का भी उदाहरण दिया। उन्होंने कहा कि पणजी में कचरे को 16 श्रेणियों में बांटा जाता है। उसका नेतृत्व भी महिलाएं ही कर रही हैं। पणजी को 'राष्ट्रपति पुरस्कार' भी मिल चुका है।

देशवासियों को स्वच्छता का मैसेज देते हुए पीएम मोदी ने कहा कि स्वच्छता कोई एक बार या एक दिन का काम नहीं है। साल के हर पल स्वच्छता को प्राथमिकता देंगे, तभी देश स्वच्छ रहेगा।

पृष्ठ एक का शेष....

सुप्रीम कोर्ट ने लगाई हाईकोर्ट के फैसले पर...

फैसले को महाराष्ट्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी, जिसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार 25 जुलाई को फैसला सुनाया। प्रधान न्यायाधीश बीआर गवई, जस्टिस के. विनोद चंद्रन और जस्टिस एनवी अंजारिया की पीठ ने याचिका पर सुनवाई की थी।

हाईकोर्ट के फैसले को मिसाल नहीं माना जाएगा

न्यायमूर्ति एम एम सुंदरेश और न्यायमूर्ति एन कोटिश्वर सिंह की पीठ ने मामले के सभी आरोपियों को नोटिस जारी किया और राज्य सरकार द्वारा दायर अपील पर उनसे जवाब मांगा। शीर्ष अदालत ने कहा कि हाईकोर्ट के फैसले को मिसाल नहीं माना जाएगा। सोमवार को न्यायमूर्ति अनिल किलोर और न्यायमूर्ति श्याम चांडक की विशेष हाईकोर्ट पीठ ने सभी 12 आरोपियों को बरी कर दिया और कहा कि अभियोजन पक्ष मामले को साबित करने में पूरी तरह विफल रहा और "यह विश्वास करना मुश्किल है कि आरोपियों ने अपराध किया है"। विशेष अदालत ने 12 में से पांच को मौत की सजा और सात को आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी। मौत की सजा पाए एक दोषी की 2021 में मौत हो गई।

बम ब्लास्ट में 180 लोगों की गई थी जान

11 जुलाई 2006 को विभिन्न स्थानों पर मुंबई लोकल ट्रेनों में हुए सात विस्फोटों में 180 से ज्यादा लोग मारे गए थे। उच्च न्यायालय ने 2015 में एक विशेष अदालत द्वारा अभियुक्तों को दी गई सजा और उनकी दोषसिद्धि को चुनौती देने वाली उनकी अपीलों को स्वीकार कर लिया। उच्च न्यायालय का यह फैसला मामले की जांच कर रही महाराष्ट्र एटीएस के लिए एक बड़ी शर्मिंदगी लेकर आया। एजेंसी ने दावा किया कि अभियुक्त प्रतिबंधित संगठन स्टूडेंट्स इस्लामिक मूवमेंट ऑफ इंडिया (सिमी) के सदस्य थे और इन सदस्यों ने आतंकवादी समूह लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) के पाकिस्तानी सदस्यों के साथ मिलकर साज़िश रची थी।

सरकार ने क्या कहा था?

इससे पहले सरकार की तरफ से सालिसिटर जनरल तुषार मेहता ने हाई कोर्ट के 21 जुलाई के फैसले के विरुद्ध राज्य सरकार की अपील का तत्काल सुनवाई के लिए उल्लेख किया था। मेहता ने कहा था कि यह एक गंभीर मामला है। विशेष अनुमति याचिका (एसएलपी) तैयार है। कृपया इसे बुधवार को सूचीबद्ध करें। यह अत्यावश्यक है.. कुछ महत्वपूर्ण मुद्दों पर विचार किया जाना बाकी है।

100 वर्षों पुराने मजारों को नया बताकर जयपुर का माहौल बिगाड़ने की सोची समझी राजनीति

-महारानी कॉलेज की स्थापना से भी पुरानी हैं मजारें

जयपुर (रॉयल पत्रिका) । जयपुर लड़कियों की शिक्षा का प्रमुख संस्थान महारानी कॉलेज आजकल शिक्षा के बजाये तीन मजारों के विरोध के लिए चर्चा में है। महारानी कॉलेज प्रिंसिपल कार्यालय के पास बनी इन तीन मजारों के विरोध में "धरोहर बचाओ मंच" के अध्यक्ष भरत शर्मा, हवामहल विधायक बालमुकुंद आचार्य और कई हिंदू संगठन आंदोलन में भाग ले चुके हैं और इन तीन मजारों को महारानी कॉलेज परिसर से हटाने की मांग कर चुके हैं।

विरोध करने वाले ज्यादातर लोग और संगठन भाजपा से संबंधित हैं। मजारों के विरोध के पीछे जाकर गहराई से रिसर्च किया जाए तो भविष्य की राजनीति की दिशा छिपी दिखाई देती है। मजारों की आड़ में एक झूठ और कृत्रिम वातावरण बनाकर लैंड जिहाद, नफरती, आतंकवादी जैसे शब्दों से एक समुदाय को संबोधित किया गया, जबकि महारानी कॉलेज में बनी इन मजारों को नया बताकर जयपुर के सद्भाव एवं भाईचारा को खराब करने की राजनीति दिखाई दे रही है।

100 वर्षों से भी पुरानी हैं मजारें

जयपुर निवासी सलीम खान का कहना है कि यह हमारे बुजुर्गों की मजारें हैं, हम यहां बचपन से ही अपने दादा-दादी, अम्मी-अब्बा के साथ जाया करते थे और अभी भी जाते हैं। सलीम खान की उम्र इस समय करीब 65 वर्ष है। सलीम खान का कहना है कि यहां हमारा मकान भी है, पहले हमारा परिवार यही रहता था। यहां हमारी बहुत बड़ी जमीन है, जो राज परिवार के द्वारा दी गई थी। ये मजारें महारानी परिसर में आपसी भाईचारा और सद्भाव की मिसाल के लिए भी पहचान रखती हैं। सलीम खान ने बताया कि विवाद होने पर मजारों और जमीन के कागज जिला कलेक्टर को उपलब्ध करवा दिए हैं। प्रशासन ने पांच सदस्यों की एक कमेटी बनाई है, जो जल्द ही विवाद पर अपनी जांच रिपोर्ट सरकार को देगी। वैसे प्रशासन ने विरोध करने वालों को मजारों को कोई नुकसान नहीं पहुचाने दिया गया है। लेकिन जयपुर में आश्चर्यजनक रूप से 100-150 वर्ष पुराने मजारों को नया बताकर जिस तरह कृत्रिम माहौल बनाकर, सांप्रदायिक माहौल खराब करने की एक कोशिश है।

महारानी कॉलेज की स्थापना 1944 में

महारानी कॉलेज की स्थापना 1944 में जयपुर में की गई थी। सवाई मानसिंह द्वितीय और महारानी गायत्री देवी के संरक्षण एवं इच्छा से महारानी कॉलेज की शुरुआत की गई थी। महारानी गायत्री देवी चाहती थीं कि उनके शासन में महिलाओं को भी बराबरी की शिक्षा दी जाए। इसी उद्देश्य की पूर्ति के लिए महारानी कॉलेज की स्थापना की गई। महारानी कॉलेज परिसर में तीनों मजारें महारानी कॉलेज की स्थापना से काफी पहले से मौजूद हैं।

जयपुर में तीज महोत्सव को धूम-धाम से मनाया

-पौंड्रिक पार्क में उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने विधिवत रूप से कार्यक्रम का शुभारंभ किया

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। जयपुर में रविवार को हरियाली तीज महोत्सव की शुरुआत पारंपरिक उल्लास और धार्मिक आस्था के साथ हुई। श्रावण शुक्ल तृतीया को मनाई जाने वाली इस तीज पर शहर भर में महिलाओं में खासा उत्साह देखने को मिला। पौंड्रिक उद्यान में आयोजित मुख्य समारोह का शुभारंभ उप मुख्यमंत्री दीया कुमारी ने दीप प्रज्वलित कर किया। कार्यक्रम में लोक कलाकारों की प्रस्तुतियों ने लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया। शाम को त्रिपोलिया गेट से तीज माता की पारंपरिक सवारी निकाली गई, जिसमें सजे हुए हाथी, ऊंट, बग्गियां और लोक कलाकार शामिल हुए। सवारी में हजारों श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी और रास्ते भर जयकारों की गूंज सुनाई दी। राजस्थान की सांस्कृतिक विरासत को संजोता यह पर्व खासतौर पर महिलाओं के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण माना जाता है। इस दिन सुहागिनें व्रत रखकर अपने पति की लंबी उम्र की कामना करती हैं और मां पार्वती की पूजा करती हैं।

प्रशासन की ओर से सुरक्षा और यातायात के विशेष इंतजाम किए गए थे। सवारी के मार्ग में जगह-जगह पानी, शीतल पेय और चिकित्सा सुविधा भी उपलब्ध करवाई गई थी।

दी बार एसोसिएशन वक्फ जयपुर द्वारा गोठ का आयोजन

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। दी बार एसोसिएशन वक्फ जयपुर के तत्वावधान में दिनांक 19 जुलाई को आयोजित गोठ मौसम-ए-बहार में सैकड़ों वकीलों ने शिरकत की। इस अवसर पर मुख्य अतिथि रफीक खान विधायक आदर्श नगर जयपुर, विशिष्ट अतिथि बार कौंसिल ऑफ़ राजस्थान के पूर्व चेयरमैन व सदस्य सीनियर एडवोकेट सैयद शाहिद हसन, आमेर बार एसोसिएशन के सेक्रेटरी इरशाद अहमद एडवोकेट इत्यादि उपस्थित रहे। जिनका स्वागत अध्यक्ष अब्दुल वाहिद नकवी एडवोकेट व सेक्रेटरी सिराजुद्दीन (बादशाह) द्वारा किया गया। वक्फ बार एसोसिएशन के समस्त पदाधिकारियों को इस अवसर पर साफा, मोती की माला, प्रमाण पत्र तथा मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया। सभी वकीलों ने गोठ का आंनद लिया और साथ भोजन किया। अध्यक्ष ने सभी शामिल हुए लोगों को धन्यवाद दिया।

इस्लामिया एज्यूकेशनल सोसाइटी के बैनर तले "स्कूल चलो" रैली का आयोजन हुआ

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। इस्लामिया एज्यूकेशनल सोसाइटी के ज़ेरे निगरानी में चलने वाले ब्राइट फ्लॉवर्स सैकेंडरी स्कूल और मदरसा ब्राइट फ्लावर्स स्कूल, नाहरी का नाका, शास्त्री नगर, जयपुर की ओर से शनिवार 26 जुलाई को एक प्रेरणादायक और सामाजिक रूप से जागरूक रैली "स्कूल चलो" रैली का आयोजन किया गया। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य शिक्षा के महत्व को उजागर करना और स्कूल से वंचित बच्चों को पुनः शिक्षा से जोड़ना रहा। यह रैली मैजिक बस इंडिया फाउंडेशन और नेस्ले हेल्दी किड्स प्रोग्राम के सहयोग से आयोजित की गई। जिसमें विद्यालय के 5-6 शिक्षक और लगभग 50 से 60 छात्र/छात्राओं ने भाग लिया। रैली की शुरुआत विद्यालय परिषद से हुई जहां छात्र/छात्राओं ने हाथों में प्रेरक संदेश वाले पोस्टर लिए और जोशीले नारे लगाये जैसे "कंधे पर हो बस्ता, ना हो मजदूरी का रास्ता" और "दो रोटी खाएंगे, स्कूल जरूर जाएंगे" बच्चों के जोश और आत्मविश्वास ने पूरे क्षेत्र का ध्यान अपनी और खींचा।

जयपुर का ईदगाह इलाका नशा माफियाओं के जाल में फंसा

-नशाखोरी से कई युवाओं की मौत

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। जयपुर का ईदगाह इलाका इन दिनों नशे के जाल में बुरी तरह फंस चुका है। यहां लगातार हो रही युवाओं की मौतों ने सभी को चौंका दिया है। नशे की वजह से उजड़ते घर और मातम का सन्नाटा पूरे इलाके में पसरा हुआ है। हालांकि पुलिस की ओर से लगातार कार्रवाई की जा रही है, लेकिन नशा माफिया पर उसका असर न के बराबर दिख रहा है। माफिया न खुलेआम सक्रिय हैं और युवा इसकी सबसे बड़ी कीमत चुका रहे हैं। इस मामले में DCP नॉर्थ करण शर्मा ने सख्त रुख अपनाते हुए कहा है कि, "नशे के खिलाफ हमारी नीति ज़ीरो टॉलरेंस की रहेगी। चाहे जो भी हो, किसी को बख्शा नहीं जाएगा।" स्थानीय लोग प्रशासन से सख्त कदम की मांग कर रहे हैं, ताकि क्षेत्र को इस मौत के सौदागर से छुटकारा मिल सके। अब देखना होगा कि पुलिस की कार्रवाई सिर्फ रस्म अदायगी बनकर रह जाती है या वाकई इस अंधेरे में उजाले की कोई किरण निकलती है। नशा माफियाओं के इरादे सभी पर भारी पड़ रहे हैं।

नशा नियंत्रण में कामयाबी क्यों नहीं?

स्थानीय थाना पुलिस और कमिश्नर की विशेष टीमें नशा बेचने वालों पर लगातार कार्यवाही कर रही हैं। बावजूद पुलिस कार्यवाही के नशा बेचने वाला गिरोह नशा नशेड़ियों तक पहुंचने में कामयाब हो रहा है। ऐसा लगता है कि या तो पुलिस पूरे मन से नशेड़ियों पर कार्यवाही नहीं कर रही है या फिर पुलिस के ही कुछ लोग नशा बेचने वालों से सांठ गांठ रखते हैं। स्थानीय लोग, सामाजिक कार्यकर्ता, बुद्धिजीवी एवं नौकरी पेशा लोग भी समाज में फैले नशा नेटवर्क का जब तक विरोध नहीं करते हैं जब तक उनके परिवार में कोई सदस्य नशा करने नहीं लग जाए। नशा जब ही रुक सकता है जब तक सामान्य प्रशासन, पुलिस एवं समाज के जागरूक लोग नशे के नेटवर्क को नष्ट करने के लिए सामूहिक प्रयास करें।

जामडोली मर्डर केस के सभी आरोपी पुलिस की गिरफ्त में

-एक आरोपी के पैर में लगी गोली! अस्पताल में भर्ती

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। जयपुर के जामडोली इलाके में हुए सनसनीखेज मर्डर केस में बड़ी कार्रवाई हुई है। पुलिस ने इस मामले के सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पकड़े गए आरोपियों में से एक के पैर में गोली लगी है, जिसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इस हत्याकांड के बाद से इलाके में तनाव बना हुआ था। पीड़ित पक्ष और स्थानीय लोगों ने 5 प्रमुख मांगों को लेकर सड़कों पर प्रदर्शन किया। वहीं पुलिस की टीमें लगातार दबिश दे रही थीं। भट्टा बस्ती इलाके से आरोपियों को पकड़ा गया है। इस पूरी कार्रवाई में डीसीपी तेजस्विनी गौतम की टीम ने अहम भूमिका निभाई। उनके नेतृत्व में पुलिस ने जामडोली हत्याकांड के सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। फिलहाल पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर रही है और पूरे घटनाक्रम की कड़ियों को जोड़ रही है। पुलिस का कहना है कि जल्द ही वारदात की पूरी सच्चाई सामने लाई जाएगी। दूसरी तरफ सरकार ने परिजनों की प्रमुख मांगों को मान लिया है।

पुलिस कमिश्नरेट परिसर में पुलिस कमिश्नर ने किया पौधारोपण

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। पुलिस कमिश्नरेट परिसर में एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत पुलिस कमिश्नर बीजू जॉर्ज जोसफ ने पौधारोपण किया और पर्यावरण को स्वच्छ रखने का संदेश दिया। जोसफ ने बताया कि हमारे जीवन में वृक्षों का महत्वपूर्ण स्थान है। वृक्ष हमें शुद्व प्राण वायु उपलब्ध कराते है, प्रदूषण को रोकते है, पानी के बहाव एवं कटाव को रोकते है तथा पर्यावरण के संतुलन को बनाने में सहायक होते है। वृक्षारोपण से प्रकृति का संतुलन भी बना रहता है। उन्होंने पुलिस कमिश्नरेट के लॉन को सदा हरितिमा से आच्छादित रखने एवं हरियाली के लिए सभी को मिलकर प्रयास किए जाने पर जोर दिया।

पुलिस कमिश्नरेट में पुलिस कमिश्नर के साथ ही अतिरिक्त पुलिस आयुक्त, प्रथम मनीष अग्रवाल, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त, यातायात एवं प्रशासन योगेश दाधीच, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त, कानून व्यवस्था डॉ. रामेश्वर सिंह, पुलिस उपायुक्त (मुख्यालय) राजेश कुमार कांवट, पुलिस उपायुक्त (अपराध) अभिजीत सिंह, अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त (मुख्यालय) श्रीमति शिल्पा चौधरी सहित अधिकारियों ने भी पौधारोपण किया।

घाटगेट कब्रिस्तान में वक्फ बोर्ड, कब्रिस्तान कमेटी का अवैध निर्माण पर एक्शन

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। जयपुर के घाटगेट कब्रिस्तान में अवैध निर्माण का मामला सामने आने के बाद वक्फ बोर्ड और कब्रिस्तान कमेटी ने बड़ा एक्शन लिया है। कब्रिस्तान की ज़मीन पर हो रहे इस निर्माण को लेकर बोर्ड ने स्पष्ट निर्देश जारी किए हैं कि इसे तुरंत ध्वस्त किया जाए। वक्फ बोर्ड और कमेटी ने संयुक्त रूप से निर्माण स्थल का निरीक्षण किया और पाया कि निर्माण कार्य बिना अनुमति के किया जा रहा है। इसे अतिक्रमण की संज्ञा दी गई है। वक्फ बोर्ड के अधिकारियों ने निर्माण कर रहे लोगों को कड़ी चेतावनी दी है कि कब्रिस्तान की ज़मीन पर किसी भी प्रकार का अतिक्रमण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। वक्फ बोर्ड ने घोषणा की है कि कल स्वयं मौके पर पहुंचकर इस अवैध निर्माण को ध्वस्त किया जाएगा। इस संबंध में स्थानीय प्रशासन को भी सूचित कर दिया गया है ताकि कार्रवाई के दौरान किसी प्रकार की कानून व्यवस्था की समस्या उत्पन्न न हो। फिलहाल कब्रिस्तान परिसर में सतर्कता बढ़ा दी गई है और वक्फ संपत्ति की सुरक्षा को लेकर बोर्ड ने निगरानी तेज कर दी है। बाद में अवैध निर्माण करने वालों ने स्वयं ही अवैध निर्माण हटाने पर सहमति जताई।

"सुसमा" अभियान के तहत सड़क सुरक्षा का प्रशिक्षण आयोजित

-लगभग 1000 छात्राओं ने लिया भाग

-आईएसआई मार्क हेलमेट योजना की दी गई जानकारी

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान सरकार द्वारा संचालित "सुसमा – सुरक्षित सड़क मार्ग" अभियान के अंतर्गत मंगलवार को राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय, सांगानेर, जयपुर में सड़क सुरक्षा विषयक एक विशेष प्रशिक्षण सत्र आयोजित किया गया। इस अवसर पर विद्यालय की लगभग 1000 छात्राओं को सड़क सुरक्षा नियमों, यातायात संकेतों की समझ और हेलमेट पहनने की अनिवार्यता से संबंधित जागरूकता प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

यह अभियान सार्वजनिक निर्माण विभाग, उच्च शिक्षा विभाग, राजस्थान सड़क सुरक्षा सोसायटी, एम.बी.एम. विश्वविद्यालय एवं पीयर संस्था के संयुक्त तत्वावधान में संचालित किया जा रहा है, जिसका उद्देश्य युवाओं को सड़क सुरक्षा के प्रति संवेदनशील बनाना एवं दुर्घटनाओं में कमी लाना है।

प्रशिक्षण का संचालन मास्टर ट्रेनर्स श्रीमती वर्षा सहाय एवं श्रीमती सोनल भाटी द्वारा किया गया। उन्होंने छात्राओं को सरल एवं प्रभावी तरीकों से सड़क पर सुरक्षित चलने, यातायात नियमों के पालन, और हेलमेट उपयोग की अनिवार्यता के बारे में बताया।

कार्यक्रम में सुसमा अभियान की नोडल अधिकारी, श्रीमती शिल्पा श्रीमाल (अधिशासी अभियंता, सार्वजनिक निर्माण विभाग) ने छात्राओं को Steelbird कंपनी के ISI मार्क हेलमेट पंजीकरण योजना की जानकारी दी। इस योजना के तहत 1200 रूपये से 1500 रूपये मूल्य वाले उच्च गुणवत्ता वाले हेलमेट मात्र 300 रूपये के छात्र योगदान में उपलब्ध कराए जा रहे हैं। इस पहल का उद्देश्य सुलभ और सुरक्षित साधनों के माध्यम से सड़क दुर्घटनाओं को न्यूनतम करना है।

इस अवसर पर विद्यालय की प्राचार्या श्रीमती उषा शर्मा, प्रवक्ता श्रीमती हेमलता सैनी, एवं समस्त विद्यालय स्टाफ की उपस्थिति उल्लेखनीय रही। छात्राओं ने पूरे सत्र में सक्रिय भागीदारी निभाई और विषयवस्तु के प्रति गहरी रुचि दिखाई।

कार्यक्रम में "सड़क सुरक्षा – जीवन रक्षा" के मूल उद्देश्य को साकार करते हुए छात्राओं में सुरक्षा के प्रति जागरूकता की अलख जगाई।

सरकारी वकीलों को राहत, हटाने पर रोक

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। हाईकोर्ट ने पूर्ववर्ती सरकार के समय जयपुर शहर की अधीनस्थ अदालतों में सरकार की पैरवी के लिए नियुक्त वकीलों को हटाने पर अंतरिम रोक लगा दी। इस मामले में मुख्य सचिव, प्रमुख विधि सचिव, गृह विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव एवं जयपुर कलक्टर सहित अन्य को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया। न्यायाधीश अनिल उपमन ने साजिया खान व अन्य की याचिकाओं पर यह आदेश दिया। याचिका में कहा कि पांच अगस्त 2024 के बाद परिस्थितियों में कोई बदलाव नहीं हुआ। ऐसे में उन्हें राजनीतिक आधार पर मनमानी से रिलीव नहीं किया जा सकता। ऐसे में रिलीव करने के आदेश को रद्द किया जाए।

हाजी कॉलोनी हत्याकांड पर गुस्सा फूटा!

मुख्य आरोपी गिरफ्तार, जल्द ही बाकी आरोपी होंगे सलाखों के पीछे- थानाधिकारी

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। जयपुर में एक बार फिर गूंजा इंसाफ का शोर। चांदपोल की हाजी कॉलोनी में युवक वाजिद की चाकू मारकर हत्या के बाद, भड़का गुस्सा... संजय सर्किल थाने के बाहर बड़ी संख्या में जुटे परिजन और मोहल्लेवासी, बचे हुए नामजद आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग। वहीं थानाधिकारी माधो सिंह ने परिजनों से समझाइश कर घर की ओर लौटाया, और भरोसा दिलाया, "मुख्य आरोपी फरमान को पुलिस ने त्वरित कार्रवाई कर गिरफ्तार किया, लेकिन बाकी नामजद आरोपी पुलिस की पकड़ से दूर है, 22 वर्षीय वाजिद को रविवार रात को चाकू से गोदकर मौत के घाट उतार दिया गया था। इलाज के दौरान अस्पताल में उसने दम तोड़ दिया था।

थानाधिकारी माधो सिंह ने बताया "मुख्य आरोपी फरमान को गिरफ्तार कर लिया गया है। बाकी आरोपियों की तलाश जारी है। टीमें लगातार दबिश दे रही हैं। जल्द ही सबको सलाखों के पीछे डाला जाएगा।"पुलिस द्वारा अलग अलग ठिकानों पर दबिश दी जा रही है, हम परिजन को आश्वस्त करते हैं,आरोपी कतई बख्शे नहीं जायेंगे,अभी अनुसंधान की प्रक्रिया जारी है।

पूर्व राष्ट्रपति डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम की पुण्यतिथि मनाई

मनोहरपूर (रॉयल पत्रिका)। सब्जी मंडी परिसर में पूर्व राष्ट्रपति डॉक्टर एपीजे अब्दुल कलाम की पुण्यतिथि पर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी शाहपुरा द्वारा श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

इस दौरान ब्लॉक अध्यक्ष नाथूलाल सैनी, महामंत्री रामेश्वर गोरेठा, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष प्रेम देवी जाट, नगर अध्यक्ष मुकेश खुडानिया, किशोर शेखावत, हेमचंद जाट, बद्री खोसया, राजेंद्र शर्मा, पार्षद घनश्याम सैनी, NUSI जिला अध्यक्ष निहाल पलसानिया, भैरू रावत, मदन गुर्जर, पप्पू सैनी, नदीम विशाल पलसानिया, सुभाष भडाणा, वकील खान, लोकेश सामोता, मनजीत खटाणा, सुरेंद्र दांतला, राजेश सैनी, प्रमोद स्वामी आदि उपस्तिथ थे।

रॉयल पत्रिका को पेमेंट करने का तरीका

रॉयल पत्रिका में भुगतान नकद या चेक द्वारा रॉयल पत्रिका के पंजाब नेशनल बैंक, त्रिपोलिया बाजार, जयपुर के खाता संख्या 1939002100241695 में या पंजाब नेशनल बैंक की किसी भी नजदीकी शाखा में जमा करवा सकते हैं अथवा IFSC Code PUNB0193900 पर भी भुगतान नेट बैंकिंग के द्वारा कर सकते हैं। आपके सहयोग के लिए धन्यवाद।
-संपादक

Scan Here

रॉयल पत्रिका

संपादकीय...

क्या शिक्षा मंत्री इस्तीफा देंगे?

झालावाड़ जिले में जर्जर सरकारी स्कूल भवन के गिरने से हुई 7 बच्चों की मौत की नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए प्रदेश के शिक्षामंत्री मंत्रिमंडल से इस्तीफा देंगे? जबकि विपक्ष लगातार शिक्षा मंत्री के इस्तीफा की मांग कर रहा है। वैसे शिक्षा मंत्री मदन दिलावर 7 बच्चों की हत्या की नैतिक जिम्मेदारी तो ले रहे हैं लेकिन पद नहीं छोड़ना चाहते हैं। शिक्षा मंत्री ने सैकड़ो स्कूलों को जाकर देखा है लेकिन उन्होंने कभी बच्चों की सुरक्षा पर ध्यान नहीं दिया। शिक्षा मंत्री का ध्यान तो केवल पाठ्यक्रमों में इतिहास बदलने और स्कूलों में मुस्लिम टीचरों को नमाज पढ़ने से रोकने पर ज्यादा था। सरकारी स्कूलों में ज्यादातर दलित, आदिवासी, अल्पसंख्यक एवं गरीब वर्ग के बच्चे पढ़ते हैं। इसलिए मौत की घटना के कुछ दिन तक सरकारी सिस्टम द्वारा जांच, मुआवजा, इलाज कुछ लोगों की जिम्मेदारी बताकर सस्पेंड जैसी कार्यवाही की जाएगी। 7 बच्चों की मौत के बाद भी 5 टीचरों को सस्पेंड कर दिया गया। जबकि इस घटना में टीचरों की क्या गलती है? शिक्षा मंत्री को अपने विभाग में शिक्षा के स्तर, स्कूलों के भवनों की स्थिति, टीचरों की कमी एवं स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों की स्थिति के बारे में पूरी जानकारी होनी चाहिए। शिक्षा मंत्री मदन दिलावर एक महत्वपूर्ण विभाग के मंत्री हैं। मंत्री की क्या जिम्मेदारी है उनको पता होना चाहिए। वर्तमान शिक्षा मंत्री शिक्षा के अलावा दूसरे विषय पर भाषण बाजी करते रहते है। राजस्थान प्रदेश में जबसे शिक्षा मंत्री बने हैं शिक्षा में कितना सुधार हुआ है सभी जानते हैं। शिक्षा मंत्री मदन दिलावर क्या यह नहीं जानते हैं कि प्रदेश के हजारों स्कूल बिल्डिंगों की जर्जर स्थिति है, जिनमें कभी भी हादसा हो सकता है। लेकिन सरकारी स्कूलों में पढ़ रहे बच्चों की किसी को चिंता नहीं है। क्योंकि सरकारी स्कूलों में किसी मंत्री, विधायक, आईएएस आईपीएस, आरएएस, आरपीएस एवं जजों के बच्चे नहीं पढ़ते हैं। सरकारी स्कूलों की दयनीय स्थिति का कारण भी यही है। सांसदों एवं विधायकों को 5 वर्ष में करोड़ों का फंड मिलता है। लेकिन यह फंड कितना स्कूलों के बिल्डिंग या स्कूलों के अन्य कार्य में काम आता है सभी जानते हैं। झालावाड़ के स्कूल में 7 बच्चों की मौत को गंभीरता से लेकर दोषियों के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज होना चाहिए और सजा मिलनी चाहिए। यदि एक बार दोषियों को सजा मिल गई तो फिर ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति नहीं होगी। सरकार, विभाग एवं जिम्मेदार अधिकारियों को जर्जर भवन की जानकारी थी। दो-तीन वर्ष पहले से ही ग्रामीणों ने भवन के जर्जर होने की जानकारी दी थी फिर कैसे कहा जा सकता है कि यह हादसा है? झालावाड़ जिले के इस स्कूल में यह हादसा नहीं यह 7 बच्चों की हत्या है। जिम्मेदारों पर हत्या का मुकदमा होना चाहिए। मंत्री और जिम्मेदारों को नैतिकता की जिम्मेदारी के नाम पर बचाना नहीं चाहिए। सात बच्चों की मौत के दोषियों को केवल इस आधार पर छोड़ देना कि बच्चे दलित, आदिवासी एवं गरीब परिवार के हैं? यदि ऐसा होता है तो ऐसे गरीब बच्चों के साथ हादसे होते रहेंगे और कानून और प्रजातंत्र के साथ खिलवाड़ होता रहेगा।

संवैधानिक संस्थाओं पर लोगों का भरोसा कम क्यों हो रहा है ?

किसी भी देश में मजबूत लोकतंत्र के लिए जरूरी है कि लोगों का वहाँ की संवैधानिक संस्थाओं पर भरोसा हो । लेकिन देश में कुछ सालों से जनता का भरोसा इन संस्थानों पर कमजोर हो रहा है।

किसी भी देश में मजबूत लोकतंत्र के लिए जरूरी है कि लोगों का वहाँ की संवैधानिक संस्थाओं पर भरोसा हो । लेकिन देश में कुछ सालों से जनता का भरोसा इन संस्थानों पर कमजोर हो रहा है । यह देश के लोकतंत्र के लिए शुभ संकेत नहीं है । आज चाहे चुनाव आयोग हो, न्यायपालिका हो, ईडी, सीबीआई, आयकर विभाग, एनआईए जैसी संवैधानिक संस्थाओं पर से लोगों का भरोसा कम हो रहा है । आज जनता के बीच यह चर्चा आम है कि ये संस्थाएं सत्ताधारी दल के दबाव में काम करती हैं और निष्पक्ष होकर अपने कर्तव्यों का निर्वहन नहीं करती हैं। ऐसे में सवाल यह है कि लोगों के बीच जो यह धारणा बनी है, उसके पीछे कोई ठोस कारण भी हैं या सिर्फ भ्रम है। इसके लिए हम कुछ संवैधानिक संस्थाओं की कार्य शैली का विश्लेषण करते हैं। सबसे पहले हम देश के चुनाव आयोग की कार्य शैली का विश्लेषण करते हैं। जनता का हर वर्ग आवाज उठाता है कि चुनाव आयोग निष्पक्ष नहीं है और सत्ता पक्ष को फायदा पहुंचाने का काम करता है । अभी चुनाव आयोग ने बिहार में मतदाता सूचियों के विशेष निरीक्षण का आदेश दिया और कहा कि 2024 की मतदाता सूचियों में गड़बड़ थी । ऐसे में सवाल यह उठता है कि अगर 2024 की मतदाता सूची में गड़बड़ थी तो फिर बिहार में 2024 के लोकसभा चुनाव के परिणाम भी अवैध हैं । फिर उन नतीजों को भी निरस्त किया जाना चाहिए था । लेकिन चुनाव आयोग इस मामले में खामोश है । हैरानी की बात यह है कि जो चुनाव आयोग पिछले लोकसभा चुनावों में दस दिन में यह आंकड़े नहीं बता पाया कि कुल कितने वोट पड़े थे ? वह चुनाव आयोग बिहार के आठ करोड़ मतदाता सूचि का निरीक्षण मात्र 25 दिन में कर लेना चाहता है। हैरानी की बात है कि चुनाव आयोग ने उस आधार कार्ड को भी मानने से इनकार कर दिया, "जिसको मेरा आधार-मेरी पहचान" कहा गया। पूरे देश को आधार कार्ड बनवाने के लिये लाइन में खड़ा कर दिया गया । उसी को चुनाव आयोग ने मानने से इनकार कर दिया। एक पत्रकार ने जब देखा कि बिहार में अधूरे फॉर्म को बीएलओ अपलोड कर रहे हैं तो पत्रकार ने आवाज उठाई और प्रक्रिया पर सवाल खड़े किए तो चुनाव आयोग ने उस पत्रकार के सवालों के जवाब नहीं दिए, बल्कि उस पत्रकार पर ही एफआईआर दर्ज करवा दी। ऐसे में विपक्ष और जनता के उस आरोप को बल मिलता है, जिसमें वे आरोप लगा रहे हैं कि इस निरीक्षण के नाम पर चुनाव आयोग मुसलमानों, दलितों और पिछड़ों के वोट देने का अधिकार छीन लेना चाहता है । क्योंकि चुनाव आयोग ने निरीक्षण के समय कहा था कि इसके जरिए वे देश के नागरिकों की नागरिकता की जांच करना चाहते हैं। जबकि नागरिकता की जांच करने का अधिकार चुनाव आयोग का नहीं है । यह अधिकार देश के गृह मंत्रालय का है कि कौन देश का नागरिक है और कौन नहीं।

चुनाव आयोग ने खुद माना है कि मध्य प्रदेश में बहुत से घर ऐसे हैं जहां एक ही घर के सौ से ज्यादा मतदाताओं का रजिस्ट्रेशन है। ऐसे में अगर जनता में चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर सवाल है तो आयोग को हर सवाल का जवाब देना चाहिए। अगर वह ऐसा नहीं करते तो वे देश के लोकतंत्र को कमजोर कर रहे हैं।

अब बात करते हैं देश की न्यायपालिका की । पिछले कुछ सालों से सुप्रीम कोर्ट के फैसलों पर भी जनता शक कर रही है चाहे बाबरी मस्जिद का मामला हो, राफेल का या चुनावी बांड का मामला हो। बाबरी मस्जिद मामले में कोर्ट ने माना था कि मस्जिद में मूर्तियां रखना अपराध था । मस्जिद को गिराना अपराध था । मस्जिद किसी मंदिर को तोड़कर नहीं बनी थी। लेकिन फैसला कुछ और आया। राफेल मामले में फ्रांस की सरकार ने माना कि सौदे में बिचौलियों थे। लेकिन सुप्रीम कोर्ट में अनिल अंबानी की कंपनी को क्लीन चिट दे दी । चुनावी बांड को कोर्ट ने अवैध माना, लेकिन न तो लेने वालों के खिलाफ कार्रवाई हुई न ही देने वालों के खिलाफ । उमर खालिद और शरजील इमाम मामला तो हैरान करने वाला है, उमर खालिद पिछले 5 साल से जेल में बंद है । जब उसकी जमानत याचिका सुप्रीम कोर्ट में लगी तो 10 महीने तक उस पर सुनवाई तक नहीं हुई। बस तारीख पर तारीख मिलती रही, आखिर में थककर उमर खालिद ने अपनी जमानत याचिका सुप्रीम कोर्ट से वापस ली और आज तक जेल में बंद है । सीबीआई जो देश की सर्वोच्च संस्था है, वह 9 साल में जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय के छात्र नजीब का पता नहीं लगा सकी और अंत में केस को बंद कर दिया कि आखिर नसीब को जमीन खा गई या आसमान । नजीब की बेबस माँ आज भी इंसाफ और अपने नजीब का इंतजार कर रही है । ईडी ने तो गजब कर रखा है । जो भी व्यक्ति या नेता सत्ता से सवाल करता है । ईडी उसके घर पहुंच जाती है । ईडी ने अब तक जितने लोगों को गिरफ्तार किया है उसमें से सिर्फ दो फीसदी लोगों को ही सजा दिलवा पाई है । ईडी की कार्यवाही के कुछ बहुत दिलचस्प किस्से भी हैं । असम के वर्तमान मुख्यमंत्री हेमंत बिस्वा सर्मा कांग्रेस में थे तो भाजपा ने उन पर चार हज़ार करोड़ रुपये के घोटाले के आरोप लगाए और ईडी ने उनको सम्मन जारी कर दिया। लेकिन जैसे ही हेमंत बिस्वा सर्मा ने भाजपा ज्वाइन की उनके सारे पाप धुल गए और आज वे भाजपा से असम के मुख्यमंत्री हैं। ऐसे ही महाराष्ट्र के वर्तमान उपमुख्यमंत्री अजित पर देश के गृहमंत्री अमित शाह ने सार्वजनिक मंच से सत्तर हज़ार करोड़ रुपये के घोटाले का आरोप लगाया और ईडी ने सम्मन जारी कर दिया । जैसे ही अजीत पवार ने भाजपा ज्वाइन की वैसे ही ईडी के सारे केस खत्म। ऐसे और भी दर्जनों मामले हैं जिसमें नेताओं के भाजपा ज्वाइन करते ही ईडी के केस खत्म हो गए। ऐसे में अगर जनता के मन में यह सवाल उठाते हैं कि ईडी सत्ता पक्ष के साथ इशारे पर काम करती है तो वह सवाल उठना स्वाभाविक है । ऐसी ही कार्य शैली आयकर विभाग की है । जो नेता सत्ता से सवाल करता है, उसी के घर पर आयकर के छापे शुरू हो जाते हैं । जबकि जनता जानती है की काला धन किस-किस के पास है ! लेकिन आयकर विभाग को पता नहीं चलता है। ऐसे में यह स्वाभाविक है कि जनता का भरोसा इन संवैधानिक संस्थाओं पर से उठ रहा है, इसलिए इन संवैधानिक संस्थाओं के जिम्मेदारों की जिम्मेदारी है कि वे अपनी कार्य शैली से जनता में फिर से भरोसा पैदा करें। अगर वे ऐसा नहीं करते हैं तो हो सकता है उनको कुछ व्यक्तिगत लाभ हो जाए । लेकिन देश को और देश के लोकतंत्र को बहुत नुकसान पहुंचा रहे हैं।

-डॉ. एस. खान

क्या आप अपने हर एक बोल का हिसाब देने के लिए तैयार है ?

"वह ज़बान से कोई बात नहीं निकालता मगर यह कि एक निगरान फ़रिश्ता उसके पास तैयार बैठा होता है।" (सूरह क़ाफ़: 18)

इस आयत में अल्लाह तआला ने साफ़ कर दिया कि हम जब भी कोई बात करते हैं, तो एक फ़रिश्ता उसे लिख लेता है। यानी हमारी हर बात अल्लाह के पास हमारे नामे-आमाल में महफ़ूज़ हो जाती है।

इसलिए हमें जब भी बोलना हो तो ख़ैर की बात, अच्छी बात और ऐसी बात बोलनी चाहिए जिस पर हमें सवाब मिले, वरना चुप रहना ही बेहतर है।

आख़िरी पैग़म्बर की नसीहत

इसी वजह से आख़िरी पैग़म्बर ने फ़रमाया कि ज़बान को काबू में रखो।

हज़रत उक़्बा बिन आमिर रज़ि. फ़रमाते हैं:

मैंने आख़िरी पैग़म्बर से अर्ज़ किया:

"मुझे बताइए कि दुनिया और आख़िरत में नजात (छुटकारा) का ज़रिया क्या है?"

तो आख़िरी पैग़म्बर ने फ़रमाया:

1.अपनी ज़बान को काबू में रखो। 2.तुम्हारा घर तुम्हें काफ़ी हो (यानी फ़िज़ूल इधर-उधर न घूमो, ज़रूरत के बग़ैर घर से बाहर न रहो)। 3.अपने गुनाहों पर रोया करो (तौबा और इस्तिग़फ़ार करते रहो)।

पहली नसीहत: ज़बान पर काबू

आख़िरी पैग़म्बर ने नजात का सबसे पहला ज़रिया बताया – ज़बान को काबू में रखना।

यानी अपनी ज़बान को ऐसी बातों से पाक रखो जिनमें कोई भलाई और फ़ायदा न हो।

- फ़िज़ूल बातें
- झूठ, ग़ीबत, चुग़ली
- दिल दुखाने वाली बातें
- बेकार की बहस

इन सब से ज़बान को बचाओ, क्योंकि ये चीज़ें इंसान को हलाकत में डाल देती हैं।

इंसानी अंगों में से ज़बान को बहुत अहमियत हासिल है। उलमा ने इसे दो धार वाली तलवार क़रार दिया है – यह हक़ (सच) में भी चलती है और बातिल (झूठ और बुराई) में भी। इंसान की ज़बान ज़िंदा लोगों पर भी चलती है और कभी-कभी मरे हुए लोगों को भी नहीं छोड़ती।

इसलिए इंसान जो भी अपनी ज़बान से बोले, सोच-समझ कर बोले। साथ ही अपनी हर बात के बारे में यह सोचता रहे कि मैं जो कुछ भी कह रहा हूँ, सब कुछ लिखा जा रहा है।

मुझे अपने हर-हर लफ़्ज़ का हिसाब देना होगा।

क्या मैं जो कुछ कह रहा हूँ, उसका हिसाब दे सकता हूँ?

अल्लाह तआला का फ़रमान है:

"इंसान की ज़बान से कोई लफ़्ज़ ऐसा नहीं निकलता, मगर उसे लिखने के लिए एक निगरान फ़रिश्ता मौजूद होता है।"

यानि मेरी और आपकी तमाम बातें लिखी जा रही हैं। अल्लाह तआला ने इसके लिए अपने फ़रिश्ते मुक़र्रर कर रखे हैं।

इसलिए हमें चाहिए कि अपनी बातचीत में, गपशप में, हँसी-मज़ाक में भी एहतियात से काम लें। अगर ज़बान से कोई ग़लत बात निकल जाए तो बंदे को चाहिए कि अल्लाह के सामने सच्चे दिल से माफ़ी माँगे और आइंदा के लिए अपनी ज़बान को फ़िज़ूल और ग़लत बातों से बचाने की कोशिश करे।

डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम एक सदी का सपूत - मिसाइल मैन को श्रद्धांजलि

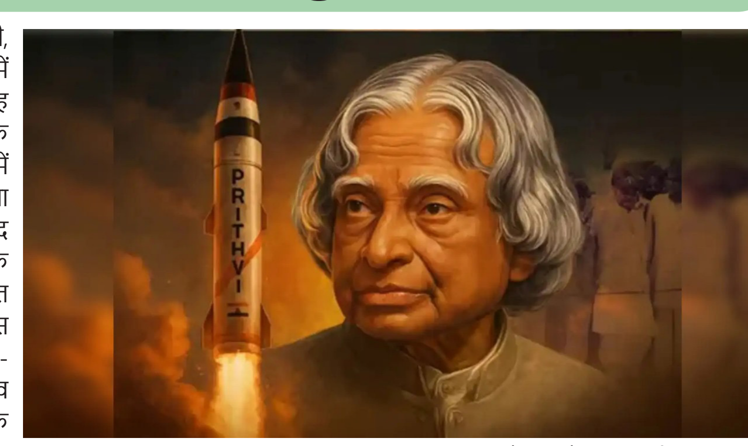

27 जुलाई को पूरा देश भारत रत्न, वैज्ञानिक, पूर्व राष्ट्रपति और लाखों युवाओं के प्रेरणा स्त्रोत डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम की पुण्यतिथि के अवसर पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित कर रहा है। यह दिन केवल उनके निधन की स्मृति भर नहीं है, बल्कि उस अद्वितीय जीवन-दर्शन का प्रतीक है जिसने एक साधारण मछुआरे के बेटे को देश का 'मिसाइल मैन' और 'जनता का राष्ट्रपति' बना दिया। डॉ. कलाम का जीवन किसी दंतकथा से कम नहीं था — वे एक ऐसे युगदृष्टा थे जिन्होंने भारत को विज्ञान, तकनीक, रक्षा, शिक्षा और नैतिकता के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने का स्वप्न देखा और उसे दिशा दी। डॉ. कलाम का जन्म 15 अक्टूबर 1931 को तमिलनाडु के रामेश्वरम में हुआ था। उनका बचपन बेहद साधारण आर्थिक हालातों में बीता। वे स्कूल के बाद घर की आर्थिक मदद के लिए अख़बार बाँटते थे, लेकिन उनके अंदर कुछ कर दिखाने की आग हमेशा जलती रही। उन्होंने विज्ञान को अपना रास्ता चुना और तमाम संघर्षों के बाद मद्रास इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी से एयरोनॉटिकल इंजीनियरिंग में स्नातक किया। शिक्षा के प्रति उनकी लगन इतनी प्रबल थी कि कॉलेज की फ़ीस जुटाने के लिए उन्होंने अपने बड़े भाई से उधार लिया, और कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। उनका वैज्ञानिक जीवन रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (DRDO) और भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (ISRO) में आरंभ हुआ। उन्होंने देश की पहली स्वदेशी उपग्रह प्रक्षेपण प्रणाली SLV-III विकसित की, जिससे 1980 में रोहिणी उपग्रह को सफलतापूर्वक अंतरिक्ष में स्थापित किया गया। इसके बाद उन्होंने भारत के एकीकृत निर्देशित मिसाइल विकास कार्यक्रम (IGM-DP) का नेतृत्व किया, जिसके अंतर्गत 'अग्नि', 'पृथ्वी', 'त्रिशूल' और 'आकाश' जैसी मिसाइलों का निर्माण हुआ। इन्हीं कारणों से उन्हें 'मिसाइल मैन ऑफ इंडिया' की उपाधि मिली। 1998 में पोखरण में हुए परमाणु परीक्षणों में उनकी निर्णायक भूमिका रही, जिसने भारत को वैश्विक स्तर पर एक शक्तिशाली राष्ट्र के रूप में प्रतिष्ठा दिलाई। विज्ञान और तकनीक में योगदान देने के बाद जब डॉ. कलाम 2002 में भारत के 11वें राष्ट्रपति बने, तो उन्होंने उस पद को महज़ एक संवैधानिक संस्था न मानकर जनसेवा का माध्यम बनाया। वे देश के पहले वैज्ञानिक राष्ट्रपति थे और राष्ट्रपति भवन को ज्ञान और नवाचार की प्रयोगशाला में बदल दिया। वे बच्चों और युवाओं से मिलना पसंद करते थे, उन्हें पत्रों के उत्तर खुद देते थे, और हमेशा इस बात पर ज़ोर देते थे कि "बच्चे ही देश का भविष्य हैं, उनमें निवेश करना ही सबसे बड़ी राष्ट्रसेवा है।" इसीलिए, संयुक्त राष्ट्र संघ ने उनके जन्मदिवस 15 अक्टूबर को 'विश्व विद्यार्थी दिवस' के रूप में मान्यता दी। अपने कार्यकाल के बाद भी वे लगातार देश के विभिन्न संस्थानों, विश्वविद्यालयों और स्कूलों में जाकर युवाओं को अपने विचारों से प्रेरित करते रहे। उन्होंने अनेक प्रेरणादायक पुस्तकें लिखीं जिनमें 'विंग्स ऑफ़ फ़ायर', 'इग्नाइटेड माइंड्स', 'इंडिया 2020' और 'माय जर्नी' जैसी कृतियाँ शामिल हैं। उनका लेखन केवल शब्दों का संग्रह नहीं, बल्कि विचारों की ऊर्जा थी, जो आज भी युवाओं को कुछ बड़ा सोचने और करने की प्रेरणा देती हैं। उनका यह वाक्य विशेष प्रसिद्ध हुआ: "सपने वो नहीं होते जो हम सोते वक्त देखते हैं, सपने वो होते हैं जो हमें सोने नहीं देते।"

27 जुलाई 2015 का वह दिन देश के लिए अत्यंत दुखद था, जब डॉ.कलाम शिलांग स्थित इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट में छात्रों को 'एक रहने योग्य पृथ्वी' विषय पर व्याख्यान दे रहे थे। व्याख्यान के दौरान ही वे मंच पर गिर पड़े और अस्पताल ले जाने के बावजूद उन्हें नहीं बचाया जा सका। शाम 7:45 बजे उनके निधन की पुष्टि हुई। उनके अंतिम दर्शन के लिए देशभर से लाखों लोग रामेश्वरम पहुँचे जहाँ 30 जुलाई को उन्हें पूरे राजकीय सम्मान के साथ अंतिम विदाई दी गई। भारत सरकार ने उनके सम्मान में 7 दिन का राष्ट्रीय शोक घोषित किया। उनका जाना केवल एक व्यक्ति की मृत्यु नहीं थी, बल्कि एक विचार की विदाई थी जिसने करोड़ों भारतीयों को गर्व, स्वाभिमान और आत्मनिर्भरता का सपना दिखाया।

आज उनकी पुण्यतिथि पर देशभर में स्कूल, कॉलेज, विश्वविद्यालय और समाजसेवी संस्थाएँ सेमिनार, भाषण प्रतियोगिताएँ, विज्ञान प्रदर्शनियाँ और श्रद्धांजलि सभाओं का आयोजन कर रही हैं। लखनऊ से लेकर लद्दाख तक और कन्याकुमारी से कश्मीर तक, हर कोने में बच्चे उनके विचारों को साझा कर रहे हैं। उनका स्मारक रामेश्वरम में बनाया गया है, जहाँ लोग जाकर श्रद्धा-सुमन अर्पित करते हैं। उनकी स्मृति में युवाओं को प्रोत्साहित करने हेतु विभिन्न राज्य सरकारें 'कलाम नवाचार अवॉर्ड', 'कलाम छात्रवृत्ति' और विज्ञान उत्सव जैसे कार्यक्रम चला रही हैं।

मुसलमानों में बढ़ती नशे की लत

"ऐ नौजवानों! तुम उम्मत की रीढ़ हो। तुम्हें इस नशे की बीमारी से निकलकर उम्मत का सहारा बनना है। नशा नहीं, इबादत और इल्म तुम्हारा रास्ता हो।"

(मौलाना ज़करिया कांधलवी रह.)

आज हमारे मुस्लिम समाज के नौजवानों में बढ़ती नशे की लत ने उनकी ज़िंदगी और उनके मुस्तकबिल (भविष्य) को बर्बाद कर दिया है। असल में, नौजवान चाहे मुसलमान का हो या हिंदू का, अगर वह इस लत में पड़ता है तो इसका बुरा असर पूरे समाज और हमारे प्यारे भारत पर पड़ता है। आइए समझते हैं कि इस नशे की बीमारी को कैसे रोका जाए।

नशे की वजहें

1 बुरी संगत में उठना-बैठना – यह बीमारी अक्सर गलत दोस्तों और ग़लत माहौल से फैलती है।

2 मोबाइल, इंटरनेट और सोशल मीडिया का गलत इस्तेमाल – फ़िल्में, वेब सीरीज़ और म्यूज़िक वीडियोज़ में नशे को फैशन और मज़ा बनाकर दिखाया जाता है। इससे नौजवान इसे "कूल" समझने लगते हैं।

3 घर का माहौल और मायूसी – माँ-बाप के झगड़े, तालीम में नाकामी, बेरोज़गारी या इमोशनल तकलीफ़ की वजह से नौजवान अंदर से टूट जाते हैं और नशे की तरफ भागते हैं।

नशे को कैसे रोका जाए ?

आखरी पैगम्बर ने फरमाया:

"अल्लाह का वादा है उस शख़्स से जो नशा करने वाली चीज़ पिए कि अल्लाह उसे जहन्नम की गंदगी पिलाएगा।"

पूछा गया: "या रसूलल्लाह! जहन्नम की गंदगी क्या है?"

आप ने फरमाया: "दोज़ख़ियों का पसीना और उनकी गंदी रस।"

सबसे पहले तो ये याद रखें कि नशा आखिरत का नुकसान है, और यही सबसे बड़ा नुकसान है, क्योंकि हमारी असली ज़िंदगी आखिरत ही है।

दूसरा, अपनी उठने-बैठने वाली संगत को बदलें, अच्छे और नेक दोस्तों का साथ अपनाएँ।

तीसरा, ये तसव्वुर दिमाग से निकाल दें कि नशा करना कोई "कूल" बनने की निशानी है। असल में यह एक गंदी और बुरी आदत है जो आपको दुनिया और आखिरत दोनों में बर्बाद करती है। और आख़िर में, सोचिए कि जो पैसा आप नशे में खर्च कर रहे हैं, उसका क़यामत के दिन हिसाब देना होगा।

हदीस में आया है:

क़ियामत के दिन इंसान के कदम अल्लाह के सामने से नहीं हटेंगे जब तक उससे ये सवाल न कर लिए जाएँ:

1. उसकी उम्र कहाँ गुज़ारी?
2. उसने इल्म क्या सीखा और उस पर क्या अमल किया?
3. उसने माल कहाँ से कमाया?
4. और कहाँ खर्च किया?
5. उसने जिस्म किस काम में गलाया?

अब ज़रा सोचिए! अगर आप कहेंगे कि "मैंने अपनी ज़िंदगी में इतने पैसे नशे पर खर्च किए", तो अल्लाह कितना ग़ज़बनाक होगा! अल्लाह तआला हम सबको अपने हिफ़्ज़ व अमान में रखे और इस नशे की बुराई से बचाए। आमीन।

-मुहम्मद सोहैल

सबसे मुश्किल इबादत

आज मैं आपसे सबसे मुश्किल इबादत का ज़िक्र करने जा रहा हूँ, जिसे आज के ज़माने में ज़्यादातर लोगों ने छोड़ दिया है। और वो है दुआ। दुआ से मेरा मतलब वो छोटी दुआ नहीं है जो खाने से पहले या बाद में पढ़ी जाती है। मैं बात कर रहा हूँ उस दुआ की, जब इंसान अल्लाह के सामने हाथ उठाकर, आँखों में आँसू भरकर, दिल में एक उम्मीद लेकर माँगता है। आज लोग इस इबादत को भूल चुके हैं। जो लोग नमाज़ पढ़ते भी हैं, वो मस्जिद जाते हैं, नमाज़ अदा करते हैं और जब इमाम साहब दुआ कराते हैं तो बस वही दुआ कर लेते हैं और चले आते हैं। जबकि अल्लाह तआला वो ज़ात है जो माँगने पर राज़ी होता है और न माँगने वालों से नाराज़ होता है।

हमें ये कैसे पता चलता है? जैसे कि अल्लाह कुरआन में फ़रमाता है:

"और तुम्हारे रब ने फ़रमाया: मुझसे दुआ करो, मैं तुम्हारी दुआ क़बूल करूँगा। और जो लोग मेरी इबादत से घमंड करते हैं, वो ज़लील होकर जहन्नुम में दाख़िल होंगे।" (सूरह ग़ाफ़िर 40:60)

अल्लाह हमें प्यार से भी समझा रहा है और चेतावनी भी दे रहा है, लेकिन इसके बावजूद हम दुआ नहीं करते और फिर कहते हैं कि हम परेशान क्यों हैं।

मैं आपको बताता हूँ दुआ की क़बूलियत के तीन तरीके:

1 पहला – जो माँगा वही मिल गया।

2 दूसरा – उस दुआ के बदले कोई मुसीबत टाल दी गई।

3 तीसरा – उस दुआ को सँभाल कर रख दिया गया और क़यामत के दिन उसे आमाल के साथ तौला जाएगा।

जैसा कि एक हदीस में आता है:

"क़यामत के दिन बंदा अपने रब के पास ऐसी दुआएँ देखेगा जो दुनिया में क़बूल नहीं हुई थीं, तो अल्लाह उसके बदले उसे अज्र देगा। उस वक़्त बंदा कहेगा, काश दुनिया में मेरी कोई भी दुआ क़बूल न होती।"

हज़रत उमर (रज़ि.) फ़रमाते हैं:

"मुझे इससे मतलब नहीं कि मेरी दुआ क़बूल हो रही है या नहीं। मुझे तो इस बात की ख़ुशी है कि मुझे दुआ माँगने की तौफ़ीक़ मिल रही है या नहीं।"

इसलिए अल्लाह की रहमत से कभी मायूस मत हो और ज़्यादा से ज़्यादा दुआ करो।

रसूल अकरम स. अ. ने फरमाया

दस चीजें दस चीजों को खा जाती हैं-

(1) तौबा गुनाहों को खा जाती है।
(2) गम उम्र को खा जाता है।
(3) पशेमानी सखावत को खा जाती है।
(4) झूठ रिज़क को खा जाता है।
(5) तकब्बुर इल्म को खा जाता है।
(6) अदल जुल्म को खा जाता है।
(7) गुस्सा अक्ल को खा जाता है।
(8) नेकी बदी को खा जाती है।
(9) सदका बलाओं को खा जाता है।
(10)गीबत नेक आमाल को खा जाती है।

---

(1) जो दूसरों पर रहम नहीं करता खुदा भी उस पर रहम नहीं करता।
(2) मुसलमान वो है जिसके हाथ और जुबान से लोग महफूज रहें।
(3) आमाल का दारोमदार नीयतों पर है।
(4) खामोशी बहुत बड़ी हिकमत है।
(5) दुनिया में इस तरह रहो गोया परदेस हो या राह चलने वाले।

-हबीबुल्ला, एडवोकेट
जवाहर नगर, जयपुर

मुस्लिम रिश्ते

रॉयल पत्रिका साप्ताहिक में मुस्लिम रिश्तों में विज्ञापन देने हेतु संपर्क करें -

मोबाइल: 9772552446, 9799559096

मुस्लिम पठान खूबसूरत लड़की 33/154 सेमी./एम.ए. (इंग्लिश लिटरेचर)/ प्राइवेट कम्पनी में कार्यरत/ दीनी तालीम याफ़्ता, घर के कामों में दक्ष। वालिद प्राइवेट कम्पनी से रिटायर्ड, जयपुर की प्रतिष्ठित फैमिली। सुयोग्य पढ़ा-लिखा, सर्विस क्लास/ बिजनेसमेन लड़का चाहिए। इच्छुक संपर्क करें- 9672079550

Sunni Muslim Girl 32/5.3"/B. Tech in Electronics & Communications/Working in Semi Govt. Deptt./Deeni Taleem yafta/Homely girl. Father retd. from Indian Railway. Well educated and reputed family of Jaipur. Need religious, well educated and settled boy from well reputed family. Contact: 9828453954

Muslim Qureshi Caste Girl 34/5.6"/ Ph.D (Business Management)/MBA (HR & Marketing)/At present an Assistant Professor/Namazi and well versed in Quran. Jaipur based reputed family. Father Businessman. Seeking an educated Sunni Muslim religious boy from reputed family. Interested person contact: 9314966151

चूरू (राजस्थान) निवासी सुन्नी मुस्लिम पठान खान, दीनी तालीम याफ़्ता लड़की 24/5.2"/ एम एस सी (फिजिक्स)/ रंग फेयर, बैंक एग्जाम की तैयारी कर रही है, हेतु सुयोग्य पढ़े - लिखे, सेटल्ड मुस्लिम युवक को प्राथमिकता। इच्छुक व्यक्ति संपर्क करे - मोबाइल: 97851 62654

30/5.3"/ पोस्ट ग्रेजुएट व 27/5.3"/ ग्रेजुएट / दीनी तालीम याफ़्ता, नमाज़ी/ जयपुर निवासी रेप्यूटेड फैमिली। दोनों बैंक में कार्यरत मुस्लिम सैयद युवकों के लिए खूबसूरत, ग्रेजुएट, घर के काम में दक्ष अच्छे घराने की लड़कियां चाहिए। इच्छुक व्यक्ति लड़कियों का बायो डाटा व्हाट्सएप करें - 97995 59096

सैयद मुस्लिम युवती 23/5.5"/ बी ए/खूबसूरत, गृह कार्य में दक्ष व दीनी तालीम याफ़्ता सवाई माधोपुर की प्रतिष्ठित फैमिली हेतु खूबसूरत, दीनदार, नौकरीपेशा/बिजनेसमैन प्रतिष्ठित फैमिली के युवक की आवश्यकता है। संपर्क करें - +91 96369 22143

29 Years Old MBBA Doctor, Working in Dehli, Kota Based Family, Needs MBBS Girls. Contact - 9829068455

Kota Based, 31/5.3/B.tech, PG Diploma in Banking, MBA in Finance, BSTC, Experience 3 years in ICICI Bank [Special Officar], Sunni Muslim Rangrez Girl. Father - Peincipal, Mother- House Wife, One Younger brothers. Required Educated, Honest life Partner Contact – 9829068455

RSSB लैब अटेंडेंट भर्ती 2025 - 54 पदों के लिए ऑनलाइन आवेदन करें

राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड (RSSB) ने लैब अटेंडेंट के 54 पदों पर भर्ती के लिए आवेदन आमंत्रित किए हैं। अन्य योग्यता वाले उम्मीदवार ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। ऑनलाइन आवेदन 11-07-2025 से शुरू होकर 09-08-2025 तक चलेगा। उम्मीदवार RSSB की वेबसाइट rssb.rajasthan.gov.in के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

आवेदन शुरू :
11 जुलाई से 09 अगस्त 2025 तक

योग्यता
लैब अटेंडेंट की इस नई भर्ती में आवेदन करने के लिए उम्मीदवारों का किसी मान्यता प्राप्त बोर्ड से सैकेण्डरी (10वीं) या इसके समकक्ष परीक्षा में पास होना चाहिए। इसके अलावा उम्मीदवारों को देवनागरी लिपि में लिखी हिंदी में कार्य करने का ज्ञान एंव राजस्थान की संस्कृति की नॉलेज होनी भी जरूरी है। अन्य योग्यताओं में अभ्यर्थी को अच्छे मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य का होना चाहिए।

एज लिमिट
आयुसीमा-1 जनवरी 2026 को अभ्यर्थियों की न्यूनतम उम्र 18 वर्ष पूरी होनी चाहिए। वहीं अधिकतम उम्र 40 वर्ष पूरी नहीं हो। आरक्षित वर्ग के उम्मीदवारों को नियमानुसार ऊपरी उम्र में छूट मिलेगी।

सैलरी-
लैब अटेंडेंट के पद पर चयनित अभ्यर्थियों को राज्य सरकार द्वारा सातवें वेतनमान के अनुसार पे मैट्रिक्स लेवल-1 के मुताबिक सैलरी दी जाएगी। परिवीक्षा काल में मासिक नियत पारिश्रमिक राज्य सरकार के आदेशानुसार देय होगा।

चयन प्रक्रिया-
लिखित परीक्षा, डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन, मेडिकल आदि चरणों के जरिए अभ्यर्थियों का चयन किया जाएगा।

आवेदन शुल्क-
इस भर्ती का फॉर्म भरने के लिए उम्मीदवारों को सामान्य वर्ग व क्रीमीलेयर के अन्य पिछड़ा वर्ग/ अति पिछड़ा वर्ग के अभ्यर्थियों को 600 रुपये आवेदन शुल्क देना होगा। वहीं ओबीसी/अति पिछड़ा वर्ग और ईडब्ल्यूएस अभ्यर्थियों को 400 रुपये एप्लीकेशन फीस देनी होगी। सभी दिव्यांगजन अभ्यर्थियों को 400 रुपये का भुगतान करना होगा।
आवेदन समाप्त होने के बाद बोर्ड द्वारा इन पदों पर लिखित परीक्षा की तारीखें घोषित की जाएगी। राजस्थान की इस भर्ती से जुड़ी अन्य किसी भी जानकारी के लिए अभ्यर्थी राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड की आधिकारिक वेबसाइट विजिट कर सकते हैं।

BSF में constable के 3588 पदों पर भर्ती; 10वीं पास करें अप्लाई

बॉर्डर सिक्योरिटी फोर्स यानी BSF में constable ट्रेड्समैन के पदों पर भर्ती निकली है। इसके लिए डिटेल्ड नोटिफिकेशन ऑफिशियल वेबसाइट rectt.bsf.gov.in पर जारी किया गया है। इन भर्ती के लिए आवेदन आज 25 जुलाई से शुरू हो गए हैं। जो उम्मी.दवार इस भर्ती के लिए योग्यभ और इच्छुक हैं, वे फौरन पूरी जानकारी चेक करें और ऑनलाइन आवेदन दर्ज करें।

आवेदन शुरू :
25 जुलाई से 25 अगस्त 2025 तक

वैकेंसी डिटेल्स :
पुरुष - 3406 पद
महिला - 182 पद
कुल - 3588 पद

एजुकेशनल क्वालिफिकेशन :
कैंडिडेट को 10वीं पास होना चाहिए।
संबंधित ट्रेड में ITI सर्टिफिकेट होना चाहिए।

एज लिमिट :
अनारक्षित कैटेगरी के उम्मीदवारों की उम्र 18 से 25 साल के बीच होनी चाहिए।
OBC कैंडिडेट्स को अधिकतम आयु में 3 साल की छूट मिलेगी।
SC/ST कैंडिडेट्स को अधिकतम आयु में 5 साल की छूट मिलेगी।

सिलेक्शन प्रोसेस :
सिलेक्शन प्रोसेस के 4 फेज हैं -
1. फिजिकल टेस्ट
पुरुष कैंडिडेट्स को 5 किमी की दौड़ 24 मिनट में पूरी करनी होगी। महिला कैंडिडेट्स को 1.6 किमी की दौड़ 8.30 मिनट में पूरी करनी होगी।
फिजिकल टेस्ट केवल क्वा लिफाइंग नेचर का होगा।
2. लिखित परीक्षा
कैंडिडेट्स को 100 सवालों की ऑब्जेक्टिव टाइप परीक्षा से गुजरना होगा। परीक्षा ऑनलाइन यानी CBT मोड में होगी। इसके लिए कुल 2 घंटे का समय मिलेगा।
3. डॉक्यूमेंट्स वेरिफिकेशन
कैंडिडेट्स को अपने सभी ओरिजिनल डॉक्यूमेंट्स वेरिफिकेशन के लिए फिजिकली उपस्थित करने होंगे।
4. ट्रेड टेस्ट
जिस ट्रेड के लिए अप्ला ई करेंगे, उससे संबंधित टेस्ट होगा। जैसे- टेलर, वॉशरमैन, स्वीडपर के लिए ट्रेड टेस्ट आयोजित किया जाएगा।

फीस :
जनरल/OBC/EWS : 100 रुपए
SC/ST/महिला : निशुल्कए

सैलरी :
चयनित कैंडिडेट्स को 21,700 से लेकर 69,100 रुपए तक प्रतिमाह सैलरी मिलेगी।

ऐसे करें आवेदन :
ऑफिशियल वेबसाइट rectt.bsf.gov.in पर जाएं।
constable ट्रेड्समैन भर्ती के लिंक पर क्लिक करें।
बेसिक जानकारियां भरकर सब्मिट करें और डॉक्यू मेंट्स अपलोड करें।
फीस जमा करके फाइनल सब्मिट कर दें।

रेलवे में अप्रेंटिस के 374 पदों पर निकली भर्ती; 10वीं पास को मौका

भारतीय रेलवे ने बनारस लोकोमोटिव वर्क्स के लिए 374 पदों पर भर्ती निकाली है। उम्मीदवार ऑफिशियल वेबसाइट apprenticeblw.in पर जाकर आवेदन कर सकते हैं।

आवदेन शुरू :
05 जुलाई से 05 अगस्त 2025 तक

वैकेंसी डिटेल्स :
बनारस लोको मोटिव वर्क्स आईटीआई : 300
बनारस लोको मोटिव वर्क्स नॉन आईटीआई : 74
कुल पदों की संख्या : 374

एजुकेशनल क्वालिफिकेशन :
आईटीआई : 10वीं पास, संबंधित ट्रेड में ITI सर्टिफिकेट प्राप्त
नॉन आईटीआई : न्यूनतम 50% अंकों के साथ 10वीं पास

एज लिमिट :
नॉन आईटीआई : अधिकतम 22 साल
आईटीआई : अधिकतम 24 साल

फीस :
एससी, एसटी, पीएच, महिला : नि:शुल्क
अन्य : 100 रुपए
स्टाइपेंड : रेलवे बोर्ड/लेबर मिनिस्ट्री इंस्ट्रक्शन के अनुसार

सिलेक्शन प्रोसेस :
मेरिट बेसिस पर
डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन
मेडिकल टेस्ट

ऐसे करें आवेदन :
ऑफिशियल वेबसाइट apprenticeblw.in पर जाएं।

आवश्यकता

हेल्पर स्टाफ की जरूरत है जिन्हें लोहे का काम आता हो या पावर प्रेस का काम आता हो कांटेक्ट करें: +919001876353 सैलरी काम देखने के बाद में डिसाइड की जाएगी ! इदरीश अहमद साहब ईदगाह दिल्ली रोड जयपुर

हैंडीक्राफ्ट फैक्ट्री के लिए हैंडीक्राफ्ट कर्मी (हैंडीक्राफ्ट आर्टिस्ट) की जरूरत है जिनको हैंडीक्राफ्ट का पूरा काम आता हो! सैलरी : ₹ 20K से ₹30,000 तक @ HR इरफान अख़्तर 9828733222

वॉटर R O और एयर कंडीशनर इंस्टॉलेशन / के लिए स्टाफ की जरूरत है जिस स्टाफ को काम आता है वहीं स्टाफ अप्लाई करें जॉब लोकेशन : सोडाला, सी स्कीम जयपुर सैलरी : 16 से ₹25,000 तक कॉल @ HR इरफान अख़्तर 9828 733 222

ज्वेलरी केड डिजाइनर डिजाइनर टीचर की जरूरत है : स्टाफ चाहे तो पार्ट टाइम या फुल टाइम दोनों हो कर सकते हैं जॉब लोकेशन : चार दरवाजा & आदर्श नगर Call at HR 98287-33222

राजा पार्क में Alibaba.com Executive और फोटोग्राफर की जरूरत है ! जॉब लोकेशन : राजा पार्क कांटेक्ट करें! 9828733222

Need A Digital Markting Expert Staff (SEO + Google + Meta Ads + Shopify + Wordpress) Salary 35K to 50K At Tonk Road - Jaipur HR @ 98287-33222 Limra Foundation

आवश्यकता

जयपुर से प्रकाशित होने वाले एक प्रतिष्ठित समाचार पत्र को अपने दैनिक एवं साप्ताहिक समाचार पत्र के लिए रिपोर्टर्स एवं विज्ञापन लाने के लिए विज्ञापन प्रतिनिधि की शीघ्र आवश्यकता है।
वेतन योग्यतानुसार, अनुभवी को प्राथमिकता। इंटर्नशिप करने के इच्छुक भी संपर्क कर सकते हैं।
इच्छुक उम्मीदवार शीघ्र संपर्क करें -
रॉयल पत्रिका
मस्जिद शोखान के सामने, शिकारियों का खुर्रा, घोड़ा निकास रोड, रामगंज बाज़ार, जयपुर- 302002 मो.9772552446

इंडियन बैंक में अप्रेंटिस के 1500 पदों पर भर्ती

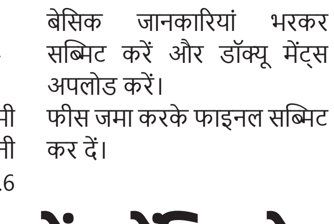

इंडियन बैंक में अप्रेंटिस के 1500 पदों पर भर्ती निकली है। उम्मीदवार ऑनलाइन मोड में ऑफिशियल वेबसाइट indianbank.in पर जाकर आवेदन कर सकते हैं। यह ट्रेनिंग एक साल के लिए दी जाएगी। उम्मीदवारों के लिए NATS 2.0 पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन जरूरी होगा।

आवेदन शुरू :
18 जुलाई से 7 अगस्त 2025 तक

एजुकेशनल क्वालिफिकेशन :
ग्रेजुएशन की डिग्री

एज लिमिट :
न्यूनतम : 20 साल
अधिकतम : 28 साल
आरक्षित वर्ग को नियमानुसार छूट दी जाएगी।

स्टाइपेंड :
मेट्रो/अर्बन ब्रांच में : 15000 रुपए
रूरल/सेमी ब्रांच : 12000 रुपए

सिलेक्शन प्रोसेस :
ऑनलाइन टेस्ट
लोकल लैंग्वेज प्रोफिशिएंसी टेस्ट

फीस :
सामान्य/ओबीसी/ईडब्ल्यूएस : 800 रुपए
एससी/एसटी/पीडब्ल्यूबीडी : 175 रुपए

एग्जाम पैटर्न :
ऑनलाइन परीक्षा में कुल 100 प्रश्न होंगे। इनके लिए अधिकतम 100 अंक तय किए गए हैं।
एग्जाम में तर्क योग्यता से 15 प्रश्न (15 अंक), कंप्यूटर ज्ञान से 10 प्रश्न (10 अंक), अंग्रेजी भाषा से 25 प्रश्न (25 अंक), क्वांटिटेटिव एप्टीट्यूड से 25 प्रश्न (25 अंक), और सामान्य जागरूकता (विशेष रूप से बैंकिंग उद्योग से संबंधित) से 25 प्रश्न (25 अंक) पूछे जाएंगे।
हर गलत उत्तर पर 1/4 अंक की निगेटिव मार्किंग होगी।

ऐसे करें आवेदन :
ऑफिशियल वेबसाइट indianbank.in पर जाएं।
मेन्यू पर "करियर" विकल्प चुनें।
ऑनलाइन अप्लाई लिंक पर क्लिक करें।
मांगे गए डिटेल्स दर्ज करें।
रजिस्ट्रेशन करके लॉग इन करें।
डॉक्यूमेंट्स अपलोड करके फीस जमा करें।
फॉर्म सब्मिट करें। इसका प्रिंटआउट लेकर रखें।

प्रशासनिक सेवाओं की तैयारी कैसे करें?

(रणनीति)

(नियमितता और सटीकता के साथ सफलता की ओर)
•यूपीएससी प्रारंभिक परीक्षा (पेपर-I: सामान्य अध्ययन) रणनीति
MCQs on राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय महत्व की समसामयिक घटनाएँ (2023-2025)

राष्ट्रीय घटनाएँ

1.आत्मनिर्भर भारत अभियान की शुरुआत किस वर्ष हुई थी?
(a) 2019 (b) 2020 (c) 2021 (d) 2022

2.आत्मनिर्भर भारत अभियान के कितने स्तंभ हैं?
(a) 3 (b) 4 (c) 5 (d) 6

3.निम्नलिखित में से कौन सा क्षेत्र आत्मनिर्भर भारत अभियान का हिस्सा नहीं है?
(a) अर्थव्यवस्था (b) आधारभूत संरचना (c) विदेश नीति (d) जनसांख्यिकी

4.भारतीय न्याय संहिता (BNS) ने किस पुराने कानून को प्रतिस्थापित किया?
(a) CrPC (b) IPC (c) Indian Evidence Act (d) CPC

5.नए आपराधिक कानून कब लागू हुए?
(a) 1 जनवरी 2023 (b) 1 जुलाई 2024 (c) 1 अप्रैल 2024 (d) 1 अक्टूबर 2023

6.भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (BNSS) का संबंध किससे है?
(a) साक्ष्य कानून (b) आपराधिक प्रक्रिया (c) नागरिक प्रक्रिया (d) कर कानून

7.प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना का लक्ष्य कितने घरों में सौर ऊर्जा प्रदान करना है?
(a) 50 मिलियन (b) 75 मिलियन (c) 100 मिलियन (d) 150 मिलियन

8.सूर्य घर योजना के तहत प्रति घर कितनी सब्सिडी दी जाती है?
(a) ₹50,000 (b) ₹75,000 (c) ₹1,00,000 (d) ₹1,25,000

9.निम्नलिखित में से कौन सी योजना 2024 में शुरू की गई थी?
(a) आयुष्मान भारत (b) पीएम-किसान (c) सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना (d) उज्ज्वला योजना

10.डिजिटल इंडिया अभियान का मुख्य उद्देश्य क्या है?
(a) डिजिटल साक्षरता (b) ग्रामीण विद्युतीकरण(c) सड़क निर्माण (d) जल संरक्षण

11.निम्नलिखित में से कौन सा पुरस्कार 2024 में भारत रत्न से सम्मानित हुआ?
(a) लालकृष्ण आडवाणी (b) रतन टाटा (c) नरेंद्र मोदी (d) अमिताभ बच्चन

12.निम्नलिखित में से कौन सी योजना ग्रामीण महिलाओं के लिए रसोई गैस प्रदान करती है?
(a) पीएम-किसान (b) उज्ज्वला योजना (c) आयुष्मान भारत (d) स्वच्छ भारत

13.स्वच्छ भारत मिशन का दूसरा चरण कब शुरू हुआ?
(a) 2019 (b) 2020 (c) 2021 (d) 2022

14.बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना का मुख्य उद्देश्य क्या है?
(a) महिलाओं को रोजगार (b)बालिका शिक्षा और लिंग अनुपात सुधार (c) ग्रामीण स्वास्थ्य (d) शहरी विकास

15.निम्नलिखित में से कौन सा नया राष्ट्रीय उद्यान 2024 में घोषित हुआ?
(a) रामगढ़ विषधारी (राजस्थान) (b) जिम कॉर्बेट (उत्तराखंड) (c) काजीरंगा (असम) (d) सुंदरबन (पश्चिम बंगाल)

16.निम्नलिखित में से कौन सी योजना डिजिटल भुगतान को बढ़ावा देती है?
(a) पीएम-किसान (b) डिजिटल इंडिया (c) BHIM ऐप (d) उज्ज्वला योजना

17.2024 में भारत के नए मुख्य न्यायाधीश कौन बने?
(a) डी. वाई. चंद्रचूड़ (b) संजीव खन्ना (c) एन. वी. रमना (d) रंजन गोगोई

18.निम्नलिखित में से कौन सा कार्यक्रम 2024 में शुरू हुआ?
(a) नमामि गंगे (b) मेक इन इंडिया (c) लखपति दीदी योजना (d) स्किल इंडिया

19.लखपति दीदी योजना का उद्देश्य क्या है?
(a) महिलाओं को ₹1 लाख वार्षिक आय (b) ग्रामीण बुनियादी ढांचा विकास (c) शहरी रोजगार (d) बाल शिक्षा

20.भारत का पहला डिजिटल बजट कब प्रस्तुत किया गया?
(a) 2020 (b) 2021 (c) 2022 (d) 2023

अंतरराष्ट्रीय घटनाएँ

21.COP29 जलवायु सम्मेलन का आयोजन कहाँ हुआ था?
(a) ग्लासगो, स्कॉटलैंड (b) बाकू, अजरबैजान (c) दुबई, UAE (d) पेरिस, फ्रांस

22.COP29 का मुख्य विषय क्या था?
(a) कार्बन उत्सर्जन में कमी (b) जलवायु वित्त (c) नवीकरणीय ऊर्जा (d) जैव-विविधता संरक्षण

23.भारत ने नेट-जीरो उत्सर्जन का लक्ष्य किस वर्ष के लिए रखा है?
(a) 2030 (b) 2047 (c) 2050 (d) 2070

24.2023 में G20 शिखर सम्मेलन का आयोजन कहाँ हुआ?
(a) नई दिल्ली (b) रियो डी जनेरियो (c) टोक्यो (d) लंदन

25.2023 G20 शिखर सम्मेलन की थीम क्या थी?
(a) एक विश्व, एक भविष्य (b) वसुधैव कुटुंबकम (c) सतत विकास (d) वैश्विक सहयोग

26.G20 शिखर सम्मेलन 2023 में किस संगठन को स्थायी सदस्यता दी गई?
(a) ASEAN (b) अफ्रीकी संघ (c) SAARC (d) SCO

27.भारत-मध्य पूर्व-यूरोप आर्थिक गलियारा किस सम्मेलन में प्रस्तावित हुआ?
(a) COP28 (b) G20 2023 (c) BRICS 2023 (d) SCO 2024

28.निम्नलिखित में से कौन सा देश क्वाड (QUAD) का हिस्सा नहीं है?
(a) भारत (b) जापान (c) चीन (d) ऑस्ट्रेलिया

29.भारत ने किस देश के साथ 2024 में SOSA (सिक्योरिटी ऑफ सप्लाई अरेंजमेंट) पर हस्ताक्षर किए?
(a) रूस (b) अमेरिका (c) फ्रांस (d) जापान

30.BRICS शिखर सम्मेलन 2024 का आयोजन कहाँ हुआ?
(a) कज़ान, रूस (b) बीजिंग, चीन (c) नई दिल्ली, भारत (d) जोहान्सबर्ग, दक्षिण अफ्रीका

31.निम्नलिखित में से कौन सा देश BRICS का नया सदस्य बना?
(a) सऊदी अरब (b) इंडोनेशिया (c) वियतनाम (d) बांग्लादेश

32.संयुक्त राष्ट्र का जलवायु परिवर्तन ढांचा सम्मेलन (UNFCCC) कितने वर्षों में आयोजित होता है?
(a) प्रतिवर्ष (b) प्रत्येक 2 वर्ष (c) प्रत्येक 5 वर्ष (d) प्रत्येक 10 वर्ष

33.निम्नलिखित में से कौन सा संगठन वैश्विक स्वास्थ्य नीतियों को निर्धारित करता है?
(a) WHO (b) WTO (c) IMF (d) UNESCO

34.रूस-यूक्रेन संघर्ष में भारत की नीति क्या रही है?
(a) तटस्थता और शांति की वकालत (b) रूस का समर्थन (c) यूक्रेन का समर्थन (d) दोनों का विरोध

35.निम्नलिखित में से कौन सा देश 2024 में G7 शिखर सम्मेलन की मेजबानी करेगा?
(a) इटली (b) कनाडा (c) जर्मनी (d) जापान

36.भारत ने किस देश के साथ 2024 में रक्षा सहयोग समझौता किया?
(a) जर्मनी (b) फ्रांस (c) रूस (d) ब्रिटेन

37.निम्नलिखित में से कौन सा संगठन वैश्विक व्यापार नियमों को नियंत्रित करता है?
(a) IMF (b) WTO (c) World Bank (d) FAO

38.2024 में किस देश ने दक्षिण कोरिया में मार्शल लॉ लागू करने की घोषणा की?
(a) उत्तर कोरिया (b) दक्षिण कोरिया (c) जापान (d) चीन

39.निम्नलिखित में से कौन सा समझौता भारत और यूरोपीय संघ के बीच व्यापार को बढ़ावा देता है?
(a) FTA (b) RCEP (c) TPP (d) APEC

40.2024 में किस देश ने चंद्रमा पर मानवयुक्त मिशन की योजना की घोषणा की?
(a) भारत (b) चीन (c) अमेरिका (d) रूस

डॉ. एम . ए. खान
प्रोफ़ेसर (भूगोल)

छाती में दर्द ही नहीं, दिल के कमजोर होने के और भी कई लक्षण होते हैं

- इन संकेतों को न करें नज़रअंदाज़

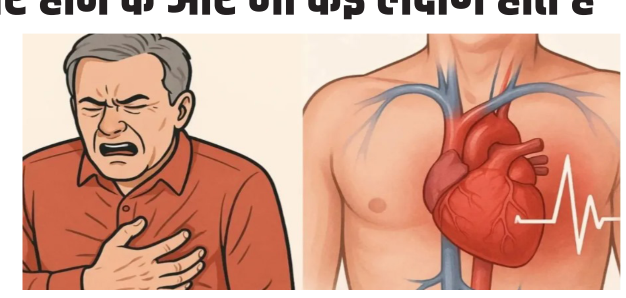

दिल यानी हृदय हमारे शरीर का सबसे अहम अंग है, जो बिना रुके जीवनभर काम करता है। यह पूरे शरीर में खून पंप करता है और हर अंग को ज़रूरी ऑक्सीजन और पोषक तत्व पहुँचाता है। जब दिल कमजोर होने लगता है तो सबसे पहले लोग "छाती के दर्द" को एकमात्र लक्षण मानते हैं, जबकि हकीकत ये है कि दिल की कमजोरी सिर्फ सीने के दर्द से ही नहीं, बल्कि कई और लक्षणों से भी ज़ाहिर हो सकती है। आज के इस लेख में हम जानेंगे कि दिल के कमजोर होने पर शरीर में कौन-कौन से बदलाव या लक्षण नज़र आते हैं, और किन बातों को समझकर हम समय रहते इलाज शुरू कर सकते हैं।

दिल कमजोर होने के कारण:-
हृदय के कमजोर होने की कई वजहें हो सकती हैं, जैसे:
हाई ब्लड प्रेशर (उच्च रक्तचाप)
डायबिटीज़
कोलेस्ट्रॉल का बढ़ना
मोटापा और निष्क्रिय जीवनशैली
अत्यधिक धूम्रपान और शराब का सेवन
दिल के वॉल्व में खराबी
कोरोनरी आर्टरी डिज़ीज़ (धमनियों में रुकावट)
अनुवांशिक कारण
जब दिल पर लंबे समय तक दबाव रहता है, तो हृदय की मांसपेशियाँ कमजोर होने लगती हैं और पंपिंग क्षमता घटती है, जिससे हार्ट फेलियर (Heart Failure) जैसी स्थिति भी बन सकती है।

सिर्फ छाती का दर्द ही क्यों नहीं?:-
छाती में दर्द ज़रूरी लक्षण तो है, लेकिन हर बार यह दर्द नहीं भी हो सकता। कई बार दिल के कमजोर होने के संकेत शरीर के दूसरे हिस्सों से आते हैं, जिन्हें हम सामान्य कमजोरी या थकान मानकर नज़रअंदाज़ कर देते हैं। आइए जानें ऐसे ही कुछ लक्षण:

लगातार थकावट महसूस होना:-
अगर बिना कोई भारी काम किए भी दिनभर थकावट बनी रहती है, तो यह हृदय के कमजोर होने का संकेत हो सकता है। जब दिल ठीक से खून नहीं पंप कर पाता, तो शरीर के अंगों तक ऑक्सीजन नहीं पहुँचती, जिससे थकान महसूस होती है।

सांस लेने में तकलीफ:-
दिल कमजोर होने पर फेफड़ों तक खून ठीक से नहीं पहुँचता, जिससे सांस फूलने लगती है।
खासकर:
सीढ़ियाँ चढ़ते समय
थोड़ा भी चलने पर
लेटते समय
अगर आपको बिना कारण सांस लेने में परेशानी होती है, तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें।

पैरों, टखनों और पेट में सूजन:-
हृदय जब पंपिंग में कमजोर हो जाता है, तो शरीर में द्रव (fluid) जमा होने लगता है। इसका असर सबसे पहले पैरों और टखनों में सूजन के रूप में दिखता है। कुछ लोगों में पेट फूलना या वजन अचानक बढ़ना भी इसका संकेत हो सकता है।

धड़कनों का तेज़ या अनियमित होना:-
दिल की मांसपेशियाँ जब कमज़ोर हो जाती हैं, तो दिल की धड़कनें असामान्य हो सकती हैं। आपको अचानक दिल के तेजी से धड़कने का एहसास हो सकता है, या ऐसा लगे कि दिल उछल रहा है। यह arrhythmia का लक्षण हो सकता है।

सोते समय बार-बार उठकर बैठ जाना:-
जब दिल कमजोर होता है, तो फेफड़ों में तरल जमा होने लगता है, जिससे लेटते ही सांस घुटने लगती है। ऐसे में मरीज़ रात को बार-बार उठकर बैठने लगता है। यह स्थिति Orthopnea कहलाती है।

एकाग्रता में कमी और भ्रम :-
दिल जब ब्रेन तक पर्याप्त रक्त नहीं पहुँचा पाता, तो व्यक्ति को चक्कर, ध्यान केंद्रित करने में कठिनाई और मानसिक भ्रम जैसे लक्षण महसूस हो सकते हैं। बुज़ुर्गों में यह लक्षण और भी गंभीर हो सकता है।

भूख में कमी या पेट भरा-भरा लगना:-
दिल कमजोर होने पर पाचन क्रिया पर भी असर पड़ता है। पेट तक खून की सप्लाई घट जाती है, जिससे भूख कम लगती है या खाने के बाद पेट जल्दी भर जाता है।

ठंडी त्वचा या नीला पड़ना:-
जब हृदय शरीर के अंगों तक पर्याप्त ऑक्सीजन नहीं पहुँचा पाता, तो त्वचा, होंठ या नाखूनों पर नीलेपन जैसा रंग दिखाई देता है। हाथ-पाँव ठंडे लग सकते हैं।

कब करें डॉक्टर से संपर्क?:-
अगर आपको उपरोक्त लक्षणों में से दो या अधिक लगातार महसूस हो रहे हैं, तो समय बर्बाद न करते हुए तुरंत डॉक्टर से मिलें। हार्ट से जुड़ी समस्या का इलाज जितना जल्दी शुरू हो, उतना ही बेहतर परिणाम मिलता है।

हृदय को मजबूत कैसे रखें?:-
दिल की सेहत के लिए कुछ आसान मगर असरदार आदतें अपनानी बेहद ज़रूरी हैं:
रोजाना 30 मिनट की वॉक या एक्सरसाइज़ करें
संतुलित आहार लें — ताज़ी सब्ज़ियाँ, फल, कम वसा वाला भोजन
नमक और चीनी की मात्रा सीमित करें

PGIMER चंडीगढ़ ने 114 पदों पर निकाली भर्ती; एज लिमिट 35 साल

PGIMER चंडीगढ़ ने ग्रुप बी और सी के 100 से ज्यादा पदों पर भर्ती निकाली है। इस भर्ती के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। उम्मीदवार ऑफिशियल वेबसाइट cdn.digialm.com पर जाकर अप्लाई कर सकते हैं।

आवेदन शुरू:
04 जुलाई से 04 अगस्त 2025 तक

एजुकेशनल क्वालिफिकेशन :
पद के अनुसार 12वीं पास, बीएससी नर्सिंग की डिग्री, 1 साल का अनुभव, एलएलबी के साथ 3 साल का अनुभव, ग्रेजुएशन की डिग्री

एज लिमिट :
न्यूनतम : 18 साल
अधिकतम : 35 साल

सिलेक्शन प्रोसेस :
रिटन एग्जाम
इंटरव्यू
डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन

सैलरी :
35,400 - 1,42,400 रुपए प्रतिमाह

फीस :
जनरल, ओबीसी, ईडब्ल्यूएस : 1500 रुपए
एससी, एसटी : 800 रुपए
दिव्यांग : नि:शुल्क

ऐसे करें आवेदन :
ऑफिशियल वेबसाइट cdn.digialm.com पर जाएं।
होम पेज पर अप्लाई ऑनलाइन लिंक पर क्लिक करें।
जरूरी डिटेल्स दर्ज करें।
मांगे गए डॉक्यूमेंट्स अपलोड करें।
फॉर्म सब्मिट करके फीस जमा करें।
इसका प्रिंटआउट लेकर रखें।

डॉ. एपीजे कलाम जनसेवा संस्थान द्वारा संभाग स्तरीय मुस्लिम समाज प्रबुद्धजन सम्मेलन सम्पन्न

-"एक बनो नेक बनो समस्या नहीं समाधान बनो"- डीआईजी अरशद अली

शब्बीर हुसैन

बारां (रॉयल पत्रिका)। भारत रत्न पूर्व राष्ट्रपति, मिसाइलमेन डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम की पुण्यतिथि के अवसर पर डॉ. एपीजे कलाम जनसेवा संस्थान बारां की ओर से रविवार 27 जुलाई को पुलिस लाईन बारां के समीप निजी होटल में मुस्लिम प्रबुद्धजन सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के संयोजक एवं भारत माता कॉलेज किशनगंज के चैयरमेन डॉ. मजीद मलिक कमांडो व सह संयोजक बारां अंजुमन सदर माजिद सलीम ने बताया की बारां में पहला संभाग स्तरीय मुस्लिम समाज प्रबुद्धजन सम्मेलन डॉ. एपीजे कलाम जनसेवा संस्थान बारां जिला द्वारा आयोजित किया गया, कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राजस्थान पुलिस उप महानिरीक्षक जयपुर अरशद अली थे। अध्यक्षता प्रगति कॉलेज ग्रुप कोटा के चैयरमेन डॉ. जफर मोहम्मद ने की। डॉ. नासिर खान एडवोकेट व साइंटिस्ट जयपुर, ए.जी.मिर्जा चैयरमेन सर्वोदय कॉलेज ग्रुप कोटा, मोहम्मद ताहिर आरएएस अधिकारी भीलवाड़ा, अनीस अहमद पुलिस उप अधीक्षक कोटा, अब्दुल हफीज तहसीलदार पचपहाड़ झालावाड़, मंजूर अली दीवान तहसीलदार अटरू व गुलाम रसूल प्रोफेसर राजकीय महाविद्यालय कोटा विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहे। कार्यक्रम संयोजक डॉ. मजीद कमांडो ने बताया कि कार्यक्रम में हाड़ौती संभाग के कोटा, बूंदी, झालावाड़ सहित बारां जिले के लोग शामिल हुए। कार्यक्रम का उद्देश्य मुस्लिम समाज में शिक्षा का विकास, कैरियर गाइडेंस, आपसी भाईचारा एवं सामाजिक सौहार्द सहित अन्य मुद्दों पर मंथन किया गया। कमांडो ने कहा की अनुशासन एवं समय की पाबंदी से ही जीवन मे कामयाबी प्राप्त की जा सकती है। हम एक बने, नेक बने, समस्या नहीं समाधान बने, ऐसी सोच से ही हम समाज के लोगों को मदद कर सकते है। मुख्य अतिथि अरशद अली राजस्थान पुलिस उप महानिरीक्षक ने कहा की

हमें सामाजिक लीडरशिप की आवश्यकता है। ब्रांड नही बल्कि हमे मानसिक रूप से मजबूत बनकर शिक्षा एवं रोजगार की ओर ध्यान देना होगा। कार्यक्रम के दौरान हाड़ौती भर से आये प्रबुद्धजनों का एपीजे कलाम जन सेवा संस्थान की ओर से स्वागत सम्मान किया गया । कार्यक्रम को सफल बनाने में डॉ. एपीजे कलाम जन सेवा संस्थान आयोजन समिति के संयोजक डॉ. मजीद मलिक कमांडो किशनगंज, सह संयोजक माजिद सलीम बारां व सदस्य हाजी निजामुद्दीन खान छबड़ा, मोहम्मद अशफाक बारां, जाकिर मंसूरी बारां, डॉ. मुश्ताक अंसारी बारां, हज्जन नाहिदा बेगम मांगरोल, अशफाक अंसारी मांगरोल, डॉ. अशफाक खान एनटीपीसी अंता, हाजी रसूल मोहम्मद अंता, इकबाल खान अंता, हाजी लियाकत अली मेव भंवरगढ़, शेख आबिद केलवाड़ा, महफूज अली सैयद, अब्दुल अजीज छीपाबडौद, अमीनुद्दीन एडवोकेट अटरू का विशेष सहयोग रहा। कार्यक्रम का संचालन फारूख राणा ने किया ।

कारगिल विजय दिवस पर किया वीर जवानों का सम्मान

बारां (रॉयल पत्रिका)। अंतरराष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन द्वारा कारगिल विजय दिवस के अवसर पर देश के वीर सैनिकों के अदम्य साहस, बलिदान और राष्ट्रभक्ति को नमन करते हुए एक सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में कारगिल युद्ध के जवानों को विशेष रूप से सम्मानित किया गया। बारां रनर क्लब द्वारा संस्था धर्मशाला में 2 दिवसीय कारगिल सैनिकों का प्रोग्राम आयोजित किया गया था। उसी में अंतरास्ट्रीय वैश्य महा सम्मलेन बारां महिला विंग की अध्यक्ष नीतू गुप्ता, युवा विंग के अध्यक्ष भानू पोरवाल, वरिष्ठ समाजसेवी ललित मोहन खंडेलवाल सचिव आनंद बंसल ने सैनिकों के ललाट पर तिलक लगाकर माला पहनाई व सभी का मुंह मीठा करा कर सभी का सम्मान किया। देश के लिए हमेशा समर्पित रहने के लिए सभी की प्रशंसा की। सभी अतिथियों ने देशभक्त सैनिकों के शौर्य को प्रणाम करते हुए उनके योगदान को अविस्मरणीय बताया।

कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि कारगिल विजय केवल एक युद्ध की जीत नहीं, बल्कि भारत माता के सपूतों के त्याग, वीरता और बलिदान की मिसाल है। ऐसे अवसर पर हम सभी को यह संकल्प लेना चाहिए कि हम अपने देश के प्रति निष्ठा और सेवा का भाव बनाए रखें।

कार्यक्रम का माहौल देशभक्ति से ओतप्रोत रहा इस अवसर पर मृदुला मारू, आशा विजय, ओम प्रकाश, रविन्द्र टेनुआ, हरि मोहन अग्रवाल, दिनेश बंसल, हरिओम तायल खंडेलवाल, पवन पोरवाल, दीपक गुप्ता, लोकेश जितेंद्र गुप्ता, राजेंद्र हेमराज बंसल उपस्थित रहे।

लापरवाही बनी बच्चों की मौत का कारण - शांति धारीवाल

डॉ. तोहीद

सुकेत/कोटा, (रॉयल पत्रिका)। पूर्व मंत्री कोटा उत्तर से विधायक शांति धारीवाल ने झालावाड़ स्कूल में हुए हादसे को लेकर गहरा दुख जताते हुए इस पूरे घटनाक्रम में बड़ी लापरवाही की बात कही है। उन्होंने कहा है कि जब स्कूल के बच्चे अध्यापकों को बता रहे थे कि छत से कंकड़ गिर रहे हैं। तो उसे वक्त स्कूल खाली क्यों नहीं करवाया गया। जर्जर स्कूलों को लेकर लगातार शिक्षा मंत्री और शिक्षा विभाग ढ़िढोरा पीट रहा है कि 200 करोड रुपए से जर्जर स्कूल की इमारतों को ठीककरवाया जा रहा है। तो यह हादसा कैसे हो गया इस पूरे मामले की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग शांति धारीवाल ने की है। वहीं उन्होंने सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि शिक्षा मंत्री को इस्तीफा देना चाहिए।

पूर्व मंत्री प्रमोद जैन भाया का झालावाड़ दौरा, देह संस्कार में शामिल हुए घटना स्थल विद्यालय का निरीक्षण किया

-मृतक बच्चों के परिजनों के घर जाकर संवेदना प्रकट की

बारां, (रॉयल पत्रिका)। झालावाड़ जिले के मनोहरथाना ब्लॉक के ग्राम पिपलोदी के राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय में दर्दनाक दुर्घटना में दिवंगत हुए बच्चों के परिजनों तथा दुर्घटना में घायल बच्चों तथा उनके परिजनों से पूर्व मंत्री प्रमोद जैन भाया झालावाड़ जिले के कांग्रेसजनो के साथ जाकर मिले। पूर्व मंत्री के आरोप एवं इस घटना के विरोध मैं कुछ मांगे रखी जिनमें दाह संस्कार जल्दबाजी में करवाया, परिवारजनों का भी इंतजार नही किया, लकड़ी के अभाव मैं टायर डीजल का इस्तेमाल कर आनन-फानन मैं हिंदू रीति रिवाज के खिलाफ अंतिम संस्कार किया जाना प्रशासन का घोर अमानवीय कृत्य है। दूसरी स्कूल की बिल्डिंग को तोड़कर जमींदोश किया जाना सबूत मिटाने का प्रयास प्रशासन द्वारा किया गया। तीसरा अहमदाबाद प्लेनहादसे मैं 1 करोड़ का मुआवजा और सरकार की लापरवाही मृत एससी एसटी ओबीसी के गरीब आदिवासी बच्चों को केवल 10 लाख के मुआवजे की घोषणा सरकार का दोहरा चरित्र दिखाती है। चौथी मुख्यमंत्री से आह्वाहन करता हु की इस घटना के मृत पीड़ितों को मुआवजा स्वरूप 1 करोड़ रुपए, गंभीर घायलों को 10 लाख रुपए और परिजनों को नोकरी का निर्णय लेना चाहिए। और पांचवीं पूरे राजस्थान मैं अभियान से सर्वे कर जर्जर सरकारी स्कूल को चिन्हित कर बच्चो को शिफ्ट कर , शिक्षण कार्य बच्चो को दूसरी इमारत मैं चलवाने का निर्णय लेवे। इस दौरान प्रमोद जैन भाया पूर्व कैबिनेट मंत्री के साथ वीरेंद्र सिंह गुर्जर जिला अध्यक्ष कांग्रेस कमेटी झालावाड़, नेमीचंद मीना विधान सभा प्रत्याक्षी मनोहर थाना, देवकीनन्दन वर्मा पीसीसी सेक्रेटरी, मो.सिद्दिक गौरी पीसीसी मेंबर, मीनाक्षी चंद्रावत पूर्व विधायक, राजेंद्र शर्मा रिको अध्यक्ष झालरापाटन, महेंद्र प्रतापसिंह झाला पूर्व अध्यक्ष एनएसयूआई, पोरस साहू ब्लॉक अध्यक्ष मनोहरथाना, एड. राजेंद्र मेरोठा मंडल अध्यक्ष, वसीम अकरम पूर्व एनएसयूआई अध्यक्ष, नन्दसिंह राठौर सेवादल जिला अध्यक्ष, वर्षा शर्मा महिला कांग्रेस जिला अध्यक्ष, आमिर खान जिला महासचिव, ओम पाठक प्रवक्ता, बालचंद जी पूर्व चेयरमैन नगर पालिका अकलेरा, मनीष शुक्ला पूर्व चेयरमैन झालावाड़, कमलेश खंगरावत युवा कांग्रेस प्रदेश महासचिव, इम्तियाज खान ब्लॉक अध्यक्ष झालरापाटन, कासिम खान, खालिद खान सहित अन्य कांग्रेसजन साथ रहे।

मारवुपूरा से नेनावा बॉर्डर तक सड़क गड्ढों में तब्दील सता रहा हादसे का डर

सांचौर (रॉयल पत्रिका)। कस्बे समेत आस-पास के गांवों में बारिश के कारण सड़के उखड़ जाने के कारण मुख्य मार्ग पर गड्ढे होने से वाहन चालकों को हादसे का डर सता रहा है। ग्राम प्रतापपुरा के ग्रामीणों द्वारा परिवहन मंत्री नितिन गडकरी को पत्र लिखकर बताया कि सांचौर से गुजरात के पालनपुर - अहमदाबाद हाइवे को जोड़ने वाली सड़क नेशनल हाइवे 168ए नेनावा बॉर्डर तक जर्जर हालात हो गई है। घटिया सामग्री से निर्माण कर करोड़ो रूपये की लागत से बनी सड़क जगह-जगह बड़े-बड़े गड्ढों में तब्दील हो गई है। प्रथम बारिश के अन्दर सड़क गड्ढों में बदल गई है। साथ ही नजदीक पलादर में लगा टोल नाका से टोल वसूली की जा रही है। जो वाहन चालकों में भारी रोष है। 11 किमी का सफर तय करने में एक घण्टे का समय लग जाता है। सड़क को ठेकेदार द्वारा सही नही किया जा रहा है। उपरान्त टोल वसूली की जा रही है। बारिश के मौसम में अत्यधिक गड्ढों के कारण हादसा कभी भी हो सकता है। इधर पैदल यात्रा राम देवरा जा रहे यात्रियों को भी हादसे का डर सता रहा है। भारी वाहन अत्यधिक चलने के कारण सड़क पर गड्ढ़ो का अम्बार है नजर हटते ही दुर्घटना का शिकार हो जाता है।

जिले में मनाया गया 76वां जिला स्तरीय वन महोत्सव

-'मिशन हरियालो राजस्थान' के तहत प्रभारी मंत्री ओटा राम देवासी ने किया वृक्षारोपण

बारां (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देशन में चलाए जा रहे विशेष अभियान "मिशन हरियालो राजस्थान" के तहत रविवार को खेरखेड़ी स्थित फतेहपुर टोल प्लाजा के पास, दुग्ध डेयरी के सामने 76वां जिला स्तरीय वन महोत्सव मनाया गया। इस अवसर पर हरियाली तीज के पावन पर्व को वृक्षारोपण के साथ जोड़ते हुए पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया।

मुख्य अतिथि के रूप में कार्यक्रम में राज्य मंत्री एवं जिला प्रभारी मंत्री ओटाराम देवासी तथा जिला प्रभारी सचिव ओमप्रकाश बुनकर ने भाग लिया। इनके साथ विधायक राधेश्याम बैरवा, विधायक डॉ. ललित मीणा, जिला कलक्टर रोहिताश्व सिंह तोमर और समाजसेवी नरेश सिकरवार ने भी पौधारोपण कर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई।

इस अवसर पर जिले भर में जनप्रतिनिधियों, विभिन्न विभागों, स्वयंसेवी संस्थाओं, निजी संस्थानों, औद्योगिक इकाइयों, एनसीसी, स्काउट्स, मीडिया एवं आम नागरिकों की भागीदारी से व्यापक स्तर पर वृक्षारोपण किया गया। मुख्यमंत्री की बजट घोषणा के अनुसार जिले में 23 लाख पौधारोपण का लक्ष्य निर्धारित किया गया है, जिसके तहत जिला मुख्यालय से लेकर ग्राम पंचायत स्तर तक पौधे लगाए जा रहे हैं।

जिला स्तरीय समारोह में एडीएम दिवांशु शर्मा, सीईओ राजवीर सिंह चौधरी, डीएसओ अनील यादव सहित सभी जिला स्तरीय अधिकारीगण मौजूद रहे।

प्रभारी मंत्री ओटाराम देवासी ने कहा कि "मुख्यमंत्री के नेतृत्व में इस मानसून वर्ष में राज्य में 10 करोड़ से अधिक पौधारोपण करने का लक्ष्य रखा गया है। यह अभियान प्रदेश को हराभरा बनाने की दिशा में ऐतिहासिक कदम है।" उन्होंने कहा वन महोत्सव के माध्यम से जिलेवासियों में पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ना है और यह अभियान आने वाली पीढ़ियों के लिए एक हरित विरासत छोड़ने का कार्य करेगा।

मनोहरथाना पीपलोदी विद्यालय हादसा मासूम बच्चों की मौतों का जिम्मेदार कौन

फिरोज खांन वारसी

झालावाड़ (रॉयल पत्रिका)। झालावाड़ जिले के मनोहरथाना विधानसभा क्षेत्र के पीपलोदी गांव में बारिश से राजकीय प्राथमिक विद्यालय पिपलोदी कि छत गिरगई यह विद्यालय काफी पुराना बताया जा रहा है पीपलोदी गांव में शुक्रवार 25 जुलाई को सुबह करीब 8:30 बजे भारी बारिश के चलते एक दर्दनाक हादसा हो गया गांव के उच्च प्राथमिक विद्यालय की पुरानी और जर्जर बिल्डिंग की छत गिर गई जिस में 7 बच्चों की मौत हुई है,जबकि 21 का उपचार चल रहा है। पुलिस और प्रशासन के आला अधिकारी मौके पर पहुंचकर हालातों का जायजा लिया। वही पीएम नरेंद्र मोदी, कांग्रेस नेता राहुल गांधी, राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे, सांसद दुष्यंत सिंह, शिक्षा मंत्री मदन दिलावर,कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा सहित कई बड़े नेताओं ने इस घटना पर दुख व्यक्त किया,राजस्थान की पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे और शिक्षा मंत्री मदन दिलावर भी झालावाड़ पहुचे, जिला कलेक्टर अजय सिंह राठौड़,संभाग आयुक्त सहित प्रशासनिक अधिकारी भी मौके पर पहुंचे वहीं कांग्रेस पदाधिकारी और क्रांतिकारी नेता नरेश मीणा ने भी झालावाड़ चिकित्सालय के सामने धरना देकर पीड़ितों के परिजनों को एक करोड रुपए मुआवजा और दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा देने एवं शिक्षा मंत्री के इस्तीफा की मांग की और शिक्षा मंत्री और राजस्थान सरकार के खिलाफ नारेबाजी की देर शाम को राजस्थान की पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे भी झालावाड़ अस्पताल पहुंचकर घायलों की जनाकारी ली। वही रात्रि को राजस्थान के शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने भी झालावाड़ अस्पताल पहुंचकर घायलों से मुलाकात की और उनके परिजनों से बच्चों के हालात पर चर्चा की।

जिले में भारी बारिश के मद्देनज़र प्रशासन सतर्क, जर्जर भवनों के उपयोग पर तत्काल रोक

-जिला कलक्टर ने भवनों के सर्वे, वैकल्पिक व्यवस्था और त्वरित मरम्मत के दिए निर्देश

बारां (रॉयल पत्रिका)। राज्य सरकार एवं मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देशों की पालना में बारां जिला प्रशासन ने भारी बारिश के चलते संभावित दुर्घटनाओं को रोकने के उद्देश्य से व्यापक सतर्कता और सुरक्षा उपाय शुरू किए हैं।

जिला कलक्टर ने स्वयं किया जमीनी निरीक्षण:

भारी बारिश के बीच रविवार को जिला कलक्टर रोहिताश्व सिंह तोमर ने स्वयं क्षेत्र का दौरा कर वास्तविक स्थिति का जायजा लिया। इस दौरान उनके साथ मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी गेंदा लाल रैगर, एसई राजवीर सिंह चौधरी तथा सहायक जनसंपर्क अधिकारी मोहन लाल भी मौजूद रहे। निरीक्षण के दौरान कलक्टर ने बासथूनी, रानीबदौद, फ़ल्दी, भंवरगढ़ कस्बा, भंवरगढ़ डांडा एवं घट्टी सहित विभिन्न स्कूल भवनों का गहन निरीक्षण किया। उन्होंने स्कूल परिसरों के भीतर जाकर कमरों की स्थिति देखी और जिन कमरों में पानी टपक रहा था या जो जर्जर स्थिति में थे, उन्हें तत्काल प्रभाव से सील करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय भंवरगढ़ में भारी वर्षा के कारण पानी भराव की स्थिति देखी गई। जिला कलक्टर ने वहां पानी में उतरकर स्वयं स्कूल के हर कमरे का निरीक्षण किया और ग्रामीणों, शिक्षकों एवं अधिकारियों से बातचीत कर स्थिति की जानकारी ली।

जहां भवन अत्यंत जर्जर पाए गए, वहां नए भवन निर्माण के निर्देश दिए गए। साथ ही पानी की निकासी और आवश्यक मरम्मत कार्य एक सप्ताह में पूरा करने के निर्देश बीडीओ और अधीक्षण अभियंता को दिए गए।

छतों की सफाई और जलजमाव रोकने की अपील:

तोमर ने सभी विभागों को निर्देशित किया कि वे भवनों की छतों की तत्काल सफाई कराएं, ताकि जलजमाव, रिसाव और छत भराव जैसी स्थितियों से बचा जा सके।

प्रशासन सक्रिय मोड में, सर्वेक्षण और निगरानी शुरू:

जिला कलक्टर ने सभी विभागों को निर्देश दिए हैं कि वे अपने-अपने अधीनस्थ शासकीय भवनों – विशेषकर विद्यालयों, कॉलेजों, आंगनबाड़ी केंद्रों, मां-बाड़ी केंद्रों, पुलियों और अन्य सार्वजनिक उपयोग के भवनों की स्थिति का भौतिक सर्वे करें। इस सर्वे में भवनों की मजबूती, छतों की स्थिति, दीवारों की दरारें, जल निकासी व्यवस्था और रिसाव की संभावनाओं का आकलन किया जाएगा। जहां भवन पूरी तरह से अनुपयुक्त पाए जाएंगे, वहां उन्हें सील कर बंद किया जाएगा और उनकी जगह वैकल्पिक भवनों की व्यवस्था की जाएगी। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि शैक्षणिक, पोषण या अन्य सेवाएं बाधित न हों, इसके लिए वैकल्पिक भवनों की व्यवस्था की जाएगी। साथ ही जर्जर भवनों की मरम्मत निर्धारित समय सीमा में कराई जाएगी और आवश्यकता होने पर नए भवनों के निर्माण के प्रस्ताव भी भेजे जाएंगे।

विशेष निगरानी दल गठित:

जिला प्रशासन ने भवनों की स्थिति पर निगरानी के लिए विशेष सर्वे टीमों का गठन किया है, जो मौके पर जाकर रिपोर्ट तैयार कर संबंधित विभागों को सौंपेंगी।

जिला कलक्टर ने कहा कि बारां जिले में किसी भी प्रकार की जनहानि ना हो, इसके लिए प्रशासन सतर्क और संवेदनशील दृष्टिकोण के साथ कार्य कर रहा है। जिला कलक्टर ने स्कूलों में निरीक्षण से पूर्ण संबंधित प्रधानाचार्य को उपस्थित रहने के निर्देश दिए थे, बासथूनी स्कूल के विष्णु गोपाल शर्मा एवं फलदी स्कूल के जुल्फिकार अली को अनुपस्थित मिलने पर चार्टशीट जारी की गई। साथ ही भारी बारिश के अलर्ट को देखते हुए जिले प्रशासन ने आदेश जारी कर जिले के सभी सरकारी गैर सरकारी स्कूलों में नर्सरी से 12 कक्षा एवं सभी मां बाड़ी केंद्र और आंगनबाड़ी केंद्र में 28 और 29 जुलाई को अवकाश घोषित किया गया है।

"अंगदान– जीवन संजीवनी अभियान" के तहत मेडिकल कॉलेज चूरू ने पूरे भारतवर्ष में अंगदान शपथ दिलवाई

-जिलों में अपनी एक विशिष्ट पहचान स्थापित की – डॉ. एम. एम. पुकार

चूरू (रॉयल पत्रिका) । जिला मुख्यालय पर प्राचार्य डॉ. महेश मोहनलाल पुकार एवं अधीक्षक डॉ. दीपक चौधरी के नेतृत्व में एक समर्पित टीम गठित कर इस अभियान को आमजन तक पहुँचाया गया। इस प्रयास में मेडिकल कॉलेज एवं उससे संबद्ध चिकित्सालय के समस्त अधिकारी, चिकित्सक, नर्सिंग अधिकारी एवं कर्मचारीगण ने सक्रिय भागीदारी निभाई। उनके सामूहिक प्रयासों के परिणामस्वरूप चूरू जिला आज पूरे राजस्थान में प्रथम स्थान पर पहुँच गया है। देशभर के आँकड़ों पर नज़र डालें तो भारत के कुल 28 राज्य, 08 केंद्र शासित प्रदेश एवं 783 जिलों में से चूरू जिले ने 14 राज्यों, 07 केंद्र शासित प्रदेशों एवं 778 जिलों को पीछे छोड़ते हुए राष्ट्रीय स्तर पर भी अपनी सशक्त उपस्थिति दर्ज कराई है। इस अभियान को साकार रूप देने में चूरू की कई अग्रणी संस्थाओं का भी महत्वपूर्ण योगदान रहा है, जिनमें राजकीय लोहिया महाविद्यालय, विधि महाविद्यालय, कैरियर कॉलेज, राजस्थान नर्सिंग कॉलेज, एएनएम ट्रेनिंग सेंटर, प्राइवेट अस्पताल – हार्ट केयर, जीवन रेखा हॉस्पिटल, शिवम ऑर्थो, तथा समस्त मेडिकल प्रतिनिधि प्रमुख हैं। इसी क्रम में समस्त चिकित्सा शिक्षकगण, चिकित्सक, नर्सिंग अधिकारी, अन्य स्वास्थ्य कर्मी एवं कर्मचारी वर्ग की भूमिका भी अत्यंत सराहनीय रही है। प्राचार्य डॉ. पुकार ने कहा कि चूरू जिले को राज्य में शीर्ष स्थान दिलाने में प्रत्येक अधिकारी एवं कर्मचारी का योगदान अमूल्य रहा है, जिन्होंने समर्पण के साथ अंगदान अभियान को सफल बनाया। इस ऐतिहासिक उपलब्धि के लिए संस्थान सदैव सभी सहभागी संस्थाओं एवं कर्मियों का आभारी रहेगा। चूरू ने एक बार फिर साबित किया है कि सीमित संसाधनों के बावजूद अगर संकल्प मजबूत हो, तो कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं होता।

देश के 14 राज्यों एवं 778 जिलों को पछाड़कर "अंगदान अभियान" में चूरू ने बनायी अलग पहचान

-मेडिकल कॉलेज प्रिंसिपल डॉ. एमएम पुकार के नेतृत्व में टीम ने अभियान को बनाया जन-जन का अभियान

चूरू (रॉयल पत्रिका) । भारत सरकार द्वारा संचालित अंगदान जीवन संजीवनी अभियान के तहत चूरू मेडिकल कोलेज ने अंगदान शपथ दिलाने में पूरे देश में एक अलग पहचान बनायी है। मेडिकल कालेज के प्रिंसिपल डॉ. एमएम पुकार व अधीक्षक डॉ. दीपक चोधरी के नेतृत्व में एक समर्पित टीम गठित कर इस अभियान को आमजन तक पहुचाया है। इस प्रयास में मेडिकल कॉलेज एवं उससे संबद्ध अस्पताल के समस्त अधिकारी, चिकित्सक, नर्सिंग अधिकारी एवं कर्मचारीगण ने सक्रिय भूमिका निभायी है। सभी के सामूहिक प्रयासों के परिणामस्वरूप चूरू जिला आज पूरे राजस्थान में प्रथम स्थान पर पहुंचने से कुछ ही कदम दूर है। देशभर के आंकड़ों पर नजर डालें तो भारत के कुल 28 राज्य, 08 केंद्र शासित प्रदेश एवं 783 जिलों में से चूरू जिले ने 14 राज्यों, 07 केंद्र शासित प्रदेशों एवं 778 जिलों को पीछे छोड़ते हुए राष्ट्रीय स्तर पर भी अपनी सशक्त उपस्थिति दर्ज कराई है। इस अभियान को साकार रूप देने में चूरू की कई अग्रणी संस्थाओं का भी महत्वपूर्ण योगदान रहा है। जिनमें राजकीय लोहिया महाविद्यालय, विधि महाविद्यालय, कैरियर कॉलेज, राजस्थान नर्सिंग कॉलेज, एएनएम ट्रेनिंग सेंटर, प्राइवेट अस्पताल हार्ट केयर, शिवम ऑर्थो, जीवन रेखा अस्पताल तथा समस्त मेडिकल प्रतिनिधि प्रमुख हैं। इसी क्रम में समस्त चिकित्सा शिक्षकगण, चिकित्सक, नर्सिंग अधिकारी, अन्य स्वास्थ्यकर्मी एवं कर्मचारी वर्ग की भूमिका भी अत्यंत सराहनीय रही है। मेडिकल कॉलेज प्रिंसिपल डॉ. एमएम पुकार ने बताया कि चूरू जिले को राज्य में शीर्ष स्थान दिलाने में प्रत्येक अधिकारी एवं कर्मचारी का योगदान अमूल्य रहा है। जिन्होंने समर्पण के साथ अंगदान अभियान को सफल बनाया।

हज यात्रा 2026 के फार्म भरने का शिविर कपासन में संपन्न,21 हाजियों ने आवेदन किए

कपासन, (रॉयल पत्रिका)। भारत सरकार द्वारा आयोजित हज यात्रा 2026 के हज फार्म 7 जुलाई से 31 जुलाई तक ऑनलाइन आवेदन किए जा रहे है, इसी क्रम में सोमवार को दीवाना शाह माध्यमिक विद्यालय कपासन में 1 दिवसीय हज फार्म भरने का शिविर लगाया गया। जिसमें 21 हज यात्रा के यात्रियों ने आवेदन किया। जिसमें 10 पुरुष व 11 महिला शामिल है। दरगाह दीवान शाह कपासन के नायब सदर मोहम्मद यासीन खान,सेकेट्री मोहम्मद अब्बास मंसूरी ने भी हज यात्रा 2026 में आवेदन किया। इनके साथ ही शकूर खां सिंधियो का खेड़ा, रिटायर्ड पुलिस कर्मी मुंशी मुहम्मद जी ने भी आवेदन किया। जिला हज खिदमत कमेटी चित्तोड़गढ़ एवम हज खिदमत कमेटी कपासन,हज खिदमत कमेटी निंबाहेड़ा के संयुक्त तत्वाधान में शिविर आयोजित किया गया। हज खिदमत कमेटी कपासन के सय्यद अख्तर अली, याकूब खान पठान, इस्राफील मंसूरी, सय्यद शरीफ अली, यूनुस अंसारी, अकरम मंसूरी, हज खिदमत कमेटी निंबाहेड़ा के सदर मतलूब अजमेरी, सचिव हाजी अख्तर पटेल, अनीस अहमद शेख, इमरान खान, जमील खान भाया बैट्री ने शिविर में शिरकत की और फार्म भरने वाले हाजियों का हज फार्म की कॉपी दी और उनको बधाई दी। हज खिदमत कमेटी कपासन के सय्यद अख्तर अली ने बताया कि इस वर्ष चित्तौड़गढ़ जिले से अभी तक 96 हज फार्म भरे जा चुके है। जिसमें कपासन से 23, चित्तौड़गढ़ 20,निंबाहेड़ा से 15, सावा से 4, बेगू से 10, बांसी से 2, बाड़ी से 2, भदेसर से 2, रावतभाटा से 2, बस्सी से 16 आवेदन भरे जा चुके है। जो पिछले वर्ष की तुलना में अधिक है। पिछले वर्ष जिले से 48 हज यात्री गए थे।

कारगिल विजय दिवस वीर सैनिकों की अदम्य साहस, बलिदान और देशभक्ति की याद दिलाता है

-पूर्व सैनिक संगठन ने मनाया कारगिल विजय दिवस

मोहम्मद यासीन

सोजत, (रॉयल पत्रिका)। कारगिल विजय दिवस वीर सैनिकों की अदम्य साहस, बलिदान और देशभक्ति की याद दिलाता है। यह उद्गार पूर्व सैनिक संगठन के सचिव हवलदार अशोक सेन ने रामेलाव तलाब स्थित सेन बगेची में कारगिल विजय दिवस पर आयोजित समारोह में व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि 1999 में कारगिल युद्ध के दौरान भारतीय सेना ने दुश्मनों को पराजित कर तिरंगे को फिर से ऊंचाइयों पर लहराया था। कार्यक्रम की अध्यक्षता करें संस्था अध्यक्ष पाबू सिंह जैतावत ने कहा कि कारगिल विजय दिवस यह एक ऐसा दिन है जो हर भारतीय के दिल में गर्व भर देता है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व खेल अधिकारी सत्तू सिंह भाटी ने कहा कि कारगिल विजय दिवस वीर सैनिकों के बलिदान, साहस और देशभक्ति की मिसाल है। कारगिल युद्ध में हमारे जवानों ने

असंभव को संभव कर दिखाया। भारत माता के सभी वीर जवानों के शौर्य व पराक्रम को देश सदैव याद रखेगा। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि सोजत सकल जैन संघ अध्यक्ष महेंद्र मेहता ने कहा कि कारगिल विजय दिवस हमें याद दिलाता है कि देश की रक्षा केवल सेना की जिम्मेदारी नहीं ये हम सबकी भी जिम्मेदारी है। विशिष्ट अतिथि भामाशाह जवरी लाल बोराणा ने शहीदों को श्रद्धांजलि देते हुए उन्हें भारत का गौरव बताया। कवि कथाकार डॉक्टर रशीद गोरी ने अपनी वीररस की कविताओं के माध्यम से शहीदों को याद किया। कार्यक्रम का सरस संचालन वरिष्ठ साहित्यकार अब्दुल समद राही ने अपने चिर-परिचित जोशिले अंदाज में किया। इस अवसर पर सार्जेंट नाथू सिंह भाटी, भंवर सिंह, जोग सिंह, रामचंद्र गहलोत, गणपत सिंह, सार्जेंट भूंडाराम, हवलदार कालू सिंह, लक्ष्मीनारायण सेन, दिनेश सोलंकी, अनवर पठान, ठेकेदार रिजवान खताई, ठेकेदार असलम कुरैशी आदि कई पूर्व सैनिक और गणमान्य जन उपस्थित थे।

सांचौर सीसी सड़क निर्माण में घटिया सामग्री पर भड़के व्यापारी, जताया विरोध

सांचौर, (रॉयल पत्रिका)। शहर के चार रास्ता से गोमाता सर्कल तक 61.18 लाख रूपये की लागत से बनाई जा रही सीसी सड़क के निर्माण में लापरवाही और अनियमितताएं सामने आई है। निर्माण कार्य के दौरान विभाग का कोई तकनीकी अधिकारी मौके पर मौजूद नही रहता, जिससे कार्य पुरी तरह कंस्ट्रक्शन कम्पनी के भरोसे चल रहा है। वहीं कार्य की मॉनिटरिंग की जिम्मेदारी संभालने वाले सहायक अभियन्ता मिश्री मल मीणा छुट्टी का बहाना बनाकर लगातार अनुपस्थित है। जब उनका पक्ष जानने की कोशिश की गई तो उन्होने न तो फोन उठाया और ना ही कोई जवाब दिया। सड़क निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर सवाल उठाते हुए स्थानीय व्यापारियों ने कार्य को रूकवाया और मौके पर पीडब्ल्यूडी के अधिशासी अभियन्ता प्रदीप

पंवार को बुलाया गया। मौके पर पहुंचे एक्सईएन ने निर्माण स्थल का निरीक्षण किया, जहां घटिया सामग्री उपयोग को लेकर लोगों ने शिकायत की। व्यापारियों की आपति और तकनीकी जॉच के बाद अधिशासी अभियन्ता ने बिछाई गई सामग्री को फावडे और जेसीबी से हटवाया और ट्रेक्टरों में भरकर उसे वापस भिजवाया गया। उन्होंने मौके पर उपस्थित कर्मचारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि कार्य पूर्ण तकनीकी मापदण्डो के अनुरूप ही किया जाए, अन्यथा संबंधित ठेकेदार और जिम्मेदार अधिकारियों पर सख्त कार्रवाई होगी। स्थानीय नागरिकों ने विभागीय कार्रवाई का समर्थन करते हुए मांग की है कि भविष्य में कार्य की निगरानी नियमित रूप से की जाए, ताकि सार्वजनिक धन का दुरूपयोग रोका जा सके और गुणवतापूर्वक सड़क का निर्माण हो सके।

मदरसा दारूल उलुम फैजे सरवरी पीर की जाल में पौधरोपण

सांचौर, (रॉयल पत्रिका)। उपखण्ड मुख्यालय से मात्र 7 किमी दूरी पर स्थित अल मशहूर दरगाह हजरत मख्दुम पीर डाडा अब्बनशाह रे.अ. के आस्ताने पर दारूल उलुम फैजे सरवरी उच्च प्राथमिक विद्यालय पीर की जाल में कारगिल विजय दिवस पर एक पेड़ मां के नाम हरयालों राजस्थान के तहत कार्यक्रम आयोजित कर रविवार को मदरसा में छायादार, फलदार, औषधीय एवं अनेक प्रजातियों के पौधों का रोपण किया गया। प्रधानाध्यापक हुसैन खॉ मैत्रीवाड़ा ने कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रमों से न केवल हरियाली बढ़ेगी, बल्कि आने वाली पीढ़ियों को भी स्वच्छ पर्यावरण व वातावरण का माहौल मिलेगा। मदरसा कार्यलय मोहम्मद अब्बास ने बताया कि विद्यार्थियों की ओर से पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए पौधरोपण

किया गया। राजस्थान सरकार द्वारा ज्यादा से ज्यादा वृक्षरोपण का लक्ष्य रखा गया। इस अवसर पर मौलाना कारी अब्दुल शकूर सिद्दीकी, मौलाना अब्दुल सतार, कारी मुबारक सरवरी, अध्यापक रूस्तम खॉ, अध्यापक रमेश खॉ समस्त स्टाफ व विद्यार्थिय मौजूद रहे।

मौलाना आज़ाद यूनिवर्सिटी क्रिकेट कप प्रतियोगिता शुरू

-पीजी इलेवन, स्टार लोहड़ी, स्टार क्लब व रोहिला क्लब विजयी

जोधपुर, (रॉयल पत्रिका)। मौलाना आज़ाद यूनिवर्सिटी के तत्वावधान में 25 जुलाई से 31 जुलाई तक सात दिवसीय 'मौलाना आज़ाद यूनिवर्सिटी क्रिकेट कप प्रतियोगिता' की विधिवत् शुरूआत चौखा स्थित कारवां क्रिकेट एकेडमी में यूनिवर्सिटी चेयरपर्सन मोहम्मद अतीक ने एक शॉट खेलकर की। मोहम्मद अतीक ने खेल को खेल की भावना, आपसी भाईचारे व खेल नियमों के साथ खेलने की बात कहीं। आर्गनाइजर कमेटी अध्यक्ष एजाज राज सैयद ने बताया कि इस टॉर्नामेंट में कुल 16 टीमों के 15 मैच होंगे। जिसमें शुक्रवार 25 जुलाई को निर्धारित ओवरों में खेले गये 4 मैचों में पीजी इलेवन ने बासनी सिलावट को, स्टार लोहड़ी ने स्टार क्लब फॉर्मेसी को, स्टार क्लब ने मसूरिया वारियर्स को व रोहिला क्लब ने नायरा इलेवन को पराजित

किया। आर्गनाइजर कमेटी सचिव शान मेहर ने बताया कि रोमांचक मैचों में शानदार प्रदर्शन करते हुए पीजी इलेवन के प्रदीप गहलोत, स्टार लोहड़ी के लक्की चारण, स्टार क्लब के एन.एस. राठौड व रोहिला क्लब के श्रवण पटेल मैन ऑफ द मैच रहे। प्रतियोगिता में अगले चरण के मैच शनिवार को खेले जायेंगे। आर्गनाइजर कमेटी के कोषाध्यक्ष फरदीन खान पन्नू ने कहा कि उद्घाटन समारोह में सदस्य इमरान खान पीपाड़, फारूक खान, अब्दुल रेहान, जाकिर खान, फैजान खान, कासिफ, मंजूर खान, याकूब खान सहित चौखा क्षेत्र के आस-पास के गांवों के कई खेल प्रेमी, शहर के विभिन्न समुदायों के क्रिकेट खिलाडी, प्रबुद्धजन, शिक्षाविद्, समाजसेवी एवं यूनिवर्सिटी के कई स्टूडेन्ट मौजूद रहे। एम्पायर याकूब खान, थर्ड एम्पायर मंजूर खान रहे। संचाल जाकिर गंगाणा, समीर गंगाणा व हबीब खान ने किया।

शहर के बरसाती पानी के बहाव क्षेत्र से हटेगा सरकारी अतिक्रमण

पाली, (रॉयल पत्रिका)। शहर के कई कॉलोनियों में जल भराव की स्थिति न बने इसके लिए रामदेव रोड नाडी में बने जी एस एस,सुलभ शौचालय और रामदेव रोड पुलिस चौकी को हटाया जाएगा। यह बात सर्किट हाउस में प्रेस कांफ्रेंस में स्वायत्त शासन मंत्री झाबरसिंह खर्रा ने कही, उन्होंने कहा कि इसको लेकर प्रोसेस शुरू कर दिया गया है। इसके बाद बहाव क्षेत्र में बने निजी अतिक्रमण भी हटाए जाएंगे। मंत्री ने कहा कि पाली में एक हजार लोगों के बैठने की क्षमता का एक नया आडिटोरियम हाल बनाया जाएगा, इसके लिए प्रस्ताव दिया

जा चुका है और सात करोड़ रुपए का बजट स्वीकृत किया गया है। जिसमें पार्किंग की भी पूरी व्यवस्था होगी। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि शहर के पुराना बस स्टैंड के पास बना पशु चिकित्सालय को भी शहर के बाहर शिफ्ट किया जाएगा और इस जमीन का व्यवसायिक उपयोग किया जाएगा जिससे नगर निगम की आय में वृद्धि होगी।

हजरत दीवाना शाह के उर्स की तैयारियों के लिए उपखण्ड अधिकारी की अध्यक्षता में हुई बैठक

कपासन, (रॉयल पत्रिका)। प्रख्यात सूफी संत हज़रत दीवाना शाह साहब र.अ. के 84वें तीन दिवसीय उर्स के सुचारू आयोजन एवं समस्त व्यवस्थाओ के सम्बन्ध मे उपखण्ड अधिकारी की अध्यक्षता मे हुई बैठक। दरगाह वक्फ कमेटी के सैक्रेट्री मोहम्मद अब्बास अशरफी के अनुसार 01 अगस्त से 03 अगस्त (6 सफर से 8 सफर तक) तीन दिवसीय उर्स की व्यवस्थाओ के सम्बन्ध मे उपखण्ड अधिकारी राजेश सुवालका की अध्यक्षता मे उपखण्ड कार्यालय मे शुक्रवार सांयकाल 04:00 बजे सभी विभाग के अधिकारीगण एवं वक्फ कमेटी सदस्यो की संयुक्त बैठक मे निम्नलिखित निर्णय लिये गए। उर्स अवधि नगरपालिका द्वारा दरगाह के आगे-पीछे व गांव मे जगह-जगह सी.सी. टीवी केमरे लगवाए एवं प्रतिदिन दरगाह के बाहर जायरीन के पीने हेतु टेंकर व्यवस्था, दरगाह के आगे-पीछे सड़क पर सभी खड्डे भरना, रोड व नालियो की प्रतिदिन सफाई, रोड लाईट, हाईवे चौराहा से स्टेशन तक आवारा पशु विचरण ना करे, ए.सी.जे.एम. के निवास स्थान से हाईवे चौराहा तक दोनो ओर के ठेलो को हटाना एवं फायर बिग्रेड 24 घण्टे उपलब्ध कराना। बिजली विभाग द्वारा उर्स मे बिजली व्यवस्था सुचारू रहे व लाईन मेन की ड्यूटी लगाई जाये जो वक्फ कमेटी के सम्पर्क मे रहे। जलदाय विभाग प्रतिवर्ष की भांति दरगाह कमेटी कहे वहां पर अस्थाई नल कनेक्शन लगाया जाये। चिकित्या विभाग द्वारा एक चिकित्सक, नर्स मेल व फिमेल दरगाह परिसर के

बाहर के कमरो मे लगाया जाये एवं 24 घण्टे एम्बूलेन्स मय वाहन चालक उपलब्ध रहे। लोक निर्माण विभाग आर.एस.आ.डी.सी. द्वारा चित्तौडगढ़ से कपासन मार्ग पर सडक मरम्मत कराना, स्पीड ब्रेकर बनाना, संकेतक एवं बस स्टेण्ड से रेल्वे स्टेशन तक स्पीड ब्रोकर पर सफेद वार्निश कराये पुलिस विभाग द्वारा रेल्वे स्टेशन की तरफ रोकथाम हेतु बेरीकेटिंग करवा बाईपास से वाहन गुजारने, हाईवे से कोर्ट तक वन वे वाहन गुजारने, भारी व हल्के वाहन की पृथक-पृथक पार्किंग व्यवस्था हर साल की भाँति करे। रोडवेज विभाग अतिरिक्त बसे लगाये। दरगाह कमेटी बुलन्द दरवाजा पर मेडल डिक्टेटर, सी.सी. टी.वी. केमरे लगाए, विडियो ग्राफी, 50 स्वयं सेवक, बेरिकेटिंग, बिजली हेतु प्रयाप्त जनरेटर लगाए, पुलिस चौकी, डिस्पेन्सरी हेतु निःशुल्क व जहां-जहां पर बेरिकेंटिग बोर्ड, मायक व्यवस्था, बेनर, स्टीकर आदि उपलब्ध करायेगी। तहसीलदार उर्स के दौरान भू अभिलेख निरीक्षक, पटवारी व अन्य की ड्यूटी लगाये व स्थिति पर नजर रखे, कमेटी के अनुरोध पर आवश्यक पास जारी करे, पेयजल, प्रकाश व्यवस्था, पार्किंग, भीड नियंत्रण पर विशेष ध्यान रखे। एवं थानाधिकारी के साथ विशेष व्यवस्थाओं का जायजा लेवें। पुलिस व्यवस्था माकूल रखी जावे व गए साल से ज्यादा पुलिस जाब्ता तैनात किया जावें। बैठक मे डी.वाई.एस.पी. हरजी लाल यादव, तहसीलदार नासीर बेग मिर्जा, नगरपालिका ई.ओ. ललीत सिंह देथा, अजमेर विधुत वितरण निगम के ए.ई.एन. मुनीष कावन्ट, डॉ. नरोत्तम पाल सिंह, पी.एच.ई.डी. सहायक अभियन्ता फूल सिंह मीणा, जे.ई.एन. पी.डब्यू.डी. हितेश मोर्या, सी.डी.पी.ओ. उमा शर्मा, शिक्षा विभाग से आर.पी. महेन्द्र कुमार चाष्टा, दरगाह वक्फ कमेटी के सैक्रेट्री मोहम्मद अब्बास अशरफी, नायब सदर मोहम्मद यासीन खाँ अशरफी, हाजी मुबारिक हुसैन शैख, खजांची अब्दुल वहीद अंसारी, सदस्य अशफाक तुर्किया, सैयद अख्तर अली, हाजी अर्ब्दुरहमान मंसूरी, सैयद ऐजाज अली नगरपालिका उपाध्यक्ष, हाजी जेनुद्दीन, हाजी शराफत हुसैन भाटी, जाकीर हुसैन अंसारी नगरपालिका पूर्व उपाध्यक्ष ने बैठक मे भाग लिया।

हरियाली तीज के अवसर पर विधायक भाटी ने किया पौधा रोपण

पाली, (रॉयल पत्रिका)। हरियाली तीज के अवसर पर पाली विधायक भीमराज भाटी द्वारा आज घुमटी (वन विभाग) में पौधा रोपण किया। इस दौरान विधायक भाटी ने कहा कि पौधारोपण करना हम सब का कर्तव्य है भारतीय संस्कृति में एक वृक्ष को100 पुत्रों के समान माना गया है पौधारोपण कर हम हमारे आने वाली पीढ़ियों को स्वस्थ और सुंदर वातावरण देंगे जो उनके खुशहाल जीवन के लिए हमारा दिया हुआ गया अनुपम उपहार होगा। साथ ही विधायक भीमराज जी भाटी ने सभी से अपील करते हुए कहा कि वर्षा ऋतु के इस मौसम में अधिक से अधिक पौधारोपण कर धरती माता का श्रृंगार करें, और पौधों के बड़े होने तक उनकी देखभाल की जवाबदारी भी निभाए।

छात्र-छात्राएं हमेशा अपना लक्ष्य निर्धारित करें- जिला कलेक्टर अभिषेक सुराणा

-इंटेलेक्चुअल मुस्लिम सोसाइटी का पहला प्रतिभा सम्मान समारोह सफलतापूर्वक संपन्न

मोहम्मद अली पठान

चूरू (रॉयल पत्रिका) । जिला मुख्यालय पर अल्पसंख्यक समाज की 115 प्रतिभाओं का हुआ सम्मान जयपुर रोड स्थित जामिया अरबिया मदरसा दारुल उलूम, चूरू में इंटेलेक्चुअल मुस्लिम सोसायटी चूरू का पहला प्रतिभा सम्मान समारोह संपन्न हुआ कार्यक्रम का आगाज़ तिलावते कुरआन के साथ हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला कलेक्टर अभिषेक सुराणा ने प्रतिभाओं को सम्मानित करते हुए कहा कि हमेशा अपना लक्ष्य बड़ा निर्धारित कर आगे बढे, बड़े सपने देखे, असफलता से ली गयी सीख ही एक दिन सफलता की दहलीज पर पहुंचाती है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए पूर्व आईपीएस व आरपीएससी के पूर्व अध्यक्ष हबीब खान गोरान ने कहा कि अपनी कमियों को दूर करते हुए आत्म-विश्वास के साथ आगे बढ़ने पर सफलता जरूर मिलती है। आपने कहा कि सफलता का कोई शॉर्ट कट नहीं है, सफलता केवल मेहनत से प्राप्त होती है । लक्ष्य को बच्चे खुद तय करें माता-पिता ना थोपें, पर ग्रेजुएशन शिक्षा की शुरुआत है सोच को सकारात्मक रखना है और लक्ष्य प्राप्ति की तड़प होनी चाहिए। सपने बड़े देखो, सपने वो होते हैं जो सोने ही ना दें । राजकीय सिस्टम में

घुसिये, सिस्टम का हिस्सा बनिए। चूरू सीओ सिटी डीएसपी सुनील झाझडिया, असि. प्रोफेसर रहमत बानो आदि भी बतौर विशिष्ट अतिथि मंच पर मौजूद थे। हाजी याकूब थीम, रिटायर्ड एडिशनल कमिश्नर जीएसटी व सोसाइटी के अध्यक्ष शौकत खान, रिटायर्ड एडिशनल एसपी अयूब खान, डॉ. एफ. एच. गौरी सीनियर फिजिशियन, आबकारी विभाग के रिटा. डिप्टी कमिश्नर नूर मोहम्मद खान, यूनानी चिकित्सक संघ के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. कादिर हुसैन, शिक्षाविद हाजी अब्दुल सत्तार अंसारी, आरिफ खान प्रिंसिपल, अमन ट्रस्ट के अध्यक्ष उस्मान अंसारी, डॉ. मुस्तकीम शेख, लॉयन आबिद खान आदि ने अतिथियों का माल्यार्पण कर स्वागत किया । अतिथियों ने रिटायर्ड शिक्षाविद हाजी नियाजुलहक़ गोरी को शॉल, साफा, माला, मोमेंटो और प्रशस्ति पत्र देकर प्राइड ऑफ चूरू के खिताब से नवाजा। प्रतिभाओं में 95 प्रतिशत से अधिक अंक हासिल करने वाली टॉप रही 10वीं व 12वीं की तीन प्रतिभाओं कोहिनूर के कौम के खिताब से नवाज़ा गया।

रिटायर्ड एडिशनल एसपी अयूब खान ने बहतरीन अंदाज़ में नात शरीफ का गुलदस्ता पेश किया इस अवसर पर डॉ. अहसान गोरी, वाहिद खान रिटायर्ड डीएसपी, भवरु खान रि. डी ओ, वसीम भाटी, आरिफ खान, हाजी हिदायत खान, खादिम हुसैन, आसिफ खान एईएन, रियाज खान एईएन, हैदर अली भुवान, आबिद खान, रमज़ान खान नवांकुर, रसीद खान मोयल, मोहम्मद सदीक वरिष्ठ अध्यापक, अनीश खान, करामत खान, सैयद आरिफ कमाल, अयूब खां गोड, हबीब खान, मैनुद्दीन खान, हबीब नीलगर, इत्यादि मौजूद रहे। संस्था के महासचिव डॉ. एफ. एच. गोरी ने सभी का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का सफल संचालन असि. प्रोफेसर डॉ. शमशाद अली व प्रधानाचार्य आरिफ खान एलमान ने किया।

मामाजी का थान राजकीय विद्यालय में "एक पेड़ माँ के नाम" सघन पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित

जोधपुर (रॉयल पत्रिका)। भाण्डूकलां मामाजी का थान स्थित राजकीय प्राथमिक विद्यालय में "एक पेड़ माँ के नाम" सघन पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय के प्रधानाध्यापक शौकत अली लोहिया ने की, जबकि मुख्य अतिथि ग्राम सेवा सहकारी समिति नारनाडी भाण्डूकलां के अध्यक्ष भीमाराम पटेल रहे। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में गोपाल सिंह राजपुरोहित, विरदाराम पटेल, व्याख्याता दिनेश शर्मा, वार्ड पंच रमेश पटेल तथा विद्यालय एसएमसी परिवार के सदस्य उपस्थित रहे। प्रधानाध्यापक शौकत अली लोहिया, लोहिया ने पौधारोपण के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि बढ़ते प्रदूषण और बदलते भौगोलिक परिवेश के चलते गर्मी का स्तर अत्यधिक बढ़ रहा है और धरती बंजर होती जा रही है। इस संकट से निपटने के लिए प्रत्येक नागरिक को पौधा लगाकर उसकी देखभाल करनी चाहिए, जिससे आने वाले समय में पर्यावरण की रक्षा हो सके और

जीवन सुखमय बने। लोहिया ने कहा कि अभिभावकों का सीधा जुड़ाव ही विद्यालय की सफलता का मुख्य द्योतक है। कार्यक्रम का सफल संचालन शिक्षक गोपाल सिंह राजपुरोहित ने किया, जिन्होंने यह भी बताया कि पूरे ग्रामवासियों, विद्यालय स्टाफ और अभिभावकों का इस आयोजन में उत्साहपूर्वक सहयोग रहा। कार्यक्रम में सहयोग देने वालों में आसुराम, शंकरराम, सुखाराम, चौनाराम, श्रवण पटेल, पेमाराम, प्रेम पटेल, शांति देवी, गुड्डी, मोनिका, सरिता, करीना, खुशबू व अन्य ग्रामीणजन शामिल रहे। अतिथियों ने विद्यालय की इस पहल की सराहना करते हुए विद्यालय और अभिभावकों के आपसी जुड़ाव को इसकी सफलता का मूल कारण बताया। कार्यक्रम के अंत में अतिथियों का आभार प्रधानाध्यापक शौकत अली लोहिया ने व्यक्त किया।

कुरान हिफ़्ज़ करने वाले बच्चों का भव्य सम्मान समारोह

भीलवाड़ा (रॉयल पत्रिका)। भीलवाड़ा शहर की नूरुन नबी मस्जिद में 26 जुलाई शनिवार को, नमाज़-ए-ईशा के बाद एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य उन प्रतिभाशाली लड़के-लड़कियों को सम्मानित करना था जिन्होंने कुरान हिफ़्ज़ (कंठस्थ) किया है। इस अवसर पर दस्तारबंदी की रस्म अदा की गई, जिसमें भीलवाड़ा के शहर काज़ी मुफ्ती अशरफ जिलानी साहब ने बच्चों को पगड़ी पहनाकर सम्मानित किया। भीलवाड़ा जिले के सबके अपने हाफिज़ुर रहमान साहब और रामपुर से आए विशेष मुख्य अतिथि सैयद मुकीम उर रहमान साहब भी इस कार्यक्रम में उपस्थित थे। भीलवाड़ा की तमाम मस्जिदों के इमाम साहब भी तशरीफ लेकर आए। कार्यक्रम का संचालन नूरुन नबी मस्जिद के इमाम रफीक साहब ने किया।

यह प्रेरणादायक कार्यक्रम अंजुमन सेवा समिति जिसके सदर मुबारक हुसैन पठान साहब और सेक्रेटरी नूर हिलाई पठान साहब है व अंजुमन मदरसा कमेटी द्वारा आयोजित किया गया था, जिसके सदर गुलाम मोहम्मद बागवान और सेक्रेटरी रफीक बेग साहब हैं। अंजुमन मदरसा कमेटी ने कुरान हिफ़्ज़ करने वाले प्रत्येक बच्चे को 1100 रूपये का नकद इनाम प्रदान किया, जबकि सद्भाव सेवा समिति की तरफ से उन्हें ट्रॉफियां भेंट की गईं।

इस कार्यक्रम का मुख्य लक्ष्य बच्चों को शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ाना और उन्हें इस्लामी तथा विद्यालयी शिक्षा दोनों का साथ-साथ ज्ञान प्राप्त करने के लिए प्रेरित करना था। यह आयोजन बच्चों में धार्मिक शिक्षा के प्रति उत्साह बढ़ाने और उन्हें उज्जवल भविष्य के लिए तैयार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम था।

हरियाली है तो पर्यावरण सुरक्षित है- डॉ. मुमताज अली

चूरू (रॉयल पत्रिका) । जिला मुख्यालय पर औद्योगिक क्षेत्र में "हरियालो राजस्थान" अभियान के तहत एच एन हॉस्पिटल की तरफ से डॉ. जाकिर हुसैन शिक्षण संस्थान व आदर्श नर्सिंग इंस्टिट्यूट में 500 पौधे लगाए गए। समाज कल्याण विभाग के उपनिदेशक नगेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि हर व्यक्ति को अपने क्षेत्र में पौधा लगाना चाहिए। जिससे आगे जाकर ये पौधा ही आपको छाया देगा। डॉ. मुमताज अली ने कहा कि पौधा लगने से वनों का सरंक्षण होता है। पौधा लगाने से पर्यावरण को दूषित होने से बचाया जा सकता है। समाज सेवी अनिल राहड, गनी खां, हाजी फजले हक़ चौहान, रशीद खान मोयल, सलामू दीन खां, हाजी अहमद हुसैन व समस्त स्टाफ की उपस्थिति में बच्चों को पौधे भी

वितरित किए गए और उन पौधों को अपने छोटे भाई की तरह रख-रखाव करने की शपथ भी दिलाई गई

डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम पूर्व राष्ट्रपति मिसाइल मैन को खिराजे अकीदत पेश की गई

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय आथूना मोहल्ला में रविवार 27 जुलाई को सर्वसमाज ने पूर्व राष्ट्रपति भारत रत्न डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम की पुण्य तिथि पर याद किया। चूरू जिला कांग्रेस उपाध्यक्ष जमील चौहान ने कहा कि आधुनिक भारत के शिल्पकार, वैज्ञानिक और एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में देश को महत्वपूर्ण शक्ति बनाने में उनका अतुलनीय योगदान सदैव याद किया जाएगा। राष्ट्र निर्माण हेतु समर्पित आपका संपूर्ण जीवन और विचार युगों-युगों तक करोड़ों युवाओं के लिए प्रेरणा का प्रकाश स्तंभ बने रहेंगे। इस अवसर पर भंवरलाल सैन, आरिफ़ पीथींसर, मनोज शर्मा, नासिर अली, अली हसन, बजरंग मेघालय, मनोज सैनी, मनफूल अली, दिलीप सिंधी, शरीफ़ खान आदि ने उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर याद किया।

आवश्यकता

जयपुर से प्रकाशित होने वाले अख़बार "रॉयल पत्रिका" को सीकर, झुंझुनूं के लिए रिपोर्टर की आवश्यकता है। वेतन योग्यतानुसार। संपर्क करें - 8058969180/992844315

हरिद्वार के मनसा देवी मंदिर में भगदड़, राष्ट्रपति मुर्मु और पीएम मोदी ने जताया दुख

नई दिल्ली। हरिद्वार के मनसा देवी मंदिर में रविवार को मची भगदड़ में कुछ श्रद्धालुओं की मौत हो गई, जबकि कई अन्य गंभीर रूप से घायल हैं। पुलिस और मेडिकल टीमें मौके पर राहत व बचाव कार्य में जुटी हैं। इस हादसे पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने दुख व्यक्त किया है। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने पीएम मोदी के हवाले से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, "उत्तराखंड के हरिद्वार में मनसा देवी मंदिर मार्ग पर हुई भगदड़ में हुई जान-माल की हानि से अत्यंत दुखी हूं। जिन लोगों ने अपने प्रियजनों को खोया है, उनके प्रति संवेदना। ईश्वर

करे कि घायल शीघ्र स्वस्थ हों। स्थानीय प्रशासन प्रभावित लोगों की सहायता कर रहा है।" राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने भी हादसे पर दुख जताते हुए एक्स पर लिखा, "हरिद्वार के मनसा देवी मंदिर के मार्ग में भगदड़ की दुर्घटना में अनेक श्रद्धालुओं की मृत्यु का समाचार बहुत पीड़ादायक है। मैं सभी शोक संतप्त परिवारजनों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करती हूं। मैं प्रार्थना करती हूं कि घायल हुए सभी श्रद्धालु शीघ्र स्वस्थ हों।" इससे पहले, प्रदेश के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने हादसे पर दुख जताते हुए एक्स पर लिखा, "हरिद्वार के मनसा देवी मंदिर मार्ग पर हुए हृदय विदारक हादसे में 6 लोगों की मृत्यु का समाचार अत्यंत दुःखद है। ईश्वर से प्रार्थना है कि दिवंगतों की आत्मा को श्रीचरणों में स्थान एवं शोकाकुल परिजनों को यह असीम दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करें।" उन्होंने आगे लिखा, "प्रदेश सरकार द्वारा मृतकों के परिजनों को 2-2 लाख रुपए एवं घायलों को 50-50 हजार रुपए की सहायता राशि प्रदान की जाएगी। साथ ही घटना के मजिस्ट्रियल जांच के निर्देश भी दिए हैं।" जानकारी के अनुसार, भारी भीड़ के कारण हरिद्वार के मनसा देवी मंदिर में भगदड़ हुई है। बताया जा रहा है कि भारी भीड़ के बीच मंदिर परिसर में रविवार को अफरा-तफरी मची। धक्का-मुक्की होने के बाद वे एक-दूसरे पर गिरने लगे। इससे वहां भगदड़ जैसी स्थिति पैदा हो गई। हरिद्वार एसएसपी प्रमेंद्र सिंह डोभाल ने भगदड़ की घटना में 6 लोगों की मौत की पुष्टि की है।

"ख्वाजा गरीब नवाज़ की दरगाह की हालत पर– अब खामोशी मुनासिब नहीं"

जयपुर। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश सचिव डॉ. मोहम्मद शोएब ने बताया की अजमेर शरीफ की दरगाह हज़रत ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती रहमतुल्लाह अलैह का वो मुक़द्दस मक़ाम है, जहाँ लाखों लोग हर साल अकीदत और मोहब्बत के साथ हाज़िरी देने आते हैं। यह दरगाह हमारी गंगा-जमुनी तहज़ीब और इंसानियत की मिसाल है। मगर आज इस रूहानी मरकज़ की हालत इतनी खराब हो चुकी है कि अब वहां हादसे होने का भी ख़तरा मंडरा रहा है। कुछ वक़्त पहले छज्जा गिर चुका है, अब प्लास्टर जगह-जगह से गिर रहा है, जिससे ज़ायरीन की जान को खतरा बना हुआ है। इसके बावजूद अब तक कोई बड़ा क़दम नहीं उठाया गया है।

दरगाह से जुड़े ख़ादिम बार-बार प्रशासन को चिट्ठियाँ लिख रहे हैं, लेकिन कोई असर नहीं हो रहा। तमाम तरह की व्यवस्थागत लापरवाही साफ़ झलक रही है, जो इस मुक़द्दस जगह की शान के बिल्कुल ख़िलाफ़ है। ये सब कुछ उस जगह हो रहा है जहाँ लोग अमन, बरकत और रहमत की तलाश में आते हैं। हमारे साथी विधायक रफीक़ खान ने इस पर प्रधानमंत्री को खत लिखकर तवज्जोह दिलाने की कोशिश की है। ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने भी इस हालत पर गहरी फिक्र जताई है।

मैं सरकार से मांग करता हूं कि इस पवित्र जगह के लिए खास बजट और स्कीम का ऐलान हो, तामीर व तरक़्क़ी के काम फौरन शुरू हों और वक्फ संपत्तियों की देखरेख में पारदर्शिता लाई जाए। ये सिर्फ एक दरगाह नहीं, बल्कि हमारी मिल्ली और तहज़ीबी विरासत है।

एक ऐसा मुक़ाम जहाँ हर मज़हब, हर तबक़े के लोग अदब से सिर झुकाते हैं। इसलिए इसकी हिफाज़त और तरक़्क़ी के लिए आवाज़ उठाना सिर्फ मुसलमानों की नहीं, बल्कि पूरे मुल्क के हर ज़िम्मेदार नागरिक की ज़िम्मेदारी है।

1 साल के बच्चे के काटने से कोबरा की मौत

बेतिया । बिहार के बेतिया जिले के मोहछी बनकटवा गांव निवासी सुनील साह के 1 साल के बच्चे गोविंद कुमार ने कोबरा सांप को काट लिया, जिससे कोबरा की मौत हो गई। घटना उसे समय हुई जब गोविंद अपने घर के पास खेल रहा था, तभी एक कोबरा उसके पास आ गया और हाथ में लिपट गया। इसके बाद बच्चे ने सांप को काट लिया, जिससे सांप की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि बच्चा बेहोश हो गया। परिजन उसे तुरंत स्वास्थ्य केंद्र ले गए। वहां से उसे बेतिया रेफर किया गया। डॉक्टरों ने बताया कि फिलहाल बच्चे की हालत स्थिर है। बच्चे की दादी ने बताया कि पहले गोविंदा ने इसे लकड़ी से मारा और फिर काट लिया।

आज के युग में युद्ध केवल बंदूकों और गोलियों से नहीं जीते जाते - रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रविवार को वडोदरा स्थित गति शक्ति विश्वविद्यालय (जीएसवी) के दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि सशस्त्र बलों को जुटाने से लेकर सही समय और स्थान पर उपकरण पहुंचाने तक हमारी एजेंसियों द्वारा निर्बाध लॉजिस्टिक्स प्रबंधन 'ऑपरेशन सिंदूर' की सफलता में एक निर्णायक कारक था। आज के युग में युद्ध केवल बंदूकों और गोलियों से नहीं जीते जाते, बल्कि उनको समयबद्ध पहुंचाने से जीते जाते हैं और 'ऑपरेशन सिंदूर' उत्कृष्ट लॉजिस्टिक्स प्रबंधन का एक सजीव उदाहरण था। उन्होंने कहा कि लॉजिस्टिक्स को सामरिक महत्व से देखा जाना चाहिए, न कि केवल सामान पहुंचाने की प्रक्रिया के रूप में। चाहे सीमा पर लड़ रहे सैनिक हों या आपदा प्रबंधन में लगे कर्मचारी, समन्वय या संसाधनों के उचित प्रबंधन के बिना, सबसे मजबूत इरादे भी कमजोर पड़ जाते हैं। लॉजिस्टिक्स वह शक्ति है, जो अराजकता को नियंत्रण में बदल देती है। शक्ति का मापदंड केवल हथियारों से ही नहीं, बल्कि समय पर संसाधन प्रबंधन से भी होता है। चाहे युद्ध हो, आपदा हो या वैश्विक महामारी, जो राष्ट्र अपनी लॉजिस्टिक्स श्रृंखला को मजबूत रखता है, वही सबसे स्थिर, सुरक्षित और सक्षम होता है। उन्होंने 21वीं सदी में भारत की आकांक्षाओं को गति प्रदान करने में जीएसवी जैसी संस्थाओं की महत्वपूर्ण भूमिका का उल्लेख किया। राजनाथ सिंह ने देश की आर्थिक प्रगति में लॉजिस्टिक्स के महत्व पर प्रकाश डाला और इसे

उत्पादन-पूर्व से लेकर उपभोग तक, हर चरण को जोड़ने वाले प्रमुख स्तंभों में से एक बताया। उन्होंने भारत के सकल घरेलू उत्पाद में लॉजिस्टिक्स के योगदान को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से महत्वपूर्ण बताया, साथ ही कोविड के दौरान इसकी महत्वपूर्ण भूमिका को भी रेखांकित किया, जब जरूरत के समय लाखों टीके, ऑक्सीजन सिलेंडर और चिकित्सा दल एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुंचे। रक्षा मंत्री ने बताया कि पिछले 11 वर्षों में भारत के बुनियादी ढांचे में अभूतपूर्व विकास हुआ है और समग्र और एकीकृत दृष्टिकोण के साथ इस परिवर्तन की नींव नीतिगत सुधारों और मिशन मोड परियोजनाओं के माध्यम से रखी गई है। इसका प्रभाव केवल भौतिक संपर्क तक ही सीमित नहीं है, बल्कि इससे आर्थिक उत्पादकता में भी वृद्धि हुई है, लॉजिस्टिक् की लागत में कमी आई है और सेवा वितरण में सुधार हुआ है। उन्होंने कहा, "पीएम गतिशक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान के तहत, रेलवे, सड़क, बंदरगाह, जलमार्ग, हवाई अड्डे, जन परिवहन और लॉजिस्टिक्स आधारभूत ढांचे जैसे विकास के सात शक्तिशाली स्तंभ मिलकर भारत की अर्थव्यवस्था को एक मजबूत आधार प्रदान कर रहे हैं।

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्वाधिकारी मुन्नाखान के लिए अम्बर ऑफसेट प्राइवेट लिमिटेड, 3-A, डी एल टावर, विद्या आश्रम इंस्टीट्यूशनल एरिया, जेएलएन मार्ग, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय 4312, मोहल्ला नायकों का, जगन्नाथ शाह का रास्ता, नाहरबाडा, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित।

संपादक : मुन्नाखान मो. 9772552446 कार्यालय फोन - 0141-4982834 Gmail : royalpatrika@gmail.com Yahoo : royal_patrika@yahoo.com